हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • सोमवार • 24.02.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 213 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

नारी शक्ति को नमन, आठ मार्च को मेरा सोशल प्लेटफॉर्म संभालेंगी महिलाएं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में कहा कि इस बार महिला दिवस पर उनके सोशल अकाउंट की कमान महिलाएं संभालेंगी। आज रविवार मन की बात के 119वें एपिसोड को संबोधित करते हुए उन्होंने देश के लिए सर्वस्व समर्पित करने वाली महिलाओं को भी याद किया। महिलाओं के योगदान का जिक्र करते हुए कहा पीएम मोदी ने कहा पीएम मोदी ने महिलाओं के योगदान का जिक्र करते हुए कहा, हंसा मेहता जी ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण से लेकर उसके लिए बलिदान देने वाली देश भर की महिलाओं के योगदान को सामने रखा था। उनका मानना था कि हमारे तिरंगे में केसरिया रंग से भी ये भावना उजागर होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया था कि हमारी नारी शक्ति भारत को सशक्त और समृद्ध बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देग। उनकी बातें सच साबित हो रही हैं। आप किसी भी क्षेत्र पर नजर डालें तो पाएंगे कि महिलाओं का योगदान कितना व्यापक है। पीएम मोदी देश की कुछ इंस्पायरिंग वीमेन को, एक दिन के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स सौंपेगें। इसके बाद पीएम ने अनूठी पहल का खुलासा किया। पीएम मोदी ने कहा, इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स, इंस्टाग्राम के अकाउंट्स को देश की कुछ इंस्पायरिंग वीमेन को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूँ। ऐसी वीमेन जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, इनोवेशन किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को, वो, अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। उन्होंने आगे कहा, प्लेटफॉर्म भले ही मेरा होगा, लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियाँ और उनकी उपलब्धियों की बात होगी। यदि आप चाहती हैं कि ये अवसर आपको मिले, तो नमो एप पर बनाए गए विशेष फोरम के माध्यम से, इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट से, पूरी दुनिया तक, अपनी बात पहुंचाएँ, तो आइए, इस बार महिला दिवस पर हम सब मिलकर अदम्य नारी शक्ति को सेलिब्रेट करें, सम्मान करें, नमन करें।

आज से शुरू होगा झारखंड विधानसभा का बजट सत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू होगी, जिसमें विपक्ष सरकार को जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति, पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है। विपक्ष ने इसके लिए 23 फरवरी को बैठक बुलाई है, जहां सरकार के खिलाफ रणनीति तय की जाएगी। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा, जिसमें विपक्ष सरकार को जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति, पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है। विपक्ष ने इसके लिए 23 फरवरी को बैठक बुलाई है, जहां सरकार के खिलाफ रणनीति तय की जाएगी।

अब तक तय नहीं हुआ नेता प्रतिपक्ष

बजट सत्र से पहले अब तक नेता प्रतिपक्ष का चयन नहीं हो सका है। इसी कारण भाजपा ने विधानसभा स्पीकर रवींद्र नाथ महतो द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से दूरी बना ली। एनडीए के सहयोगी दल आजसू ने भी बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। स्पीकर ने भी स्वीकार किया कि नेता प्रतिपक्ष के बिना सदन का संचालन मुश्किल हो सकता है। सर्वदलीय बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि बजट पर एक दिन की बजाय दो दिन तक चर्चा होगी। वहीं, अनुदान मांगों पर बहस का समय 11 दिनों से घटाकर 10 दिन कर दिया गया है।

3 मार्च को पेश होगा बजट

झारखंड सरकार 3 मार्च 2025 को विधानसभा में बजट पेश करेगी, जिसके बाद 4 और 5 मार्च को इस पर बहस होगी।

टनल में फंसे श्रमिकों को निकालने को लेकर मुख्यमंत्री ने तेलंगाना सरकार से किया संपर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने तेलंगाना के निमार्णाधीन टनल में झारखंड के श्रमिकों के फंसे होने की सूचना के बाद उन श्रमिकों को सुरक्षित निकालने को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री से संपर्क किया है। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा तेलंगाना सरकार से संपर्क कर टनल में फंसे झारखंड के श्रमिकों को लेकर जानकारी प्राप्त की जा रही है। श्रम विभाग की ओर से गुमला के श्रमिकों से संबंधित पारिवारिक जानकारी रविवार को प्राप्त की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 22 फरवरी की सुबह डोमलपेंटा इलाके में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में आठ श्रमिक टनल के अंदर फंस गए। जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। टनल नागरकुरनूल जिले को आंध्रप्रदेश के श्रीशैलम स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग से जोड़ती है। टनल में झारखंड के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर एवं पंजाब के श्रमिक फंसे हुए हैं।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से रविवार को रांची के डॉ. कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी के. राजू ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने के. राजू को झारखंड कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त होने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद के राजू की मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ पहली भेंट थी।

एक नजर

2.5 करोड़ की विदेशी मुद्रा के साथ एक गिरफ्तार

हावड़ा : हावड़ा स्टेशन से पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम हेमंत कुमार पांडे है। आरपीएफ सूत्रों के अनुसार अपराध दमन शाखा को सूचना मिली थी कि अवैध विदेशी मुद्रा उत्तर प्रदेश से कोलकाता में आ रही है। इसी अनुसार, पुलिस ने कोलकाता जाने वाली ट्रेन पर नजर रखना शुरू किया। गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ ने रविवार दोपहर पटना-हावड़ा स्टेशन पर जनशताब्दी एक्सप्रेस में तलाशी ली। वहां से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर पुलिस को 289,000 अमेरिकी डॉलर, 52,500 सऊदी रियाल और 600 सिंगापुर डॉलर मिले, बरामद रुपये भारतीय मुद्रा में दो करोड़ 60 लाख 99 हजार 900 रुपये हैं।

कांग्रेस की तुलना में झारखंड को दिए 300 प्रतिशत अधिक पैसे : गजेंद्र सिंह शेखावत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश आर्थिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रविवार को रांची के चेंबर भवन में केंद्रीय बजट पर परिचर्चा का आयोजन हुआ जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मौजूद थे। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि केंद्रीय बजट चार प्रमुख इंजनों के जरिये संचालित है। जिसमें ग्रामीण समृद्धि के लिए कृषि, उद्यमिता और रोजगार सृजन के लिए एमएसएमई, बुनियादी ढांचे और नवाचार के लिए निवेश और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ आर्थिक वृद्धि के लिए निर्यात प्रमुख है। उन्होंने कहा कि इस बजट का लक्ष्य छह आयामों पर आधारित है, जिसमें विकास को

गति देना, समावेशी विकास को सुरक्षित करना, भारत के मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ाना, निजी क्षेत्र के निवेश को प्रेरित करना और घरेलू भावना को मजबूत करना शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने छह दशक के शासन में गरीबी हटाओ का केवल नारा दिया, लेकिन मोदी सरकार में पिछले एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इससे देश में तेजी से मध्यम वर्ग बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास के लिए मोदी सरकार संकल्पित है और कांग्रेस की सरकारों की तुलना में देखें तो 300 प्रतिशत ज्यादा राशि मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि 2004 से 14के बीच झारखंड को जहां 56090 करोड़ रुपए मिले थे जो 2014से 24के बीच 2,26, 444करोड़ रुपए हो गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बढ़ता भारत बदलता भारत मोदी सरकार की देन है। यह प्रक्रिया 2047 में विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा।

राष्ट्र निर्माण के लिए परंपरा और तकनीक दोनों की जरूरत : डॉ. एस जयशंकर

एजेंसी

वाराणसी : विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि ऐतिहासिक चुनौतियों पर काबू पाने के बाद भारत अब वैश्विक मंच पर अपना स्थान पुनः प्राप्त कर रहा है। साथ ही दुनिया भर में सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा दे रहा है। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का इस्तेमाल करने की अपार क्षमता है। भारत की ताकत परंपरा और प्रौद्योगिकी, स्वतंत्रता और सहयोग, तथा राष्ट्रीय हित को वैश्विक सद्भावना के साथ संतुलित करने की क्षमता है। विदेश मंत्री रविवार को

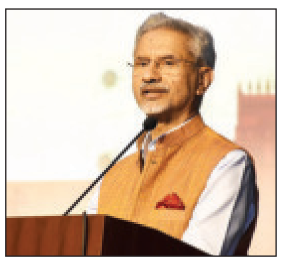

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ओंकार नाथ ठाकुर सभागार में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में बीएचयू के छात्रों से संवाद कर रहे थे। इसी सभागार में काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण में तमिलनाडु से आए प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों के साथ संवाद के बाद विदेश मंत्री ने विद्यार्थियों को देश की विदेश नीति से अवगत कराया। उन्होंने पेरिस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी का खास तौर पर उल्लेख किया। कहा कि भारत एआई से जुड़े सांस्कृतिक पूर्वाग्रह के मुद्दे का प्रभावी रूप से हल कर सकता है। उन्होंने छात्रों से सवाल जबाब के क्रम में विकासशील देशों को पारंपरिक विकास मॉडल से आगे निकलने में सक्षम बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ आए 45 देशों के राजदूतों ने भी छात्रों के सवालों के जवाब दिए। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा वैश्विक आदान-प्रदान, बातचीत के लिए तत्पर है। उन्होंने छात्रों से अपने दैनिक जीवन में विदेश नीति के महत्व को पहचानने का आग्रह किया। छात्रों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी प्रगति दोनों को अपनाकर खुद को वैश्विक प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। विश्व को जोड़ना - विश्व बंधु थीम वाले इस कार्यक्रम में छात्रों ने वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका पर पर बातचीत की।

PR- 346828 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25

एक नजर

कांग्रेस नेता के छोटे भाई का हृदय गति रुकने से निधन

इचाक : प्रखण्ड के पुराना इचाक अंबेडकर नगर निवासी प्राथमिक विद्यालय पुरनाडीह के सहायक अध्यापिका रीना देवी के पति और कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष लालमोहन रविदास के छोटे भाई अशोक रविदास का अचानक निधन से शिक्षक समुदाय में शोक की लहर दौड़ गयी। घटना रविवार सुबह घटी। इस सम्बंध में सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार स्व दास रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए गए थे। इसी बीच उन्होंने इचाक बाजार चाय भी पिये। उसके वाद ज्यों ही घर लौट रहे थे। कि अग्रवाल मेडिकल के पास उंन्हे चक्कर आया और गिर कर अचेत हो गए। आस पास के लोगो ने उन्हें उठाकर पानी दिया। चेतना में आये। लोगो के सहयोग से उंन्हे घर ले जाया गया। उसके बाद उन्हें सदर अस्पताल हजारीबाग ले गए इलाज के दौरान उनकी निधन हो गयी। चिकित्सकों ने बताया कि इनका निधन हृदय गति रुकने से हो गयी। घटना की सूचना जैसे ही पुरनाडीह पहुंचा की परिजनों की क्रंदन और चीत्कार से पूरा मुहल्ला गमगीन हो गया। स्व दास के दो बेटा कॉमन और अमन और बेटी साक्षी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। परिजनों के चीत्कार से आस पास के लोगो का घर मे हुजूम बढ़ गया। लोग बच्चों और पत्नी रीना को सांत्वना देने में जुट गए। मुखग्नि बडे पुत्र कॉमन कुमार ने दी।

सुंदरम जी महाराज का प्रवचन सुनकर झूम उठे श्रद्धालुओं

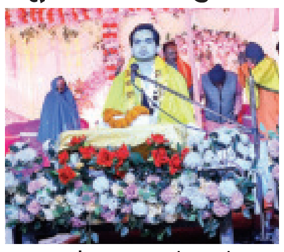

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत गोन्दलपुरा में नव निर्मित शिव मंदिर के उद्घाटन को लेकर श्री श्री 1008 शिव प्राण प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। पांचव दिन ब्राह्मणों के द्वारा प्रवचन किया गया तथा संध्या काल में ब्राह्मणों तथा पुजारी के साथ आरती की गई भंडारा का आयोजन किया गया। रात्रि में पंचांमृत का प्रसाद वितरण किया गया। तथा सुदरम जी महाराज को कमेटी की ओर से माला पहना कर स्वागत किया गया । तथा महराज जी जब राम रामचरित्र मानस का कथा का प्रवचन देने लगे तो महाराज जी का प्रवचन सुनकर श्रद्धालु गण भक्ति भाव मे मग्न हो गए तथा उनके बाद संध्या दीदी के सर्वदेव पूजा वेदी पूजन जलाधिवास घृताधिवास अन्नादिधिवास वस्त्राधिवास सत्संग रात्रि में संगीत मया सत्सग एवं वैदिक कथा वाचन के द्वारा प्रवचन किया गया। प्रवचन सुनकर श्रद्धालु काफी खुश नजर आए। प्रवचन को सुनने के लिए आसपास गांव दूर से श्रद्धालुओं प्रवर्चन सुनने के लिए आये।

पेड़ से टकराई बाइक दो की मौत, एक गंभीर

दुमका : नशे में धूत बाईक सवार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से दो बाईक सवार की मौत हो गई। वहीं घटना में एक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शनिवार की देर रात विश्वविद्यालय ओपी थाना क्षेत्र में घटी। दुर्घटना थाना से चंद कदम दूर सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के समीप घटी। मृतकों का शिनाख्त साहिबगंज जिला के तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव निवासी सोमाय हांसदा (30)एवं बरहेट थाना क्षेत्र के हिरणपुर गांव निवासी संजला मुर्मू (20) के रूप में हुई। वहीं घायल सदर प्रखंड के दिग्घी ओपी थाना क्षेत्र के दीपक हेम्ब्रम है। दीपक विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्ड है। जानकारी के अनुसार दीपक अपने दोस्तों के साथ बाईक में सवार होकर सदर प्रखंड के बागडुब्बी एक श्राद्ध कर्म में शामिल होने गया था।

कृषकों की आय में वृद्धि के लिए फूड प्रोसेसिव यूनिट का निर्माण कराया जाए : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग स्थित जैन धर्मशाला में केंद्रीय बजट 2025 पर परिचर्चा कार्यक्रम एवं प्रेस वार्ता शहर के प्रमुख व्यवसायी, प्रोफेसर, डॉक्टर ,वकील एवं बुद्धिजीवियों के बीच की गई। परिचर्चा कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारत सरकार के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, हजारीबाग लोकसभा के माननीय सांसद मनीष जायसवाल एवं सदर विधायक प्रदीप प्रसाद उपस्थित हुए, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह द्वारा की गई तथा संचालन जिला महामंत्री सुनील मेहता द्वारा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा कहा गया की 2025 का बजट आने वाला दिनों में

विकसित भारत का संकल्पित बजट सिद्ध होगा ।पहले की सरकारें पंचवर्षीय योजना दिखाने के लिए बनाती थी। योजना पूरी नहीं होती थी 2025 के बजट में वित्त मंत्री द्वारा 12 लाख तक के आय में आयकर छूट देने की बात कही ,तो सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के सांसद भी खुशी के मारे मेज थपथपाकर स्वागत किया, क्योंकि विपक्ष को यह उम्मीद नहीं थी। जीएसटी में सुधार के बदौलत भारत विश्व में पांचवी शक्ति के रूप में उभरी है और आने वाला दिनों में भारत तीसरी शक्ति बन जाएगा। भारत अपने देश के लोगों को कोरोना का वैक्सीन देने के साथ-साथ विश्व के 118 देश को निर्यात किया। जहां किसी देश का पूरा बजट 6 लाख 81000 करोड़ रूपया होता है, वहीं भारत में सिर्फ रक्षा बजट इतना है। भारत दुनिया के100 देश में रक्षा सामग्री का निर्यात करता है। डिजिटल लेनदेन में दुनिया का सबसे बड़ा देश भारत बन गया है। इससे करोड़ों युवक -युवतियों को रोजगार मिला है ।देश का कोई गांव नहीं है जहां बिजली नहीं है। पहले की सरकारें वर्ष में 60 से 70 किलोमीटर रेल लाइन बिछाती थी और आज 500 से 6 00 किलोमीटर रेल लाइन बिछाया जा रहा है स्टार्टअप के लिए 10000 करोड़ रूपया से 20000 करोड़ रूपया आणि दुगनी बजट की गई है। पहले खिलौना का 80% चीन, जापान से आयात किया जाता था। वही आज 90% खिलौना भारत में निर्मित होता है। माननीय सांसद मनीष जायसवाल अपने संबोधन में कहा की 2025का बजट प्रोग्रेसिव बजट है। कृषि के क्षेत्र में केसीसी लोन पहले 300000 तक दिया जाता था, जिसे बढ़ाकर 500000 कर दिया गया है । कृषि के क्षेत्र में बेहतर उत्पादन के लिए एम एसपी में वृद्धि किया गया है। सिर्फ झारखंड में रेल बजट 700 करोड़ रूपया का है। जो पहले से कई गुना अधिक है। पहले चीनी का मिल बंद हो जाता था। आज प्रत्येक वर्ष नई-नई चीनी के मिल खुल रहे हैं। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि बजट से हर वर्ग को लाभान्वित हो रहा है। किसनों की आय बढ़ाने हेतु फूड प्रोसेसिव यूनिट लगवाने की जरूरत है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में लीगल लिटरेसी क्लब का हुआ गठन

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में लीगल लिटरेसी क्लब का गठन किया गया। इस अवसर पर न्यायिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुमन्त दीक्षित, मुख्य एलएडीसी मुरली कुमार राणा, पीएलवी पंकज कुमार, नीरज कुमार पासवान तथा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार मैढ़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस मौके पर ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुमन्त दीक्षित ने विधिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उनके मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधिक साक्षरता समाज के प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है, ताकि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो सकें और किसी भी प्रकार के शोषण या अन्याय का सामना कर सकें। मुख्य एलएडीसी मुरली कुमार राणा ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विधिक शिक्षा केवल कानून के छात्रों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि आम नागरिकों को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि लीगल लिटरेसी क्लब के माध्यम से छात्रों को विभिन्न कानूनी प्रक्रियाओं, नागरिक अधिकारों और विधिक सहायता के बारे में शिक्षित किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार मैढ़ ने अपने संबोधन में कहा कि यह क्लब छात्रों को न्यायिक प्रणाली की बुनियादी समझ विकसित करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इस क्लब के माध्यम से छात्र विभिन्न कानूनी मामलों को समझने और अपने अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम होंगे। कार्यक्रम में पीएलवी पंकज कुमार एवं नीरज कुमार पासवान ने भी विधिक साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया और छात्रों को बताया कि वे किस प्रकार कानूनी मामलों में सतर्कता और जागरूकता बरत सकते हैं।

विधायक ने किया इनडोर स्टेडियम का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने रविवार को डीवीसी चौक स्थित इनडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेडियम की वर्तमान स्थिति, रखरखाव और सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्टेडियम में खेल गतिविधियों की वास्तविकता और उद्देश्य से भटकने पर चिंता व्यक्त करते हुए, आवश्यक सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। खेल सुविधाओं की बदहाल स्थिति पर जताई चिंता विधायक ने निरीक्षण के दौरान जिम, स्विमिंग पूल, खेल मैदान, ट्रैक, दर्शक दीर्घा और अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं की स्थिति को देखा। उन्होंने पाया कि स्टेडियम की कई सुविधाएं या तो रखरखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही हैं या फिर उपयोग में नहीं लाई जा रही हैं। विधायक ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई.उन्होंने कहा कि स्टेडियम का निर्माण खिलाड़ियों और बच्चों के खेल कौशल को विकसित करने के लिए किया गया था, लेकिन वर्तमान में यह

अपने उद्देश्य से भटक चुका है। खेल प्रेमियों और स्थानीय खिलाड़ियों को यहां मूलभूत सुविधाएं भी ठीक से नहीं मिल पा रही हैं, जिससे उनकी खेल गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सुधार के लिए दिए सख्त निर्देश निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया की स्टेडियम की साफ-सफाई और नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। स्विमिंग पूल की मरम्मत और साफ-सफाई का कार्य जल्द पूरा किया जाए। जिम उपकरणों को ठीक कर नियमित उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए। खेल मैदान की घास, ट्रैक और अन्य सुविधाओं को खिलाड़ियों के लिए उपयुक्त बनाया जाए। स्टेडियम के उपयोग के लिए एक प्रभावी प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाए, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विधायक ने कहा कि खेल और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्टेडियम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि सही ढंग से इसका रखरखाव और प्रबंधन किया जाए, तो यह खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श स्थान बन सकता है। उन्होंने स्थानीय युवाओं से भी अपील की वे खेलों में अधिक भागीदारी करें और स्टेडियम की सुविधाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले निरीक्षण तक सभी आवश्यक सुधार कार्य पूरे किए जाएं।

झारखंड कुशवाहा महासभा प्रदेश युवा समिति की द्वितीय कार्यकारणी बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड कुशवाहा महासभा के प्रदेश युवा समिति की द्वितीय कार्यकारणी बैठक मेहता कुशवाहा भवन हजारीबाग में युवा प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो, महासचिव सत्यदेव प्रसाद वर्मा, संगठन सचिव बटेश्वर प्रसाद मेहता, प्रशिक्षण प्रमुख संजय शान, प्रदेश युवा अध्यक्ष अर्जुन कुमार, हजारीबाग अध्यक्ष मुकुटधारी महतो आदि लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यकारणी की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो ने कहा कि कोई संगठन युवाओं की सामाजिक सहभागिता के बैगर चौमुखी विकास नहीं कर सकता है। हम सभी अपने समाज के युवाओं को सामाजिक दायित्व के निर्वहन करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। महासभा के महासचिव सत्यदेव प्रसाद वर्मा ने कहा कि हमें इस वर्ष युवाओं का संगठन को प्रखंड से लेकर पंचायत तक ले जानी की जरूरत है। महासभा के संगठन सचिव बटेश्वर प्रसाद मेहता ने प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के स्वतंत्रता सेनानीयों को याद करते हुए हमें उनके योगदान को भी सदैव याद करवाते रहने की जरूरत है। सभा को हजारीबाग जिला अध्यक्ष मुकुटधारी महतो, जय नारायण मेहता, युवा प्रदेश संगठन सचिव सतीश कुमार, हजारीबाग युवा जिला अध्यक्ष अशोक कुमार मेहता, चतरा युवा जिलाध्यक्ष सिकन्दर मेहता, हजारिबाग युवा प्रवक्ता तिव्रेकान्त,इस बैठक को सफल बनाने के लिए हजारीबाग युवा जिला कमिटि का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अंजलि बाला ने नेट परीक्षा में सफलता हासिल की, लोगों दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के ग्राम सांढ़ निवासी हरिशंकर प्रसाद के पुत्री अंजलि बाला ने असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए यूजीसी नेट के परीक्षा में 95.25% प्रतिशत लाकर सफलता हासिल की है। सफलता का श्रेय अपने दादा पूर्व मुखिया मुरलीधर दांगी, पिता हरिशंकर प्रसाद ,माता आशा देवी,भाई चीकू एंव गुरुजनों को दी है ।अंजलि बाला मैट्रिक परीक्षा में 84% व इंटरमीडिएट संत स्टीफन स्कूल में 65% अंक अर्जित की थी। संत कोलंबस कॉलेज से इंग्लिश ऑनर्स में 65% प्रतिशत एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय से एम.ए में 65% प्रतिशत लाकर प्राप्त की थी।अंजलि बाला हजारीबाग में रहकर नेट की तैयारी कर रही थी ।इनकी सफलता पर विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, प्रमुख फुलवा देवी, जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी,पूर्व जिला परिषद सदस्य

सह पूर्व प्रमुख टूकेश्वर प्रसाद, उप प्रमुख वचन देव कुमार ,मुखिया सुलेखा कुमारी, पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार, शहीद जगदेव विचार मंच के अध्यक्ष उमेश दांगी ,पूर्व मुखिया भीखन महतो, भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद,समाजसेवी भवानी प्रसाद ,अशोक महतो , उपमुखिया हेवंती देवी, वार्ड सदस्य अंजू कुमारी, टेकलाल कुमार, मनोज कुमार,रंजीत कुमार रंजन ,पीयूष कुमार, राहुल कुमार रंजन, मनोहर प्रसाद दांगी सहित अन्य लोगों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया।

माइनिंग के लिए केबीपी कंपनी ने कड़ी सुरक्षा के बीच किया भूमि पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के मांडू प्रखंड अंतर्गत कोतरे बसंतपुर पचमो में माइनिंग के लिए केबीपी कंपनी ने कड़ी सुरक्षा के बीच भूमि पूजन किया। रविवार की सुबह से ही भूमि पूजन के लिए केपी कंपनी के मालिक और कर्मचारी खड़े थे। इसके विरोध में दर्जनों गांव के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। जिला प्रशासन और पुलिस पदाधिकारियों की ओर से लाख पहल किए जाने के बावजूद ग्रामीणों के जरिये कंपनी को काम करने के लिए सहमति प्रदान नहीं की गई। 12 घंटे तक लगातार ग्रामीण और अधिकारियों के बीच वार्ता चलती रही। अंततः देर शाम कंपनी

के मालिक प्रणय अपने कर्मियों के साथ सिर्फ भूमि पूजन कर निकल गए थे। केदला वासरी से कोतरे गांव की तरफ घुसते ही हजारों की संख्या में ग्रामीण अधिकारियों को रोक कर बैठ गए थे। ना तो अधिकारियों की गाड़ी अंदर जा रही थी और ना ही कंपनी की गाड़ी और मशीन अंदर घुसने के लिए तैयार थी। लाख प्रयास के बावजूद मीनिंग करने के लिए कोई भी गाड़ी अंदर नहीं जा सकी। सीसीएल कोतरे बसंतपुर पचमो ओपन कास्ट माइंस के लिए 1011.87 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण कर चुकी है। जितने ग्रामीणों की जमीनें गई थी, उसका मुआवजा भी सीसीएल दे चुका है। इस एरिया में काम करने के लिए हैदराबाद की केबीपी कंपनी ने टेंडर लिया था। वर्ष 2021 में टेंडर होने के बावजूद यहां काम शुरू नहीं हो पाया। इतने बड़े एरिया में काम करने के लिए ग्रामीण नौकरी और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को बताया कि सीसीएल ने रैयती जमीन का तो मुआवजा दे दिया है, लेकिन जो गैर मजरुआ जमीन ग्रामीणों के कब्जे में वर्षों से रहा है, उसपर कोई निर्णय नहीं हुआ है। नौकरी भी एक बड़ा मुद्दा है, जिस पर ना तो सीसीएल अपना पक्ष स्पष्ट कर रही है और ना ही जिला के अधिकारी कोई स्पष्ट बात कर रहे हैं। अगर यह मुद्दा ऐसे ही रहा तो कंपनी को काम करने नहीं दिया जाएगा। रविवार को जब रामगढ़ जिले के तमाम अधिकारी भारी मात्रा में पुलिस फोर्स के साथ कोतरे बसंतपुर पचमो माइनिंग एरिया में भूमि पूजन करने पहुंचे, तो महिलाएं भी वहां पहले से मौजूद थी। ग्रामीणों को इस बात का अंदेशा था कि केबीपी कंपनी जबरन भूमि पूजन करने के लिए बल प्रयोग जरूर करेगी।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया ने छात्राओं के बीच की साइकिल का वितरण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत गौरियाकरमा पंचायत में राजकीय मध्य विद्यालय गौरियाकर्मा में छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत की मुखिया कुमारी मीरा विशेष रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने अपने हाथों से छात्राओं को साइकिल वितरित की। मुखिया कुमारी मीरा ने इस मौके पर कहा कि सरकार की यह योजना बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। साइकिल मिलने से छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी और वे अपनी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रख सकेंगी। उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और सभी को मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने भी सरकार की इस योजना की सराहना की और कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। छात्राओं ने साइकिल पाकर खुशी जाहिर की और सरकार एवं पंचायत प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और अब वे आसानी से स्कूल आ-जा सकेंगी।

मुखिया शमशेर आलम ने बरहीडीह में धोती-साड़ी का किया वितरण

बरही : बरही पश्चिमी पंचायत के मुखिया शमशेर आलम के नेतृत्व में बरहीडीह में धोती-साड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने इस योजना का लाभ उठाया। कार्यक्रम में वार्ड प्रतिनिधि दीनू प्रजापति, समाजसेवी अजय पासवान, डीलर राजू राणा, कनोसी प्रजापति, मुकेश पासवान, टिंकू आलम, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि इंद्रदेव भैया समेत कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। पंचायत के दो डीलरों के माध्यम से पात्र लाभुकों के बीच धोती और साड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुखिया शमशेर आलम ने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर जरूरतमंदों को हरसंभव सहायता दी जाएगी। गांव के लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से जरूरतमंद परिवारों को काफी राहत मिलती है।

झारखंड कांग्रेस के नए प्रभारी के रांची आगमन पर ओबीसी प्रकोष्ठ के नेताओं ने किया स्वागत

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सह कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव के राजू के रांची आगमन पर ओबीसी प्रकोष्ठ के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया है । कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला , प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गोप ने संयुक्त रूप से बुके देकर उनका स्वागत किया ।इस दौरान ओबीसी प्रकोष्ठ के नेताओं ने आशा व्यक्त किया है कि उनके कुशल नेतृत्व में सभी समाज के लोग कांग्रेस पार्टी में जुड़ कर कर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी ने कहां की गांव-गांव तक कांग्रेस संगठन को मजबूत करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी । प्रदेश प्रभारी ने कहा कि पार्टी के कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा करने के साथ-साथ गांव में कांग्रेस संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के प्रयास तेज किए जाएंगे ।इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस सभी प्रकोष्ठ के नेताओं के साथ मिलकर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे ।इसके लिए सभी नेताओं को एकजुट होकर काम करना होगा।

9 मार्च को होगा होली मिलन सह जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह

हजारीबाग : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की बैठक जिला अध्यक्ष दीपक नाथ सहाय की अध्यक्षता में दिनांक 21 2 25 को रात्रि 7 :00 बजे प्रधान कैफेटेरिया मैं की गई बैठक में पूर्व में किए गए कार्यक्रम की समीक्षा एवं संगठन के विस्तार पर विचार करने के उपरांत आगामी 9 मार्च 20 25 को जिला स्तरीय पारिवारिक होली मिलन सह जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह प्रधान कैफेटेरिया हजारीबाग के परिसर में होना निश्चित किया गया है होली मिलन समारोह में सुरुचि व्यंजन के साथ-साथ मनोरंजक कार्यक्रम आपसी सहभागिता से होना निश्चित किया गया है सभी उप समितियां के अध्यक्ष महामंत्री से आग्रह है कि अपने कमेटियों के सदस्यों के साथ-साथ प्रमुख साथियों की संख्या को दशार्ते हुए उपस्थित होने की पूर्व सूचना दिनांक 3 मार्च 20 25 तक फोन पर या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य सूचित जिला कमेटी को कर दें कार्यक्रम की सफलता के लिए बैठक में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार लाल कोषाध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा महामंत्री राजीव रंजन संयुक्त मंत्री प्रभात कुमार प्रधान शिवपुरी उप समिति अध्यक्ष बैजनाथ लाल समाज कल्याण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरविंद कुमार सिन्हा उर्फ पप्पू सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद सिन्हा युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बप्पी करण उपाध्यक्ष विकास कुमार उपस्थित हुए । आयोजन को लेकर दीपक नाथ सहाय जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा हजारीबाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दिया।

एक नजर

सदर थाना प्रभारी बने रंजीत कुमार सिन्हा

रांची : प्रदेश राजधानी रांची में विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए पांच थाना प्रभारियों सहित दो पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। पुलिस केंद्र में पदस्थापित रंजीत कुमार सिंह को सदर थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के रविवार को जारी आदेश के अनुसार खलारी के इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह को हटा कर जयदीप टोप्पो को खलारी का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार डोरंडा थाना के प्रभारी जयदीप टोप्पो को हटाते हुए कुलदीप कुमार को डोरंडा का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस केंद्र में पदस्थापित रंजीत कुमार सिंह को सदर थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। नामकुम थाना में पद स्थापित अभय कुमार को पिठोरिया का थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा मनीष कुमार को इटकी थाना प्रभारी और इटकी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार को सुखदेव नगर थाना भेजा गया है।

11 लाख लोगों का राशन कार्ड से कटेगा नाम

रांची : सरकार ने राशन कार्ड धारकों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है और इसकी अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025 निर्धारित की है। खाद्य आपूर्ति विभाग के अनुसार, राज्य में अभी भी 11 लाख 64 हजार 649 राशन कार्डधारी ऐसे हैं, जिनका ई-केवाईसी पूरा नहीं हुआ है। यदि समय रहते यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है, तो इनका राशन कार्ड रद्द किया जा सकता है। कौन-कौन से राशन कार्ड धारकों को कराना होगा ई-केवाईसी? राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पीएच (गुलाबी कार्ड), एएवाई (पिला कार्ड) के अलावा राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत आने वाले हरे राशन कार्ड और अन्य सभी कार्डधारी परिवारों के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी अनिवार्य किया गया है। सरकार का यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि केवल वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

हरमू सहित कई इलाकों में 24 को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रांची : रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम आरडीएसएस योजना के तहत रांची में विद्युत संरचना को मजबूत करने के लिए सोमवार को कई इलाकों में काम किया जाएगा। इसे लेकर राजधानी के इन इलाकों में लगभग साढ़े तीन घंटे तक बिजली सेवा बाधित रहेगी। बिजली विभाग विद्युत शक्ति उपकेंद्र, हरमू के ओल्ड हरमू फीडर में भगत सिंह चौक के पास एलटी लाइन का काम किया जाएगा। इसलिए इससे संबंधित इलाकों की बिजली आपूर्ति सुबह 11.30 बजे से दोपहर तीन बजे तक बाधित रहेगी। इसके अलावा विद्युत शक्ति उपकेंद्र, अशोकनगर के पुंदाग फीडर में गिरजाटोली में एलटी और एचटी लाइन का काम किया जाएगा। इससे 11 केवी पुंदाग फीडर की बिजली आपूर्ति भी इतनी ही देर तक बाधित रहेगी। साथ ही विद्युत शक्ति उपकेंद्र, पुंदाग के क्षेत्र में आनेवाले इलाकों में भी साढ़े तीन घंटे तक बिजली सेवा बाधित रहेगी। यह जानकारी बिजली विभाग की ओर से रविवार को दी गई है।

पेपर लीक मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा : डीजीपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक मामले में पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। साथ ही कई अहम डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं, इसके आधार पर छापेमारी की जा रही है। साथ ही पेपर लीक गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी की जा रही है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने साफ कर दिया है कि मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मैट्रिक पेपर लीक मामले में पुलिस की जांच और कार्रवाई तेज हो गई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पेपर लीक के तार कोडरमा से जुड़े पाए गए हैं और कोडरमा से ही कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है, इस पेपर लीक में शामिल सभी लोगों पर कानून का शिकंजा कसा जा रहा है। बरामद डिजिटल डिवाइस से कई तरह की जानकारियां मिल रही हैं, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। डीजीपी अनुराग ने कहा कि जांच के दौरान झारखंड पुलिस को एक नई बात पता चल रही है कि कुछ लोग इंटरनेट और यूट्यूब पर पुराने प्रश्नपत्र अपलोड कर अफवाह फैलाकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई भी राज्य के मासूम बच्चों को प्रभावित करने की कोशिश करेगा तो झारखंड पुलिस उसे सलाखों के पीछे भेजेगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि इस पेपर लीक के नेक्सस में शामिल किसी भी अधिकारी, शिक्षक और छात्र को हर हाल में गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस लगातार मामले पर कार्रवाई और अनुसंधान कर रही है।

सिरमटोली फ्लाईओवर निर्माण स्थल का मंत्री चमरा लिंडा ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने सिरमटोली फ्लाईओवर निर्माण स्थल का रविवार को निरीक्षण किया। उन्होंने फ्लाइओवर निर्माण के विभिन्न पहलुओं को देखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरना धर्मस्थल पर आदिवासी समाज पूजा-अर्चना करने जाते हैं। अगर सिरमटोली फ्लाईओवर की ऊंचाई कम रखी गई, तो वहां आने-जाने में श्रद्धालुओं को कठिनाई होगी और दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाएगी। इसी कारण उन्होंने फ्लाईओवर की ऊंचाई बढ़ाने की मांग रखी जिससे भविष्य में किसी भी तरह की दुर्घटना को टाला जा सके। उन्होंने कहा कि सरना स्थल सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की आस्था और परंपरा का प्रतीक है। वर्षों से यहां धार्मिक अनुष्ठान होते आ रहे हैं और यह स्थान समुदाय की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। मंत्री ने सिरमटोली के स्थानीय लोगों के साथ बैठक भी की। उन्होंने कहा कि आदिवासी भाषा, सभ्यता और संस्कृति की जीवंतता मूल रूप से बनाये रखना सबसे महत्वपूर्ण है। आधुनिक विकास कार्यों को करना महत्वपूर्ण है परंतु इससे आम जनमानस को नुकसान नहीं होना चाहिए। फ्लाईओवर को लेकर आदिवासी समाज में गहरी पर फ्लाइओवर निर्माण कंपनी एल एंड टी ने बताया कि फ्लाईओवर के नए डिजाइन को तैयार किया जा रहा है और इसे मंजूरी मिलने में 15 दिन का समय लगेगा। कंपनी का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समाधान निकाला जाएगा, जिससे सरना स्थल की पवित्रता भी बनी रहे और यातायात भी सुचारू रूप से चले।

हिट एंड रन मामले में मृतक के परिजन को बेवजह न दौड़ाया जाए : दीपक बिरुवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा है कि मुख्य मार्ग पथ में होनेवाले हिट एंड रन के तहत मृतक के पीड़ितों को मुआवजा के लिए दौड़ना न पड़े । इसपर खास ध्यान दिया जाए। साथ ही विभाग के कर्मी पदाधिकारी इससे संबंधित लंबित मामलों को तत्काल दूर करने की दिशा में कार्रवाई तेज करें। उक्त बातें मंत्री दीपक बिरुवा ने चाईबासा में कही। मंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हमेशा देखने सुनने को मिलता है कि आमुख जिले में सड़क दुर्घटना होने के सालों बाद भी मामला थाना में ही अटका पड़ा है। पुलिस पदाधिकारी भी दुर्घटना संबंधित मामलों के निपटारे में तेजी लाएं। मंत्री ने कहा कि सड़को में हिट एंड रन का मामला हो या फिर कई जगहों की जर्जर सड़कों और उससे उड़ती धूल से दुर्घटना की बात। ऐसे तमाम हालत में कैसे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए, इसके लिए विभाग ईमानदारी से काम करें। मंत्री ने कहा कि कई जगहों से सूचना मिलती है कि आमुख जगहों में सड़क दुर्घटनाएं हो गई है। विभागीय पदाधिकारियों को इसका कोई पता नहीं होता। ऐसी स्थिति में एनएच या अन्य मुख्य मार्ग पथ में चिन्हित स्पॉट के कर्मी पदाधिकारी संवेदना दिखाएं। जैसे कि आमजनों को खास सहयोग करते देखा जाता है। वैसे भी सड़क दुर्घटनाओं में स्पॉट में मौजूद स्थानीय लोगों की तर्ज पर यदि विभागीय कर्मी पदाधिकारी समेत हर कोई अपने दायित्व को समझें। स्थानीय अस्पताल भी इसके लिए पहले से ही एक्टिव रहे। उन्होंने कहा कि कहीं-कहीं हाइवे और मुख्य मार्ग पथ में छोटे-गड्ढों के कारण भी आसमयिक दुर्घटना का सामना करना पड़ता है। मुख्य मार्ग पथ में ऐसे चिन्हित हॉट स्पॉट के कर्मी नजरें बनाएं रखें। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के बाद पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के बाद पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है। सरकार या पुलिस प्रशासन अब तक तय नहीं कर पाई है कि मैट्रिक पेपर लीक मामले की जांच सीआईडी करेंगी एसआईटी। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि इस बीच सूचना है कि पुलिस ने एक ही नाम के दो युवकों की गिरफ्तारी की है। अब तक कथित रूप से कोडरमा, मधुपुर से प्रिंस नाम के दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है, तीसरे प्रिंस नाम के युवक की भूमिका भी पुलिस मान रही है। यदि इन्हें आरोपी के सहनाम के कारण गिरफ्तार या पूछताछ के लिए थाना लाया गया है, तो पुलिस इनसे संवेदनशीलता के साथ पेश आए। चूंकि जेएसएससी-सीजीएल मामले में झारखंड पुलिस के डीजीपी जांच की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही बयान जारी कर छात्रों को दोषी ठहरा चुके हैं। इसलिए संभावना है कि मैट्रिक पेपर लीक मामले की लीपापोती कर निर्दोष लोगों के ऊपर आरोप मढ़ दिया जाए। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार, जैक और पुलिस के प्रतिनिधि उन लाखों छात्रों के सामने आकर मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक होने की माफी मांगे। साथ ही, उक्त प्रकरण के जांच की जानकारी सार्वजनिक करें। जांच के नाम पर निर्दोष युवाओं के साथ पुलिस की ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क से लेकर सदन तक इसका करारा जवाब दिया जाएगा।

राजद से 50 हजार लोगों को जोडना लक्ष्य : कैलाश यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के कोकर स्थित रामलखन सिंह यादव कॉलेज रांची के पास रविवार को झारखंड प्रदेश राजद के नेताओं ने सदस्यता अभियान चलाया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव मौजूद थे। इस अवसर पर कई लोगों ने राजद की सदस्यता ली। पार्टी में शामिल होनेवाले लोगों को पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने सदस्यता दिलाई। इस मौके पर कैलाश यादव ने कहा कि रांची महानगर में 50 हजार सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि राजद का सदस्यता अभियान राज्य के सभी जिलों में चल रहा है। कार्यक्रम में पार्टी नेता रामकुमार सिंह यादव, सुधीर गोप, अधिवक्ता कृष्ण कुमार, श्याम सुंदर यादव, सुनील टोप्पो, विभाकार कुमार, ललन यादव, कपिलदेव सिंह और अनिल सहित अन्य मौजूद थे।

अगले एक वर्ष का कैलेंडर तैयार करेंगे विधायक दल नेता : के राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। रविवार को रांची परिसदन में संपन्न हुई इस बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित थे। बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा कि बैठक में विस्तार से कुछ बिंदुओं पर चर्चा हुई जिस पर निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 12 विधायकों को दो-दो जिलों का जिम्मा दिया गया है, जिन विधायकों को जिलों की जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें हर महीने जिला में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व निर्धारित बैठक में उपस्थित रहना है। बैठक में जिले से संबंधित मुद्दों, संगठन के संबंध में आम लोगों के मुद्दे पर वह चर्चा करेंगे। जिले के किन मुद्दों को सरकार के स्तर तक ले जाना है उन मुद्दों पर चर्चा हुई। राजू ने कहा कि विधायकों की ओर से जिलों में की जाने वाली बैठक के एक वर्ष का कैलेंडर तैयार कर उन्हें टास्क दिया गया ताकि वह प्रत्येक महीने बैठक कर सके। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजू ने कहा कि कोटे के चारों मंत्रियों के बीच पांचों प्रमंडल का बंटवारा कर उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी। मंत्री प्रमंडल में जाकर वहां के जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के मुद्दों को सुनेंगे ताकि उन्हें सरकार तक पहुंचाया जा सके। विधायकों की बैठक प्रत्येक महीने विधायक दल नेता की उपस्थिति में होगी। विधायक दल नेता अगले एक वर्ष का कैलेंडर तैयार करेंगे कि किस महीने किस विधायक के क्षेत्र में बैठक होगी। विधायक दल की बैठक प्रत्येक विधायक के क्षेत्र में होगी,इस बैठक के बाद सभी विधायक संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन करेंगे और बैठक में जो मुद्दे चर्चा में आएंगे, उस पर बात करेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र में हमारे विधायक मजबूती से सदन में रहेंगे। हर विभाग के मांग और ग्रांट की जानकारी लेकर चर्चा में भाग लेंगे और सरकार के जो कार्यक्रम तय किए जाएंगे उसे सक्रियता के साथ लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि झारखंड में भी जातीय जनगणना हो ताकि सभी समुदायों को पता चले कि उनकी आर्थिक सामाजिक राजनीतिक शैक्षणिक स्थिति क्या है। तेलंगाना में हमने अभी जातिगत जनगणना किया जिससे काफी सूचनायें मिली। सूचनाओं और डाटा के आधार पर वहां नीतियां बनाई गई। जातीय जनगणना के बारे में सरकार के पास अपनी बातों को हम रखेंगे। बैठक में कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि बजट सत्र महत्वपूर्ण है। कांग्रेस और महागठबंधन के जो मुद्दे हैं उस पर प्रत्येक विधायक गंभीर है। संगठन ने यह निर्णय लिया है कि पहले से जो मुद्दे चल रहे हैं जातिगत जनगणना ओबीसी आरक्षण इसे फिर से सरकार के समक्ष जागृत करेंगे। ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के लिए सरकार ने विधेयक पास कर केंद्र के पास भेजा है। केंद्र ने उसे क्यों लटका कर रखा है, इन प्रश्नों को सदन में लाया जाएगा, सरकार इसका समाधान तलाशेगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन को किस तरह ग्रास रूट तक मजबूत किया जाए और इसमें विधायकों का क्या योगदान होगा। इस पर चर्चा हुई। आगामी नगर निकाय चुनाव सहित आम लोगों के मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्रियों विधायकों का संगठन की मजबूती में क्या योगदान होगा इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुआ है। आगामी बजट सत्र में कांग्रेस विधायकों की भूमिका पर चर्चा कर मुद्दों को पटल पर रखने का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चलते 27 मार्च तक लागू रहेगी निषेधाज्ञा

रांची : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा और 27 मार्च तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा परिसर के आसपास निषेधाज्ञा लागू रहेगी, जिसके तहत विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे में (न्यायालय परिसर को छोड़कर) किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव पर रोक रहेगी। राज्य विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर विधानसभा सत्र के दौरान निषेधाज्ञा जारी किया गया है। सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड विधानसभा परिसर के 750 मीटर के दायरे (उच्च न्यायालय परिसर को छोड़कर) में निषेधाज्ञा लागू रहने का आदेश जारी किया है। एसडीओ ने रविवार को बताया कि यह निषेधाज्ञा 24 फरवरी के सुबह 8.00 बजे से 27 मार्च के रात 10 बजे तक के लिए लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना या चलने, किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, बंदूक, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद, हरवे-हथियार जैसे-लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला लेकर निकलना या चलने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने पर रोक रहेगी।

72 डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब शुरू

रांची : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से राज्य के सभी डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब का वर्चुअल उद्घाटन रविवार को किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद, और कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा और न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय ने किया। कार्यक्रम में झारखंड के सभी 72 डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लबों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। साथ ही राज्य स्तरीय चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों एवं अन्य को सम्मानित किया गया । साथ ही झालसा के प्रोजेक्ट सुरक्षा का शुभारंभ किया गया, जो डायन प्रथा और जादू-टोने के शिकार महिलाओं एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी पहल है। कार्यक्रम में हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विधिक साक्षरता को जगाने का काम हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता क्लब का उदेश्य वंचित बच्चों को एक मंच उपलब्ध कराना एवं उन्हें मुख्य धारा में लाना है। इस मंच के माध्यम से बच्चे अपने आसपास की समस्याओं को रख सकते हैं और उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर हाई कोर्ट के न्याायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा की स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब की स्थापना करना नालसा का उदेश्य है जिसे झालसा ने आगे बढ़ाया है और हमने न केवल एक या दो बल्कि, सभी डीएवी स्कूलों में इसकी स्थापना करने के बारे में सोचा। इसका मुख्य उदेश्य है सुदूर क्षेत्रों में भी विधिक साक्षरता क्लब की स्थापना करना। उन्होंने कहा की राज्य तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक की सुदूर क्षेत्रों का विकास न हो। अगर लोगों को जागरूक नहीं किया जाएगा तो उन्हें सशक्त नहीं बनाया जा सकता है। इस अवसर पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अन्य पदाधिकारी, डीएवी स्कूलों के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी, डीएवी के प्रधानाचार्य, डालसा के पीएलवी और छात्र समेत अन्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर शाखा का लगा महाकुंभ

रांची : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रांची महानगर की ओर से रविवार को शाखा महाकुंभ का आयोजन धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मैदान में किया गया। सुबह में शाखाएं शुरू हुई और इसके बाद उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी प्रसाद ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए शताब्दी वर्ष में तय किए गए लक्ष्य की ओर स्वयंसेवकों का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने महानगर में संघ कार्य की वृद्धि में सभी स्वयंसेवकों को लगने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि महानगर में कुल 107 शाखाएं तथा 35 मिलन चलती हैं। इनमें से 82 शाखाओं तथा 11 मिलनों का प्रतिनिधित्व इस शाखा महाकुंभ कार्यक्रम में हुआ। 16 नगरों की 156 बस्तियों में से 84 बस्तियों का प्रतिनिधित्व 1000 से अधिक स्वयंसेवकों के साथ शाखा महाकुंभ में हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र प्रचारक रामनवमी प्रसाद के साथ धनबाद निवासी झारखंड के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार, महानगर संघचालक पवन मंत्री, सह संघचालक शशिकांत सहित नगर, महानगर, विभाग, प्रांत, क्षेत्र स्तर के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाकपा में शामिल हुए 143 लोग

रांची : भाकपा के कार्यकर्ता मिलन समारोह में रविवार को 143 लोगों ने पार्टी का दामन थामा। रांची के कांके रोड स्थित गांधीनगर क्लब में एटक के राज्य सचिव अशोक यादव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि मजदूरों के हक और अधिकार के लिए भाकपा पार्टी हमेशा लड़ती रही है। पाठक ने कहा कि देश की पूंजीवादी पार्टियां धर्म एवं जात के नाम पर लोगों को बांट रही हैं। देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में कानून बनाया जा रहा है। एटक के राज्य सचिव अशोक यादव ने लाल झंडा की उत्पत्ति के बारे में विस्तार से बताया। वहीं मजदूर नेता हरिद्वार सिंह ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास की जानकारी उपस्थित लोगों को दी। कार्यक्रम में पार्टी को मजबूत बनाने, झारखंड विधानसभा में बाबा भीमराव अंबेडकर और जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने, असंगठित मजदूरों को 26 हजार रुपये प्रतिमाह मजदूरी निर्धारित करने, मजदूरों के आठ घंटा काम और न्यूनतम मजदूरी की गारंटी की मांग केंद्र और राज्य सरकारों से की गई। इन मांगों को लेकर 24 मार्च को विधानसभा मार्च करने का भी फैसला लिया गया।

एक नजर

दिव्यांग शैलपुत्री का बढ़ते कदम फाउंडेशन ने लिया शैक्षणिक गोद

बोकारो : बढ़ते कदम फाउंडेशन ने 7 वर्षीय दिव्यांग बच्ची शैलपुत्री का शैक्षणिक गोद एक कार्यक्रम आयोजित कर लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि में जरीडीह अंचलाधिकारी प्रणव ऋतुराज व जरीडीह थाना प्रभारी विक्रम कुमार सिंह ने शामिल होकर दिव्यांग बच्ची के द्वारा अपने पैर से सभी कार्य व पढ़ाई करते देख बच्ची के हुनर व आत्मविश्वास की प्रंशसा की। इस दौरान फाउंडेशन के निदेशक कृष्णा दत्ता ने सभी सदस्यो की उपस्थिति में बच्ची के शैक्षणिक खर्च की जिम्मेवारी ली। उन्होंने कहा कि इस सत्र से बच्ची की सारी पढ़ाई का खर्च फाउंडेशन करेगी। फाउंडेशन जरूरमंद लोगो के सहयोग के लिए हमेशा ततपर है। वही जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्र बोस ने फाउंडेशन के सदस्यों को पूरी ऊर्जा के साथ जरूरतमंद लोगों को सहयोग करने की बात कही। मौके पर मुख्य रूप से जिला सचिव पुष्पा देवी, अमरलाल महतो, सर्वेश कुमार दुबे, डॉ राजेश कुमार, सुरेश कुमार दे, संजय कुमार महतो, प्रमोद सिंह, राकेश कुमार, जुली कुमारी सहित दर्जनों सदस्य मौजूद रहे।

हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आने से वजीर अंसारी बुरी तरह घायल

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के एक युवक हाई वोल्टेज 33 हजार तार के संपर्क में आने से घायल हो कर मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार वजीर अंसारी उम्र 15 वर्षीय, पिता सफी उल रहमान, साकिन तालेडी, थाना मिजाचौकी, जिला साहिबगंज के रहने वाला बरहरवा से साहिबगंज बस से आ रहा था और बस के ऊपर बैठा हुआ था। वजीर अंसारी बरहेट मदरसा में पढ़ाई करता था, बरहेट से अपने घर तालेडी मंडरो भगिया आ रहा था, इस बीच हाई वोल्टेज 33 हजार के तार के संपर्क में आने से करंट लग कर घायल हो कर मूर्छित हो गया। यह घटना बोरियों और बोआरीजोर के बीच में हुआ है। जहां बस वालों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियों लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इलाज के लिए हायर सेंटर साहिबगंज सदर अस्पताल भेजा दिया गया। जहां साहिबगंज सदर अस्पताल में डॉक्टर कुलदीप कुमार गुप्ता के देखरेख में इलाज हो रहा है। युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

बिरसा मुंडा के पैतृक गांव में सरना धर्म प्रार्थना सभा का हुआ आयोजन

खूंटी : सरना धर्म सोतो: समिति, शाखा उलिहातु के तत्वावधान में रविवार को स्थापना दिवस सह सरना धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। धर्मगुरु जेठा पहान, सुखराम मुंडा, गोल्गा मुंडा और सनिका मुंडा की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिङबोंगा का पूजा–पाठ कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। मौके पर पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अथिति के रूप में धर्मगुरु बगरय मुंडा और विशिष्ट अथिति के तौर पर बुधराम सिंह मुंडा मौजूद थे। मुख्य अतिथि बगरय मुंडा ने कहा कि सरना विश्व का सबसे पुराना धर्म है, जो पूर्णत: वैज्ञानिकता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और एकजुटता के बिना समृद्ध समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए समाज से छुआछूत और ऊंच–नीच जैसी बुराइयों को समाप्त करने की जरूरत है। सबको समाज में समान अधिकार मिलना चाहिए, ताकि समाज में प्रेम और भाईचारा सदा कायम रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल में स्वामी दयानंद सरस्वती की 201वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आर्य समाज के संस्थापक एवं समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती की 201वीं जयंती डीएवी सेक्टर-4 के सभागार में बड़े धूमधाम से मनायी गयी। स्वामी दयान्द सरस्वती आर्य समाज के संस्थापक, महान चिंतक, समाज-सुधारक और देशभक्त थे। स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की दशमी को गुजरात के टंकारा में हुआ था। स्वामी दयानंद सरस्वती ने बाल विवाह, सती प्रथा जैसी कुरीतियों को दूर करने में अपना खास योगदान दिया। उन्होंने वेदों को सर्वोच्च माना और वेदों का प्रमाण देते हुए हिंदू समाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया। इस अवसर पर डीएवी सेक्टर-4 के प्राचार्य श्री सर्बेंदु शेखर कर ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती जो कि आर्य समाज के संस्थापक के रूप में पूजनीय हैं। वे एक महान देशभक्त एवं मार्गदर्शक थे, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज को नयी दिशा एवं उर्जा दी। वे एक समृद्ध ब्राह्मण परिवार से थे। उन्होंने संस्कृत, वेद, शास्त्रों, और अन्य धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन किया। उन्होंने देश की आजादी के लिए काम किया और स्वराज का नारा दिया था। ।उन्होंने जातिवाद और बाल-विवाह के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने देश में फैली बुराइयों और अंधविश्वास का खंडन किया था। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा उनकी वंदना के साथ कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। तदोपरांत विद्यालय में लीगल लिटरेसी क्लब का किया शुभारंभ विद्यार्थियों को दी जाएगी अधिकारों की जानकारी डीएवी सेक्टर -4 में लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन पवन सिंह डिस्ट्रिक्ट एडिशनल सैशन जज-1 बोकारो के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर उनके साथ श्री रामायण राम चेयरमैन पीएलए बोकारो, आनंद वर्धन चीफ एलएडीसी, सुश्री भव्या सुमन असिस्टेंट एलएडीसी, सुश्री प्रीति पैनल लॉयर, संजू सिंह पैनल लॉयर भी सम्मिलित हुए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रविवार को डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 में लीगल लिट्रेसी क्लब का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जिला एवं सैशन न्यायाधीश ने कहा कि लीगल लिट्रेसी क्लब स्कूल के प्राचार्य द्वारा नामित अध्यापक टीचर इन चार्ज के मार्गदर्शन के अनुसार संचालित किया जाएगा।

मिथिला महिला समिति का होली मिलन समारोह 3 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति की एक बैठक सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई। मिथिला महिला समिति की नयी अध्यक्ष पूनम मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सर्वसम्मति से आभा झा को समिति की सचिव पद का दायित्व दिया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गयी। मिथिला महिला समिति द्वारा इस वर्ष का होली मिलन कार्यक्रम 3 मार्च को मनाने का निर्णय लिया गया। बीएसएल द्वारा आयोजित बसंत मेला में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मिथिला महिला समिति का स्टॉल लगाने का निर्णय हुआ। इस अवसर पर समिति की पूर्व अध्यक्ष सीमा झा, किरण मिश्रा, शीला मिश्रा, अमिता झा, नमिता झा, डॉ मजू झा, आभा झा, अलका झा, रुबी ठाकुर, राजकुमारी झा, सविता मिश्रा, बीनू चौधरी, नंदा झा, रीता झा, कमला झा, प्रेरणा ओझा, इंदिरा झा, रुचि प्रेरणा, पूनम झा, विनीता राय, पद्मा चौधरी, कंचन झा आदि उपस्थित थीं।

आंगनबाड़ी केंद्र धोवा टांड़ मे निबंध एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा डासरा के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र धोवा टांड़ में महिला मण्डल एवं किशोरी मंडल के साथ जेंडर एवं बाल विवाह उन्मूलन पर निबंध एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खेल, एवं चित्रांकन के माध्यम से जेंडर आधारित भेद भाव, हिंसा एवं बाल विवाह के कुरीतियों को दशार्या गया। प्रतिभागियों को सत्ता, जेंडर आधारित भेद भाव, हिंसा एवं बाल विवाह रोक पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के पुजा कुमारी, चंदा कुमारी, पुजा , माला ने प्रशिक्षण दिया । प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक शंकर रवानी ने कहा कि पितृसत्तात्मक समाज होने के कारण आज भी महिलाये हाशिए पर खड़ी है लेकिन परिवर्तन की लहर चल पड़ी है, महिलाएं आज पुरुषों के साथ समान रूप से कार्य कर रही, सिर्फ सोच में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है, जिसकी शुरूआत अपने अपने घरों से करने की आवश्यकता है। श्री रवानी ने आगे कहा कि बाल विवाह को समाप्त करने के लिए दुनिया भर में अभियान चलाया जा रहा है बाल विवाह के नाम पर बच्चियों के साथ शारीरिक एवं मानसिक शोषण किया जाता है,2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए देश भर में सघन कार्य किया जा रहा। बालिकाओं एवं महिलाओं द्वार पूछे गए प्रश्नों का जवाब श्री रवानी ने बारी बारी से दिया। कार्यशाला में धोवा टांड़ गांव के 35 किशोरी एवं महिलाओं ने भाग लिया। मौके पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विनोद महतो, शीतला कुमारी, पायल कुमारी, संजू देवी, सस्तमी देवी, पलानी देवी, मीणा देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महानगर में भीम आर्मी का कार्यकर्ता मिलन समारोह का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भीम आर्मी बोकारो महानगर ने किया कार्यकर्ता मिलन समारोह में भीम आर्मी का कार्यकत्ता मिलन समारोह का आयोजन सिटी पार्क में किया गया। इस कार्यक्रम में मूख्य अतीथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष संजय रविराज, प्रदेश महासचिव मधुसूदन, राँची नगर निगम अध्यक्ष अनुपलाल ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य भुमिका और योगदान दिये । प्रदेश अध्यक्ष संजय रविराज जी ने अपने विचारो को रखते हुए कह की हमारी पार्टी भीम आर्मी बाबासाहब के विचारों को पूरे देश में फैलाने और शोषित समाज, महिला, वंचित लोगो को हक दिलाने के लिए कटिबद्ध है। हमारे राष्ट्रिय अध्यक्ष मान्यवर चंद्रशेखर आजाद बाबा साहब के विचारों को संसद में पूरजोर से उठते है। इस देश में जो भी शोषित वंचित दलित महिला है उनके साथ किसी भी प्रकार का अत्याचार अगर दूसरों समुदाय या वर्ग द्वारा किया जाता है तो हम लोगों की भीम आर्मी मजबूती से इसका विरोध करने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। हम लोगों की संगठन को किसी अन्य संगठन से किसी भी तरह का कोई परहेज नहीं है। आज जहां कहीं भी गरीब शोषित के हक और अधिकार को लूटा जाता है वहां भीम आर्मी एकता मिशन अग्रणी के साथ सदैव उसके साथ खड़ी रहती है। इस कार्यक्रम में मूख्य अतीथि प्रदेश अध्यक्ष संजय रविराज प्रदेश महासचिव मधुसूदन जी, राँची नगर निगम अध्यक्ष अनुपलाल जी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य भुमिका और योगदान दिये । सुभाष, अमरनाथ, हमीद, बिनय, अजय, ह्रदयानंद, नूर बीबी, शुभम सन्नी, बिशु भोलू, विकाश, दिलीप, सुनील, चंदन, प्रभुनाथ बौद्ध, ध्रुव कुमार, सुरेश दास, अवधेश, शंभु, आनंद, अभिषेक भारती, अजित, मुकेश, जैकी, सूरज, बिनोद, राकेश, रंजीत सहित कई लोग मौजूद रहे।

प्रथम अंडर 23 राज्यस्तरीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में ईस्ट सिंहभूम की टीम बनी विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला बास्केटबॉल संघ की ओर से सेक्टर 12 क्लब परिसर स्थित बास्केटबॉल कोर्ट में फाइनल मैच खेला गया। फाइनल में देर रात महिला वर्ग के फाइनल में छोटानागपुर की टीम ने जमशेदपुर को 26-16 से मात देकर खिताब अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग के फाइनल में ईस्ट सिंहभूम की टीम ने जमशेदपुर को 50-47 से मात देकर खिताब अपने नाम किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में एजी ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन सैंफर्ड इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर जाकिर आरफी, सालूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर जोरावर सिंह, बास्केटबॉल इंडियन टीम के पूर्व कोच सह झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन जेपी सिंह ने विजयी टीम के खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस टूनार्मेंट में पुरुष और महिला मोस्ट वेक्यूबल प्लेयर को 5000 रुपए और साथ मोमेंटो दे कर सम्मानित किया । चैंपियनशिप में सभी प्लेयर्स को उपहार दे कर 350 प्लेयर को सम्मानित किया गया जो इस चैंपियनशिप में चार चांद लगा दिया । मौके पर अतिथि पवन झा, राज केजरीवाल, झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन टेक्निकल हेड आरिफ आफताब, बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष सत्येंद्र नारायण सिंह, सचिव हारुन अंसारी, कोषाध्यक्ष रविरंजन कुमार, टेक्निकल चैयरमेन किंकर कृष्णा, झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के एग्जीक्यूटिव मेंबर निजाम अली, जलाल शेख, सुप्रिया कर्ण, बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के सदस्य वाल्मीकि पाठक, जेके सिंह, सोनू राय, परमेश्वर महतो, सलीम खान, मुदसीर खान, उपेंद्र कुमार श्रीवास्तव, रमेश कुमार, अनिल कुमार, निरज सिंह, गोतम हलधर, सांता मिश्रा आदि मौजूद थे।

स्टील वर्कर्स युनियन तत्वधान धान में यूनियन का वार्षिक सम्मेलन सह वनभोज का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सिटी पार्क वनभोज स्थल पर बोकारो स्टील वर्कर्स युनियन तत्वधान धान में यूनियन का वार्षिक सम्मेलन सह वनभोज का आयोजन किया गया जिसमे युनियन का के वित्तीय वर्ष 2024 के आय-व्यय की समीक्षा की गयी, यूनियन के द्विवार्षिक चुनाव को ध्वनिमत से पारित किया गया एवं संगठनात्मक ढांचे को विकसित करने के लिये प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए । यूनियन के वार्षिक सम्मेलन मे नव-वर्ष 2025 को चुनौतियों के रूप में स्वीकार किया गया। इस्पात उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया साथ ही ग्रीन स्टील को उत्पादन - कार्बन उत्सर्जन को रोकना आदि विषयों पर विशद चर्चा हुयी। इस वार्षिक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए झारखण्ड ग्रुप आफ माइन्स - किरीबुर, मेघतुबुरु, गुआ तथा चिड़िया से आई प्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई । बोकारों स्टील प्लांट के पार्क ओवन दमन भट्टी एसएमएस 1 एसएमएस '' एवं सीसीएस ओजी टॉप्स स्ट्रिप मेल कर्म 1 और '' एवं ''' एच आर सी एफ, इ, एम, डी, प्रशासनिक भवन नगर सेवा एवं ग के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया बोकारो इस्पात संयंत्र में कार्यरत ठेका मजदूरों ने आगे बढ़कर भाग लिया साथ ही शोषण के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद किया। सम्मेलन में उपस्थित प्रतिनिधियों ने मुख्य रूप से वर्तमान सरकार के मजदूर विरोधी नीतियों को लागू होने से रोकने का संकल्प दिया गया साथ ही 1 जनवरी 2017 से लंबित एरिया भुगतान इंसेंटिव में सुधार डीजी में चिकित्सा को की कमी ग्रेच्युटी सीलिंग ठेका मजदूरों के सी का सीलिंग 21000 रुपए को बढ़ाने का मुद्दा उठाया गया। वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करने वालों में यूनियन के महामंत्री वीरेंद्र नाथ चौबे अध्यक्ष बी उपाध्याय दीपक कुमार मिश्रा मुख्य थे। प्रबंधन की तरफ से कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी ,के साथ में अधिशासी निदेशक मानव संसाधन राजेश्वरी बनर्जी, अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा एस रंगानी, अधिशासी निदेशक सामग्री प्रबंधन सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक संकाय कार्मिक विभाग एस आर महापात्रा, महाप्रबंधक मानव संसाधन प्रभाकर एवं विभिन्न यूनिट के महाप्रबंधक उपस्थित हुए साथ बी जी एच के डॉक्टर आनंद कुमार के साथ चिकित्सा का समूह उपस्थित हुआ। यूनियन की ओर से वाई कमाती, टी डी मंडल, विजय कुमार, अमित कुमार, अनिल तिवारी, अशोक राम, अविनाश कुमार झा आदि लोग उपस्थित हुए कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद विज्ञापन यूनियन के अध्यक्ष बी एन उपाध्याय ने किया।

संक्षिप्त खबरें

वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की जयंती धूमधाम से मनायी गयी

धनबाद : नारी उत्थान संकल्प समिति द्वारा रविवार को छाताबाद 5 नंबर मैं राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। नारी उत्थान संकल्प समिति की अध्यक्ष जानकी देवी ने महारानी अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि। अहिल्याबाई होलकर जी का जन्म 31 मई 1775 ई० में महाराष्ट्र में हुई थी। वे धर्म परायण तथा कर्तव्य परायण महिला थी। वह उस युग की भारतीय राजनीति का कुशल शासक और नेतृत्व करता रही। उन्होंने राज्य की सीमाओं के बाहर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थान में मंदिर बनवाई ,घाट बनवाई प्यासो के लिए कुंआ, बाबडी का निर्माण करवाई। मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति करवाई। 1780 ई० मैं उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण कराई। उन्होंने सबसे पहले भारत में नारी शिक्षा के महत्व को समझा और नारी शिक्षा के लिए जागृति पैदा की उनके प्रयासों की वजह से समाज में नारी चेतना का विकास हुआ। आज नारी उत्थान संकल्प समिति समाज में ऐसे छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से इस देश की वीरांगनाओं की त्याग ,समर्पण, बलिदान के इतिहास को महिलाओं तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरती देवी, शशि कला रावत, चंचला देवी, सरिता देवी, रीना देवी,गीता देवी, सविता देवी, शोभा देवी, रेणु देवी आदि सैकड़ो महिलाएं मुख्य रूप से उपस्थित थी।

स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर प्रार्थना सभा का हुआ आयोजन

धनबाद : संकल्प एजुकेशन अंगार पथरा में स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर रविवार को एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें संकल्प एजुकेशन के सभी छात्र-छात्राएं अभिभावक गण एवं शिक्षक शिक्षिकाएं सम्मिलित हुए। सभा को संबोधित करते हुए संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती एक समाज सुधारक थे। उन्होंने वेदों की ओर लौटने और पाखंडों से किनारा करने के आव्हान के साथ की गई स्वधर्म स्वभाषा ,स्वसंस्कृति की सेवा और स्वराज के संघर्ष की परंपरा को बनाए रखने में मदद की ।उन्होंने आडंबर, कर्मकांड व सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए भारत में घूम-घूम कर लोगों को जागरूक किया ।उन्होंने ब्रह्मांड की अद्भुत गुरु दक्षिणा भी अपने गुरु जी को दी वह था जीवन भर शिक्षा का अलख जगाने का संकल्प। हमें उनके द्वारा बताए गए मार्गों पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

कोडरमा ने पाकुड़ को 138 रनों से किया पराजित

बोकारो : जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित जेएससीए अंतर जिला अंडर 23 क्रिकेट टूनार्मेंट में रविवार को खेले गए मैच में कोडरमा की टीम ने पाकुड़ की टीम को 138 रनों से पराजित किया। सेक्टर 4 स्थित बीएसएल क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोडरमा की टीम ने 46.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 183 रनों का स्कोर बनाया। टीम की ओर से रोहित भारती ने 59, नीरज यादव ने 43 व रजनीश कुमारने ने 35 रन बनाए। गेंदबाजी में पाकुड़ की ओर से तुषार घोष ने 29 रन देकर पांच विकेट लिए। जवाबी पारी खेल हुए पाकुड़ की टीम 21.2 ओवर में 45 रनों पर सिमट गई । टीम की ओर से सर्वाधिक 12 रन ऋषिकांत राय ने बनाए। गेंदबाजी में कोडरमा की ओर से विकास कुमार यादव ने 9 रन देकर चार विकेट लिए। जबकि निरंजन कुमार व कुमार हेमंत को दो-दो सफलता मिली। मैच में शानदार अर्द्धशतक के लिए कोडरमा के रोहित भारती को प्लेयर ऑफ द मैच का कैश मनी अवार्ड जेएससीए के आजीवन सदस्य सह बीडीसीए तदर्थ समिति के सदस्य राजेश रंजन ने दिए।

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार की मौत

बोकारो : सड़क दुर्घटना में एक की मौत इंडियन ऑयल के ट्रक ने साईकिल सवार को कुचला मौके पर ही हुई मौत। घटना बोकारो के बालीडीह थाना क्षेत्र की है स्थानीय लोगो ने किया सड़क जाम घटना के बारे में बताते चले की मृतक सुबोध सिंह जो बियाडा स्थित गोविंद मार्केट में साइकिल से जा रहा था इसी दौरान इंडियन ऑयल टैंकर की चपेट में आ जाने से घटना स्थल पर ही मृतक की मौत हो गई। गुस्साए लोगो ने बियाडा स्थित गोविंद मार्केट के सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया मौके पर पुलिस पहुंचकर ट्रक को जब्त कर लिया वही ड्राइवर भगाने में सफल रहा झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्थानीय नेता मंटू यादव ने कहा की ये इंडियन ऑयल टैंकर की लापरवाही के चलते घटना घटी है ड्राइवर लापरवाही से गाड़ी चला रहा था।

एक नजर

बाइक और साइकिल की टक्कर में एक घायल

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड के अनुमंडल अस्पताल के मुख्य गेट के पास रविवार को मोटरसाइकिल और साइकिल के टक्कर में मोटरसाइकिल चालक गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जामनगर निवासी मो तजमुद्दीन शेख के 26 वर्षीय पुत्र करीम शेख अपने घर से राजमहल की ओर किसी काम से आ रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे साइकिल सवार व्यक्ति से टकराकर बीच सड़क पर गिर कर बुरी तरह घायल हो गया। वहीं आसपास के लोगों के द्वारा इलाज के लिए पास में ही अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

शिक्षा के साथ-साथ मानवता का पाठ पढ़ाता है डीएवी : जस्टिस सुजीत नारायण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा के एमबी डीएवी पब्लिक स्कूल में वर्जुअल रूप से लिगल लिट्रेसी क्लब का उद्घाटन किया गया। झारखंड के सभी 72 डीएवी स्कूलों में एक साथ लिगल लिट्रेसी क्लब का उद्घाटन जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद के जरिये न्याय सदन झालसा, रांची की ओर से किया गया। इस मौके पर जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि समाज का निर्माण कैसे होना चाहिए यह हमें तय करना होगा। हमारा उद्देश्य समाज को कानूनी रूप से जागरूक करना भी है और इसके लिए डालसा और झालसा के जरिये लगातार लोगों को जागरूक करने का कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें कानून की आवश्यकता क्यों है ये समझने की आवश्यकता है। स्कूलों में विभिन्न विषयों की पढ़ाई तो होती है लेकिन लिगल जानकारी नहीं दी जाती है। इसके लिए लिगल लिट्रेसी क्लब को एक बेहतर माध्यम बनाया गया है। 660 से ज्यादा लीगल लिटरेसी क्लब जिसका लाभ स्कूल के विद्यार्थियों को मिल रहा है। चाइल्ड मैरिज, ह्यूमन ट्रैफिकिंग, नशा से नुकसान सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी जा रही है। अंधविश्वास को दूर करने का काम भी लिगल लिट्रेसी क्लब के माध्यम से काम किया जा रहा है। इस मौके पर एमबी डीएवी पब्लिक स्कूल में टीम का नेतृत्व कर रहे मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने कहा कि समाज के लिए लिगल कैडेट कोर बनाने का उद्देश्य पूरा किया जा रहा है। इन्होंने कहा की आज के समय में युवाओं का भविष्य लिगल के क्षेत्र में बढ़ रहा है। ऐसे में यह युवाओं को एक नई दिशा दे रहा है। हम अभी से ही इन युवाओं को जज के रूप में देख पा रहे हैं। हम समाज को लिगल लिट्रेसी क्लब के माध्यम से जागरूक करने का काम कर रहे हैं। ट्रैफिकिंग की वजह से बच्चियों को बाहर बेचा गया। ऐसे मामलों में डालसा ने कई बेहतर कार्य किया है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी पहली ड्यूटी पढ़ाई दूसरी ड्यूटी पढ़ाई और आखरी ड्यूटी सिर्फ बच्चों को पढ़ाई ही होना चाहिए। पढ़ने का आपको मौका मिला है तो इसका पूरा सदुपयोग करे। धन संपदा आपको सुकून नहीं दे सकता है इसलिए अपने परिवार और अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का भी काम करें। इस मौके पर एमबी डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य जीपी झा ने कहा कि डीएवी स्कूल में बीच-बीच में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। डीएवी को पूरे राज्य में इसलिए चुना गया क्योंकि यह विधालय बच्चों के सम्पूर्ण विकास में अपनी अहम भूमिका निभाता है। झालसा को डीएवी पर पूरा विश्वास है और हम इस पर खरा उतरेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रवण कुमार पाठक के द्वारा गीत गाकर किया गया। इसके बाद सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा के जरिये दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद लिगल लिट्रेसी क्लब का फीता काट कर उद्घाटन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

महिला द्वारा किए गए आत्महत्या मामले में परिजनों ने थाना में दिया आवेदन, कार्रवाई की मांग

सरिया (गिरिडीह) : सरिया थाना क्षेत्र के मंदरामों गांव में शुक्रवार की रात एक महिला द्वारा किए गए आत्महत्या मामले में सरिया थाना में एक आवेदन दिया है। आवेदन के आलोक में आवेदिका मसो .जिरवा देवी ने कहा है कि उनका इकलौता पुत्र का बीते 3 वर्ष पूर्व निधन हो गया है। घर में उनकी पुत्रवधू मीना देवी तथा मीना देवी के छोटे-छोटे बच्चे रहते हैं। उनकी पुत्रवधू का नाजायज संबंध केसवारी के मनोज दास पिता स्वर्गीय शनिचरदास के साथ बीते 1 वर्ष से था। जिसकी जानकारी परिजनों द्वारा कई बार मौखिक पंचायत भी किया गया था। परंतु मनोज दास इससे बाज नहीं आया। बीते शुक्रवार की रात लगभग 9 :00 बजे उनकी पुत्रवधू से मोबाइल फोन पर बात कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। इसी बीच आवेदिका अपने पुत्रवधू से उक्त व्यक्ति से बातचीत न करने की अपील की .दोनों सास बहू के बीच हुई कहा सुनी के बाद उनकी पुत्रवधू कमरे में घुस गई अपने सोए हुए बेटे के कमरे में ताला लगा दी तथा सासू मां को कमरे से बाहर निकाल कर स्वयं अपने ही साड़ी से फांसी के फंदे पर झूल गई। जिससे उसकी मौत हो गई अविधिका ने आरोप लगाया है कि मनोज दास द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के कारण ही उनकी पुत्रवधू ने इस प्रकार का कदम उठाई .उन्होंने आरोपी मनोज दास पर उचित कार्रवाई की मांग की है। इधर सरिया पुलिस में बताया कि पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन दिया गया है जांच पड़ताल चल रही है जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 38 सेमल बोटा जब्त

बरहरवा : वन विभाग ने डीएफओ प्रबल गर्ग के निर्देश पर अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 38 सेमल बोटा लकड़ी जब्त किया है। यह अभियान मौजा-बुंदा बारा घाटी और बूढ़ी बस्ती पहाड़ में चलाया गया, जहां अवैध रूप से काटी गई लकड़ियों को जब्त किया गया ।वन विभाग की विशेष टीम ने यह कार्रवाई दो अलग-अलग स्थानों पर की। मौजा-बुंदा बारा घाटी से 13 सेमल बोटा और बूढ़ी बस्ती पहाड़ से 25 सेमल बोटा बरामद किए गए। वन विभाग अब इस मामले में संलिप्त तस्करों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे ने किया। जिनके साथ वन रक्षी राजेश टुडू, अमित कुमार, सुनील कुमार, पप्पू कुमार यादव और वनपाल राणा रंजीत चौधरी सहित अन्य वनकर्मी मौजूद थे।

प्रखंड मुख्यालय में छात्र-छात्राओं को किया गया साइकिल वितरण

चैनपुर (गुमला) : चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर 29 स्कूली छात्र-छात्राओं को नई साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सत्येन्द्र प्रशाद ने बताया कि राजकीयकृत बालक मध्य विद्यालय के 11 छात्र और 18 छात्राओं को नई साइकिलें दी गईं। छात्र-छात्राओं ने बताया कि पहले वे स्कूल पैदल आते थे, जिससे उन्हें देर हो जाती थी। लेकिन अब नई साइकिलें मिलने से वे समय पर स्कूल पहुंच पाएंगे। उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, प्रखंड उप प्रमुख प्रमोद खलखो, राजकीयकृत बालक मध्य विद्यालय स्कूल प्रधानाचार्य जगरानी कुजूर और स्कूल के शिक्षक उपस्थित थे। यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ा उपहार था, जिससे उन्हें अपने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस योजना से छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने में आसानी होगी और उनकी शिक्षा में भी सुधार होगा।

बागवानी सखियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का हुआ आयोजन

मुरी : सिल्ली जेएस एल पी एस सिल्ली के आह्वान पर उनके द्वारा नयी चयनित एवं पूर्व से कार्यरत बागवानी सखियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण -सह- कार्यशाला का आयोजन प्रखण्ड सभागार सिल्ली में आयोजित की गयी। उक्त प्रशिक्षण सत्र में प्रखण्ड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों के कुल 41 बागवानी सखी सम्मिलित हुए। प्रशिक्षक के रूप में एस सागर , प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, सिल्ली के द्वारा लाभुक का चयन से लेकर, दस्तावेजीकरण एवं बागवानी की क्रमिक देखभाल की विस्तृत जानकारी दी गयी एवं बागवानी हेतु पूर्व से निर्मित व्हाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से जुड़े रहने एवं समस्याओं को ग्रुप में रखते हुए त्वरित समाधान प्राप्ति के लिए निदेश दिया गया।मनरेगा के कनीय अभियंता अजय कुमार के द्वारा तकनीकी जानकारी दी गयी।प्रशिक्षण के समाप्ति तक सभी बागवानी सखी, जीआर एसबीएफटी, अभियंता, एफटीसी एवं सीपीएम जेएस एलपी एस उपस्थित रहकर बागवानी की महत्वपूर्ण बातों को सुना एवं सीखा। अंत मे सभी बागवानी सखी को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5 एकड़ प्रति सखी के अनुसार बिरसा हरित आम बागवानी की योजनाओं का चयन कर आगामी 26 फरवरी के ग्राम सभा मे अनुमोदित कराने का लक्ष्य दिया गया साथ ही उनके पंचायत के जीआर एस बीएफटी को साथ रहकर आवश्यक सहयोग करने का निदेश दिया गया

मारवाड़ी धर्मशाला में नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली मारवाड़ी धर्मशाला सिल्ली में लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट एवं सेवा भारती सिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 23 फरवरी को सिल्ली में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र रोग के 153 लोगों की जांच हुई जांच उपरांत 77 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए जिनका ऑपरेशन 24 फरवरी को निरामया अस्पताल रांची में किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में प्रवीण अगरवाल, आयुष अग्रवाल, प्रशान्त रविदास, प्रथम अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, उपेंद्र लाल महतो, एलिजाबेथ जोसेफ आदि सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झारखंड राज्य में प्रतिबंध के बाद भी गुटका पान मसाला का बिक्री जारी

साहिबगंज/कोटालपोखर : झारखंड राज्य में गुटका पान मसाला प्रतिबंध होने के बाद भी कोटालपोखर व श्रीकुंड बाजार सहित उसके आसपास के गांव के किराना दुकान, पान की दुकान में गुटखा की चोरी चुपके बिक्री अब भी जारी है। सूत्र बताते हैं कि जब गुटका का प्रतिबंध हुआ है तब से दुकानदार अब पांच की जगह दस रुपए लेकर गुटका बेचने लगे हैं। आदत से मजबूर गुटके का सेवन करने वाले लोग दस रुपए देकर चुपके से गुटखा खरीद रहे हैं। और दुकानदार धड़ल्ले से प्रतिबंध गुटका पान मसाला चोरी छुपे बेच रहे हैं।

रनिया में तीन नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के उलिहातू गांव से निचितपुर जाने वाले रास्ते में कारो नदी के पास तीन आदिवासी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। तीन नाबालिग से दुष्कर्म की घटना को लगभग 12 से अधिक नाबालिग किशोरों ने अंजाम दिया है। लड़कों के चुगुल में फंसी तीनों नाबालिग भागने में सफल रहीं। पुलिस एक दर्जन से अधिक लड़कों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पीड़ित सभी लड़कियां खूंटी की रहने वाली हैं और लोटा पानी(विवाह के पूर्व एक कार्यक्रम) में शामिल होने के लिए रनिया थाना क्षेत्र के एक घर में गयी थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद पांचो लड़कियां एक साथ घर लौट रही थी।

विधायक निधि से बना हुआ शौचालय उपयोगविहीन

साहिबगंज/बोरियो : बोरियो हाइवे स्थिति पेयजल व स्वच्छता विभाग अवर प्रमंडल कार्यालय के बगल में अस्थाई बस स्टैंड के यात्रियों के लिए पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने अपनी निधि से करीब 6 लाख की लागत से निर्माण करवाया था। शौचालय बंद एवं बेकार पड़ा है। यात्रियों के व्यवहार में नहीं आ रहा है और पांच साल पूर्व बना यह शौचालय है। शौचालय का उपयोग नहीं होने से यात्रीगण काफी परेशान हैं। सबसे अधिक परेशानी महिला यात्रियों के साथ होती है। इस संबंध में चालक संघ के मो अनवर ने बताया कि जब से शौचालय बना है तब से इसका उपयोग नहीं हुआ है। शौचालय के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है और शौचालय का पैन, टंकी एवं पाइप खराब हो गया है। इस पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है, बंद पड़े शौचालय को यात्रियों के लिए खुलवाया जाए,जिससे यात्रियों को शौचालय के लिए कहीं ओर भटकना न पड़े।

गिरिडीह में मिनी माउजर फैक्ट्री का खुलासा, छह गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : गिरिडीह पुलिस ने रविवार को जिले में मिनी माउजर फैक्ट्री का खुलासा करते हुए छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटनास्थल से लगभग 31 पीस अर्धनिर्मित माउजर के बट के साथ कई अन्य समान जब्त किया है। जिले के जमुआ थाना इलाके के चपरयामो गांव में मिली बड़ी सफलता के बाद एसपी डॉक्टर विमल कुमार, एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद, एटीएस के डीएसपी विनोद रजवार समेत चार थानों के थाना प्रभारी ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर बताया कि जमुआ थाना इलाके के चपरयामो गांव में मोहम्मद दयसुद्दीन अपने घर पर इस मिनी माउजर फैक्ट्री का का संचालन कर रहा था। गुप्त सूचना पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एटीएस और बंगाल एसटीफ के अलावा चार थानों की पुलिस ने छापेमारी कर बड़े पैमाने पर मिनी माउजर बनाने के समान जब्त किया है। बताया गया कि जब्त सामानों मै दो मशीन है जो किसी एसआर ट्रेडिंग से खरीदा गयी है। एक लेथ मशीन ,ड्रिल मशीन, 15 केवीए का आयशर कंपनी का डीजी जनरेटर और 31 अर्धनिर्मित माउजर के लोहे को तैयार बट के साथ, गोली लोड करने वाले लोहे का 10 पीस पिछला हिस्सा, छह पीस लोहे का टुकड़ा, 31 पीस लोहे की पट्टी सहित एक बाइक बरामद हुई है। इसके अलावा 17 हजार नगद रुपये ,एक मोबाइल जब्त किया गया है। एसपी ने बताया कि दयसुद्दीन अपने घर में मिनी माउजर पिस्टल फैक्ट्री का संचालन करने के साथ सहयोगियों के सहयोग से तैयार पिस्टल बिहार, झारखंड और बंगाल में सप्लाई करता था। जिसकी किमत लाखो में है। गिरफ्तार अपराधियो में दयासुद्दीन के साथ बिहार के मुंगेर के मोहम्मद इमरान, मोहम्मद सोनू, मोहम्मद शकील, मोहम्मद अफरोज और मुंगेर रामनगर थाना इलाके के सफियाबाद निवासी रूपेश शर्मा शामिल हैं।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र के सतगाछी पंचायत अंतर्गत श्रीरामपुर ग्राम में पंचायत में खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बिरसा मुंडा युवा क्लब श्रीरामपुर के द्वारा स्थान श्रीरामपुर तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन विधिवत फीता काट कर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने किया। इस सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाया और खिलाड़ियों से परिचय लिया और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने उपस्थित ग्रामीण व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद बहुत जरूरी है, ग्रामीण इलाकों में खेल में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जिससे कि युवाओं को खेल की प्रति जागरूक एवं प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस उन्हें सही मंच और सुविधाएं देने की। राज्य सरकार भी युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव क्षेत्रों में इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से युवाओं को अपने प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है। इसी उद्देश्य से मैंने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।टूर्नामेंट को देखने के मैदान के चारों ओर आसपास लोगों की काफी भीड़ थी। मौके पर मुखिया आलोक, सोरेन वार्ड मेंबर सोना मुर्मू, प्रमित तिवारी, आयोजनकर्ता डेना सोरेन, अमीन सोरेन, धूनू हांसदा आदि मौजूद थे।

दो अलग-अलग मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन लोग घायल

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड के फुलवरिया चौक के पास बीते रात अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल से गिरकर दो युवक घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फुलवरिया निवासी शमसुद्दीन शेख 19 वर्षीय और तनवीर 18 वर्षीय मोटरसाइकिल लेकर अपने घर की तरफ जा रहा था इसी दौरान फुलवरिया के पास अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। जिसे रात में ही परिजनों के द्वारा इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सकों ने घायलों का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी। वहीं रविवार को तीनपहाड़ राजमहल मुख मार्ग पर बोहरा कॉलेज के पास बेगमपुर निवासी इजराफिल शेख 18 वर्षीय मोटरसाइकिल लेकर राजमहल की ओर आ रहा था इस दौरान मोटरसाइकिल अनियंत्रण होकर सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों के द्वारा इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया।

डीडीसी ने किया कुकडू प्रखंड क्षेत्र का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : रविवार को सरायकेला खरसावां जिला के आईडीटीए परियोजना निदेशक सह उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में कुकड़ू प्रखंड की बीडीओ राजश्री ललिता बखला भी साथ में मौजूद थी। सबसे पहले डीडीसी ने तिरुलडीह डेली मार्केट के समीप लाभुक के घर जाकर आबुआ आवास योजना का निरीक्षण और लाभुक से कई जानकारी लिया। इसके बाद डीडीसी तिरुलडीह पंचायत भवन गए और पंचायत भवन में एबीपीएस से संबंधित चल रहे ग्राम सभा में पंचायत सचिव धरनी प्रमाणिक को अयोग्य लोगों को जॉब कार्ड के सूची से नाम हटाने और जिन लोगो का बैंक खाता में तकनीकी दिक्कत है, उसे जल्द सुधार करने का निर्देश दिया। इसके बाद डीडीसी कुकड़ू प्रखंड कार्यालय पहुंचे और मनरेगा के कम्प्यूटर ऑपरेटर कक्ष में ऑपरेटर से कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र में चल रहे मनरेगा योजना से संचलित योजनाओं का विस्तार से जानकारी हासिल किया। उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटर अरुण कुमार को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मनरेगा योजना का निरीक्षण करने के बाद डीडीसी आबुआ आवास योजना के कम्प्यूटर कक्ष गए और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कृष्णा महतो और कम्प्यूटर ऑपरेटर गीता कुमारी से भी कई जानकारी लिया। इस दौरान दोनों को डीडीसी ने पत्र के माध्यम से ही योजना से संबंधित पत्र जिला कार्यालय भेजनें का निर्देश दिया। और सारा रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में डीडीसी आशीष अग्रवाल ने आबुआ आवास योजना को राज्य सरकार का महत्वपूर्ण योजना बताते हुए लाभुकों को जल्द आबुआ आवास निर्माण कार्य पूरा करने का अपील किया। वहीं उन्होंने करीब तीन माह से मनरेगा के मजदूरों को मजदूरी नहीं मिलने के सवाल पर कहा कि मनरेगा मद में राशि अवंटित होने पर मजदूरों का मजदूरी राशि भुगतान कर दिया जाएगा। डीडीसी के निरीक्षण के क्रम में मनरेगा के बीपीओ रामलगन उरांव, एई सुदर्शन राणा, जेई भोलानाथ महतो, जेई तुलसी कालिंदी समेत कई कर्मी मौजूद थे।

डीएवी स्कूल और गांविंदपुर में लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन

खूंटी : झालसा रांची के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने रविवार को स्वामी श्रद्धानंद डीएवी सेनेटरी पब्लिक स्कूल सेवा आश्रम खूंटी में लीगल लिटरेसी क्लब का वर्चुअल उद्घाटन किया। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष खूंटी रसिकेश कुमार, जिला जज प्रथम संजय कुमार, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी विद्यावती कुमारी, एलएडीसी डिप्टी चीफ नम्रता कुमारी, पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी, पीएलवी अंजनी कुमारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट में भारतीय हलधर किसान यूनियन की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय हलधर किसान यूनियन कि बैठक रविवार को रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट साहिबगंज के मैदान में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गोप ने किया। इस दौरान किसानों ने अपनी अपनी समस्याओं से जुड़ी कई बातों को साझा किया। अपनी पुरानी समस्या प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अब तक लाभुक किसानों का भुगतान न होने पर चिंता जताई। वही आम सहमति पर प्रस्ताव लिया। सबसे पहले पूर्व में लिए गए प्रस्तावों की संपुष्टि की गई। इस क्रम में किसानों का माह बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम खरीफ 2024 में बीमित किसानों के नाम की सूची प्राप्त करने के लिए संबंधित कार्यालय से संपर्क स्थापित कर प्राप्त किया जाए। किसानों को ब्याज रहित ऋण उपलब्ध करने की बात, किसानों को पेंशन योजना की सुविधा दी जाय सहित किसानों को सरकारी योजना को मिलने वाली लाभों को पंचायत स्तर पर किसानों के साथ बैठक कर दी जाय। वही कहा गया कि किसानों को अधिक से अधिक यूनियन के सदस्य बनाया जाय।इसी बीच चंद्रावती मौसमात से जुड़े किसान लोन का मामला बैठक में रखा गया। इस समस्या से भारतीय हलधर किसान यूनियन के युवा राष्ट्रीय नेता डॉ शैलेश गिरी को अवगत कराया गया। समस्या की निदान के लिए उन्होंने आश्वासन दिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक आज का संपन्न हुआ। अगला बैठक आने वाले रविवार को 12 बजे अपराह्न में होगी। इस मौके पर लक्ष्मण यादव, बच्चन कुमार पाठक (जिला मीडिया प्रभारी), बासुकीनाथ चौबे, मनु प्रसाद यादव, राम सिहासन यादव, रामप्रवेश यादव, फूलचंद रजक उदय कुमार गुप्ता, रामानंद यादव, सुपन रविदास, रामवृक्ष रविदास, जागेश्वर मंडल, उमेश चौधरी, रुदल यादव, हृदय कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

जहर उगलने वाले क्या जानें 'उर्दू की मिठास'

आपने छात्र जीवन में उर्दू कभी भी मेरा विषय नहीं रहा। हाँ हिंदी में साहित्य रत्न होने के नाते मेरा सबसे प्रिय विषय हमेशा हिंदी ही रहा। और आज भी मैं प्रायः हिंदी में ही लिखता पढता हूँ। परन्तु शेर-ो-शायरी का शौक बचपन से ही था। इसके तथा कुछ पारिवारिक व सामाजिक परिवेश के चलते उर्दू से खासकर उसके शब्दों के उच्चारण के आकर्षक तौर तरीकों से बहुत प्रभावित रहा। और जब बचपन और जवानी में बड़े मुशायरों में शिरकत करने का मौका मिलता और कुंवर महेंद्र सिंह बेदी 'सहर' जैसे अजीम शायर को यह कहते सुनता कि उन्हें 'उर्दू जबान से मुहब्बत है ,इश्क है क्योंकि यह जुबान आब ए हयात(अमृत) पीकर आई है' तो यक़ीनन यह एहसास जरूर होता कि आखिर कुछ बात तो है कि भारत में पैदा होने वाली तथा फारसी व हिंदी के मिश्रण से तैयार उर्दू को हमारे देश के क्रांतिकारियों से लेकर बड़े से बड़े कवियों,साहित्यकारों,राज नेताओं,बुद्धिजीवियों ने न केवल अपनाया बल्कि उसे पाला पोसा और संवारा भी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी उर्दू को भारतीय भाषा कहते थे।

मुगल शासक भी उर्दू भाषा को हिंदी या हिंदवी कहते थे। परन्तु चूँकि उर्दू के लिखने में फारसी लिपि का उपयोग होता है इसलिये लोग इसे मुसलमानों की भाषा कहने लगे। शायद यही वजह है कि आज हिंदी व उर्दू भाषा रुपी दो बहनें एक दूसरे में इतनी रम चुकी हैं कि यदि आप इन दोनों को एक दूसरे से अलग भी करना चाहें तो संभव नहीं। उदाहरण के तौर पर केवल चंद ऐसे अल्फाज पेश हैं जो आम तौर पर हिंदी भाषा में बोले जाते हैं परन्तु दरअसल इन शब्दों का स्त्रोत अथवा उद्भव फारसी अथवा उर्दू से ही हुआ है। जैसे हिन्दोस्ताँ, अदालत, वकील, इंसाफ, मुंसिफ, पाएजामा, पेशाब, पंजाब, दरवाजा, खिलाफ, मुखालिफत शराब, किताब, इंकेलाब जिंदाबाद, 'शाही'(स्नान), डाकखाना, दवा, ईलाज, वजीर, शाह, बादशाह, हकीम, हाकिम, हुक्म,सब्जी, मकान जैसे अनगिनत शब्द हैं जो प्रत्येक भारतीय रोजाना दिन में कई कई बार इस्तेमाल करता है परन्तु शायद उसे इस बात का एहसास भी नहीं होता कि वह उर्दू के शब्द बोल रहा है।

इसके बावजूद उर्दू जैसे मीठी व अदब साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली भाषा का हमारे देश में दशकों से विरोध होता आ रहा है। विरोध तो समय समय पर अंग्रेजी का भी हुआ परन्तु दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में अंग्रेजी की व्यापक स्वीकार्यता व उसे मिलने वाले समर्थन के चलते राष्ट्रीय स्तर पर उसका विरोध नहीं हो सका। परन्तु उर्दू का विरोध करने का ठेका उसी विचारधारा के लोगों के पास है जो देश को एक रंग में रंगना चाहते हैं। बड़ी आसानी से इस भाषा को मुसलमानों की भाषा या विदेशी भाषा बताते हुये उर्दू का विरोध शुरू हो जाता है। जैसा कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बजट सत्र के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंह से सुनने को मिला। मुख्यमंत्री ने सदन में विपक्ष पर हमलावर होते हुये यह कहा कि - ये 'अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ाएंगे और दूसरों के बच्चों को उर्दू पढ़ने को प्रेरित करेंगे। ये उन्हें मौलवी, कठमुल्ला बनने को प्रेरित करेंगे? यह नाइंसाफी है, यह नहीं चलेगा।' योगी आदित्यनाथ के इस बयान से यह सवाल तो जरूर खड़ा होता है कि क्या उर्दू को जानने वालों का, उर्दू पढ़ने या पढ़ने वालों का मकसद केवल मौलवी बनना बनाना होता है ? क्या उर्दू पढ़कर लोग कठमुल्ला बन जाते हैं ?

यदि ऐसा होता तो भारत में उर्दू की पहली गजल लिखने वाले कश्मीरी पंडित,पंडित चंद्र भान 'ब्राह्मण' न होते। मुंशी नवल किशोर,दया नारायण निगम,जगत मोहन लाल 'रवां' ,नौबत राय 'नजर',मुंशी महाराज बहादुर 'बर्क' , नाथ मदन सहाय ,पंडित दया शंकर कौर 'नसीम',पंडित रतन नाथ 'सरशार',राम कृष्ण 'मुजतर', जमुना दास अख़्तर , राम लाल, डॉ. जगन्नाथ 'आजाद ',कृष्ण बिहारी नूर, संजय मिश्रा 'शौक ,राम प्रकाश बेखुद खुशबीर सिंह शाद, मनीष शुक्ल, आनंद मोहन जुत्शी, गुलजार देहलवी, कृष्ण चंदर, रतन सिंह, भारत भूषण पंत और मलिक राम जैसे हिन्दू उर्दू प्रेमियों के अनगिनत नाम हैं जिनके बिना भारत में उर्दू अदब का इतिहास लिखा जाना संभव ही नहीं है। सही मायने में तो इन लोगों के योगदान ने ही उर्दू को पूरे विश्व में समृद्ध बनाया। इनके अलावा शहीद व क्रन्तिकारी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्लाह खान, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गाँधी, ांडित जवाहरलाल नेहरू, रघुपति सहाय फिराक,आनंद नारायण 'मुल्ला',ब्रज नारायण 'चकबस्त' जैसे अनेक सम्मानित नाम हैं जिन्होंने उर्दू से व उसकी मिठास से प्यार किया।

सूडोकु नवताल- 7351

मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7350 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

सोशल मीडिया का दुष्प्रयोग और सांस्कृतिक संकट

गिरीश्वर मिश्र

सोशल मीडिया आज संचार की दुनिया में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर रहा है। उसकी साक्रिय उपस्थिति से आबालबृद्ध सभी प्रभावित हो रहे हैं। उसकी अपरिहार्य, तीव्र और लुभावनी और सुगम उपस्थिति आज समाज में सबको अपने आगोश में लेती जा रही है। सूचना की दुनिया से आगे बढ़ कर सोशल मीडिया हमारी निजी उपस्थिति और उसकी सार्थकता के आशय और जीवन के सरोकार सबको प्रभावित कर रहा है। हमारी अस्मिता को रचता हुआ वह किसी दुनिया या सत्य का प्रतिनिधित्व या प्रस्तुति से आगे बढ़ कर अपनी एक स्वायत्त दुनिया बना चुका है। उसका अपना वजूद वास्तविक दुनिया को भी गढ़ रहा है। खास तौर पर संचार प्रौद्योगिकी की दुनिया में ह्यमोबाइलह्ण के जरिए सोशल मीडिया ने आम आदमी की ज़िंदगी में जिस तरह की जबरदस्त सेंधमारी की है उसका निकट इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता। इसकी लोकप्रियता कितनी है इसका अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। लोग जीवन में बिताए जाने वाले समय में घंटों इससे चिपके रहते हैं। सोते समय स्वोपन के मिथ्या जगत में तो हम रहते हैं परंतु आज की सच्चाई यह है कि जाग्रत अवस्था में वर्चुअल या आभासी दुनिया में हमारी आवाजाही वास्तविक दुनिया में जीने की तुलना में बढती जा रही है। आज सबके मन में अपने को रचने, प्रस्तुत करने और एक बड़े विस्तृत फलक पर उपस्थित करने की प्रबल इच्छा जाग रही है। दर्शक को प्रतिभागिता का अवसर देने वाली अंतःक्रियात्मक सोशल मीडिया दर्शक या पाठक को बेहिसाब शक्ति का अहसास कराती है। इसकी लोकप्रियता का गणित ऐसा है कि 'इंफलुएंसर ' (यू ट्यूबर!) गण देश के सामाजिक-सांस्कृतिक नेता की तरह अभिनंदित होते हैं और अच्छी खासी आर्थिक कमाई भी करते हैं। यानी वर्चुअल दुनिया मुख्य होती जा रही है और वास्तविक दुनिया के दिलो-दिमाग को संचालित कर रही है। वह रंगीन, गतिशील और अत्यंत व्यापक है और इसलिए उसके स्पर्श में आकर आदमी आसानी से बदल जाता है। अब दैनिक जीवन के जीने के सामान्य अभ्यास में ह्यस्क्रीन टाइमह्ण (संचार और संवाद के गैजेट से जुड़ा रहने में बिताने वाला समय) एक खास मद हो गया है।

यह आभासी दुनिया लोगों को अपने अनुभव-संसार को गढ़ने के लिए कई विकल्पों के साथ असीमित लगने वाली छूट दे रही है और वास्तविक दुनिया में होने वाली गतिविधियों को निर्धारित कर रही है। दर्शक को अपनी निजी स्वतंत्रता के विस्तार का अहसास होता है। इस तरह का यह आभासी दायरा अब इंटरनेट के सहयोग से अपरिमित-सा होता जा रहा है। यह अब मन मस्तिष्क पर छाता हुआ यह आभासी हस्तक्षेप हमारे भाव-जगत को आकार देने लगा है। इस तरह वह जाने अनजाने हमारे स्वभाव को भी बनाते-बिगाड़ते हुए प्रभावित कर रहा है। हमारा स्वाद बदल रहा है। हम क्या हैं और क्या होना चाहते हैं यह सबकुछ मीडिया पर टिकने लगा है। ठीक से कहें तो यह सबको अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। आदमी के मनो-जगत में प्रवेश कर यह चुपके-चुपके हमारी आकांक्षा, अभिरुचि, गतिविधि और व्यक्तित्व सबको गढ़ने वाला एक अचूक औंजार साबित हो रहा है।

ताजा घटनाक्रम में एक महानगर की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि से आने वाले सुपठित युवा द्वारा की गई अश्लील प्रस्तुति चर्चा का विषय बनी है। वर्चुअल प्लेटफार्म पर अभद्रता की हदें पार करने की इस शिकायत पर सबकी नजरें गई हैं। यह सब है तो पुराना धंधा परंतु इस बार बात सुप्रीम कोर्ट तक औपचारिक रूप से पहुंच गई। पहुँची ही नहीं बल्कि सर्वोच्च अदालत ने उसका तत्काल संज्ञान भी लिया और पेशी पर आरोपी को अच्छी तरह डांट भी लगाई। पर गौरतलब है कि इसके पहले भी उच्छृंखल रूप से सोशल मीडिया का दुरुपयोग जोर पकड़े हुए था और इसके बाद अभी भी चालू है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के रूप में ऐसे महानुभावों को आदर और धन संपदा भी मिलती है। वे रसूखदार लोगों में शुमार होते हैं। इस तरह सोशल मीडिया मनोरंजन, व्यापार, शिक्षा और संस्कार सबको प्रभावित कर रहा है।

सोशल मीडिया में विशेष चिंता वाली उपस्थिति आज सेक्स और हिंसा की व्यापक उपस्थिति है। इसका एक से एक विद्रूप रूप मोबाइल में हर दिन हर घड़ी परोसा जा रहा है । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र में मूल अधिकार है। परंतु इसके तहत कुछ भी करने की छूट लेने की आजादी अधिकार में नहीं है। इस समय सोशल मीडिया और खासतौर पर ह्यवेब सिरीजह्ण, ह्यफेसबुक पोस्टह्ण और ह्यरीलह्ण आदि में आ रही बहुसंख्यक प्रस्तुतियों में भोंडे सेक्स के निर्लज्ज प्रचार का ही बाहुल्य है। इन तक पहुँच पर कोई रोक-छेंक न होने से जवान, बच्चे और बूढ़े सभी इसकी तरफ अपनी सुविधानुसार मुखातिब होते हैं। विविध प्रकार की पोर्नोग्राफी का यह दुरन्त विस्तार हर आयु वर्ग, हर धर्म और जाति तथा प्रत्येक आय वर्ग के लोगों को लुभा रहा है। अब यह निजी और गोपनीय नहीं रहा। इसका नशा हर वर्ग में बढ़ रहा है। स्वतंत्रता की इस मुहिम में नग्न और अर्धनग्न, मांसल स्त्री (और पुरुष) शरीर को, छिपाने-दिखाने की सुनियोजित योजना के साथ, विज्ञापित और प्रदर्शित किया जा रहा है। यह अलग बात है कि इनमें कितने पात्र असली हैं और कितने डीपफेक जैसी तकनीक के सौजन्य से बने हुए हैं। इनमें अवैध और अनैतिक देह-संबंध को खोजते-उघाड़ते और साझा करने की यात्रा शुरू हो गई है। पहले जिसे वेश्यावृत्ति कहते थे उसके नाना रूप उत्तेजक कहानियों और घटनाओं में पिरो कर प्रस्तुत करती प्रचुर सामग्री धड़ल्ले से फैलाए जा रहे हैं। पब्लिक डोमेन में डंप की जा रही इन सामग्रियों में रुपया-पैसा, वासना, सेक्स कारोबार और व्यापार आदि मसलों को जोड़-जाड़ कर एक आकर्षक और कामोत्तेजक दुनिया रच कर दिखाई जाती है। इनमें बहुत-सा बाहर के देशों से उठाई सामग्री भी होती है।

वैध और नाजायज संबंधों की सारी हदों को पार करती इस कल्पित वर्चुअल दुनिया में कुछ भी संभव होता है। इनमें दर्शकों को लुभाने और उनको आकर्षित करने के हर नुस्खे आजमाये जाते हैं। यह क्षणिक सुख का आभास या अहसास करा देती है। इसके चलते लोग इसमें फँस जाते हैं। शब्द, भाषा और चित्रों के माध्यम से अश्लीलता का वीभत्स रूप बेरोक-टोक निर्द्वंद भाव से सब लोगों को मुहैया कराया जा रहा है। इन सबके सम्मिलित प्रभाव कार्य के प्रति अन्यमनस्कता, अव्यवस्थित काल-बोध और अमर्यादित सामाजिक आचरण में प्रतिफलित होता है। एक भयावह बीमारी की तरह इसकी लत लगने पर इसका परिणाम दुर्व्यसन (एडिक्शन) के मर्ज.में भी तब्दील हो जाता है।

सांस्कृतिक मयार्दाओं की सभी हदों को पार करते हुए विभिन्न प्रकार की प्रकट, सांकेतिक और अप्रत्यक्ष अश्लीलताओं को लगातार परोसते दृश्यों में बाँध कर हर किसी की उत्सुकता को जगाने के लिए प्रत्यक्ष और छद्म तरीकों से भरपूर सामग्री अनियंत्रित रूप से प्रस्तुत की जा रही है। उदारता का युग बाजार में आया, राजनीति में आया और अब घर की चारदीवारी में पहुँच कर लोगों के दिलो-दिमाग में खलबली मचा रहा है। इसने समाज की सोच या वैचारिकी में अनियंत्रित खुलेपन का न्योता दिया। इस तरह के बदलाव के पीछे नगरीकरण, सामाजिक गतिशीलता, नौकरी पेशे के जीवन की दुश्वारियाँ मुख्य रही हैं।

कितनी उचित है गंगाजल पर बयानबाजी

रमेश सर्राफ धमोरा

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानों का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान है।

इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा-अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है, वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। दोनों घटनाएं बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच हो रही है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है, जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं। जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई थी।

महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालों के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं।

डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह प्वाइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि एनजीटी ने इस नई रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। कहा कि अगर सेंट्रल की रिपोर्ट गलत है तो यूपी वाले एक्शन लें। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से गंगा-यमुना के पानी की गुणवत्ता पर एक हफ्ते में नई विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस पर अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। दरअसल ये पूरा मामला उन 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, जो महाकुंभ में संगम स्नान करने प्रयागराज आए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के श्रद्धालुओं पर संभावित असर को देखते हुए ही यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने नई रिपोर्ट बनाकर इसका जवाब दिया है।

रिश्वत का ट्रम्प कार्ड!

कौशल मूंदड़ा

अमरीका ने मान लिया है कि रिश्वत व्यवसाय के लिए जरूरी है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमरीकी कंपनियों को साफ-साफ संकेत दिया है, रिश्वत दे दो - ठेके ले लो, अमरीका में उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने जिस विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) पर रोक लगाई है, वह अमेरिका से जुड़ी फर्मों और लोगों को विदेश में अपने व्यापार को सुरक्षित करने के लिए विदेशी अधिकारियों को पैसे या उपहार या किसी भी तरह की रिश्वत देने से प्रतिबंधित करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने करीब 50 साल पुराने इस कानून को निलंबित कर दिया है। इस कानून पर रोक लग जाने के बाद अमरीकियों के लिए विदेशों में व्यापार के लिए रिश्वत देना अपराध नहीं रहेगा। ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस कानून के तहत दिए गए फैसलों की समीक्षा करने के लिए गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं।

ट्रंप का कहना है कि यह कानून अमरिकी कंपनियों के लिए एक आपदा है। ट्रंप का कहना है कि जब अन्य देशों की कंपनियां आसानी से रिश्वत देकर व्यापार कर रही है ऐसे में यह कानून अमरिकी व्यापारियों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्द्धा में कमजोर बना रहा है। ट्रंप ने इस कानून को ह्यजिम्मी कार्टर की बेकार योजना बताया और कहा कि इससे अमेरिकी कंपनियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। अब अमरीकी कंपनियों के खिलाफ एफसीपीए के तहत मुकदमे दर्ज नहीं किए जाएंगे। यानी अब अमेरिकी कंपनियां विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने सौदे पक्के कर सकती हैं।

अमरीकी राष्ट्रपति इस समय महाशक्ति होने के नाते दुनिया के सामने स्?वयं को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में अपने देश का वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, अपने इन प्रयासों के तहत वे अपने देश के व्यापारियों को आश्वस्त कर रहे हैं कि अगर वे दुनिया के अन्य देशों में रिश्वत देकर व्यवसाय हासिल करते हैं तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। ट्रम्प के इस निर्णय का सीधा-सीधा संकेत समझा जा सकता है कि रिश्वतखोरी और रिश्वतखोरों को सुधारा नहीं जा सकता, इसलिए रिश्वत-रिश्वतखोरी-रिश्वतखोरों का रोना रोने से अच्छा है कि रिश्वत को मान्यता ही दे दी जाए।

ट्रम्प के इस ट्रम्प कार्ड ने बिटवीन द लाइन्स बहुत सारी बात कह दी है। जो लोग रिश्वत खाकर खुद को व्हाइट कॉलर होने का दिखावा करते हैं, उन पर भी सीधी-सीधी चोट कर दी गई है। महाशक्ति ने स्वीकार कर लिया है कि रिश्वतखोरी होती ही है, ऐसे में कोई दिखावा करने वाली बात है ही नहीं। आम जनता तो बोलती ही है, अब संवैधानिक पद पर चुने हुए नेता भी बोल रहे हैं तो उसके मायने साफ हैं, डील अब सीधी-सीधी कर लो। ट्रम्प के संकेत स्पष्ट हैं कि सारे काम इसी तरह हो रहे हैं, फिर शमार्ना कैसा।

लेकिन, ट्रम्प ने अपने देश के व्यापारियों को रिश्वत का ट्रम्प कार्ड अमरीका से बाहर खेलने के संकेत दिए हैं। अमरीका के भीतर रिश्वतखोरी को ट्रम्प शायद ही बर्दाश्त करें। इसकी बानगी उनके पीछे-पीछे आए मस्क के बयान से भी समझी जा सकती है। अमरीका में डिपार्टमेंटऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क ने ट्रम्प के रिश्वत वाले निर्णय के एक दिन बाद व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार पर हावी नौकरशाही को कठघरे में खड़ा किया। मस्क ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार के स्थान पर वास्तव में ब्यूरोक्रेसी सरकार चलाती रही है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बाद पावरफुल माने जाने वाले एलन मस्क का यह बयान भी बड़े संकेत दे गया है। जब अमरीका में ही शीर्ष नेतृत्व ने ब्यूरोक्रेसी को लेकर ऐसी धारणा बयां की है, तब अन्य देशों की स्थिति पर चर्चा शुरू होनी ही है। अब तक आम आदमी ही पीड़ा में इस तरह की बातें करता रहा है, इस देश को जनप्रतिनिधि नहीं बल्कि ईस्ट इंडिया कम्पनी के बाद आईएएस और आरएएस नाम की कम्पनियां चला रही हैं। रियासतकाल में सिर्फ 565 रियासतों के राजा ही वीआईपी होते थे, अब तो हर छोटा-मोटा अफसर वीआईपी है। अफसर तो अफसर, उनका परिवार भी वीआईपी ही होता है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है किसी बड़े मंदिर में लगी दर्शनार्थियों की कतार के बीच अफसरों के परिवारजनों का पुलिस सुरक्षा में बेधड़क आगे पहुंच जाना। आम आदमी यह नजारा आए दिन देखता है।

शायद इन्हीं परिस्थितियों को विश्व की महाशक्ति के नेताओं ने समझा और रिश्वतखोरी और नौकरशाही को चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। समझना मुश्किल नहीं है कि अब रिश्वतखोर को आम आदमी खुलेआम भ्रष्ट कह दे तो आश्चर्य नहीं होगा, आम आदमी यह तर्क दे सकता है कि भई, कष्ट क्यों हो रहा है, अब तो अमरीका ने खुले आम रिश्वत देने की बात कह दी है। अब तक अंडर द टेबल की इबारत यूज की जाती थी, अब तो टेबल के ऊपर ही डील हो जाएगी। लेकिन, ऊपर द टेबल में मजा यह भी आ सकता है कि रिश्वत की बोली लगे।

दैनिक पंचांग

24 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

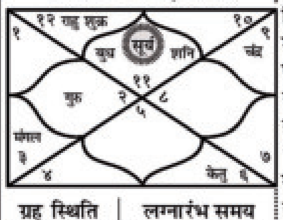

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.26 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	08.56 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.36 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.35 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.48 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	17.04 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.16 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.27 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.41 ब.से
राहुकाल		धनु	01.57 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	04.03 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.49 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 55 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 13.45 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 18.59 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 10.05 बजे को समाप्त। **करण** बालव 13.45 बजे तदनन्तर कौलव 01.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 09° 27' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872265 **जूलियन दिन** 2460730.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** शाबान **तारीख** 25 **विशेष** विजया एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

लखनऊ में बेकाबू जीप ने 5 गाड़ियों को मारी टक्कर

रिक्शा, एक्टिवा और कार को 400 मीटर घसीटा सड़क पर पड़ी रहीं महिलाएं

लखनऊ। के हुसैन गंज में बेकाबू जीप ने रतन स्क्वायर के पास रिक्शा, एक्टिवा और एक कार समेत 5 गाड़ियों को टक्कर मारते हुए कई लोगों को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जीप की चपेट में आने से तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत छह लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। आरोपी ड्राइवर को भीड़ ने घेर लिया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने बीच-बचाव कर उसे पास के मारुति सुजुकी शोरूम में बैठा दिया। जीप UP 32 KW 0521 से हादसा हुआ है। गाड़ी सुजीत कुमार गुप्ता के नाम पर है। सिविल के डॉक्टर के अनुसार चार घायलों को डिस्चार्ज कर दिया गया। जिन्हें मामूली चोटे आई थी दो गंभीर घायलों का इलाज चल रहा है। घायल जितेंद्र (25 वर्ष) ने बताया कि वह अपने रिक्शा से सवारी उतारकर उनसे किराया ले रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया। घायल अंशु पटेल छात्रा (21 वर्ष), जो सिविल सेवा की तैयारी कर रही है। हादसे के वक्त ई-रिक्शा से कोचिंग जा रही थीं। आधे घंटे बाद हुसैनगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। हादसे में शामिल जीप को भी जब्त किया गया है। फिलहाल, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। 20 मिनट तक सड़क पर पड़ी रहीं महिलाएं हादसे के बाद 2 महिलाएं 20 मिनट तक सड़क पर ही पड़ी रहीं। राहगीरों ने उनकी मदद की। इसके बाद एबुलेंस को बुलाया स्टेचर पर लेटाकर अस्पताल भेजा। दो महिलाओं के पैर पूरी तरह फ्रैक्चर हो गए हैं। इन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा इतना भयानक था कि सड़क पर खून ही खून था। जो भी गुजरता वह रुककर देखने लगा कि आखिर कितनी बड़ी दुर्घटना हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जीप चालक तेज रफ्तार में वाहन चला रखा था। लोग उसे रोकने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह नहीं रुका।

माकपा द्वारा एक देश एक चुनाव पर सेमिनार आयोजित

कुशीनगर। नगर स्थित कसया तहसील के अधिवक्ता भवन में एक देश एक चुनाव ' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने लोक हित में विधेयक को वापस लेने की मांग सरकार से की। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता किसान मजदूर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजी राय ने कहा कि मौजूदा सरकार एक बेहद केंद्रीकृत शासन को आगे बढ़ाने के लिए यह विधेयक लाई है। सरकार के पास लोकसभा और राज्य सभा में विधेयक पास करने के लिए मौजूदा दो तिहाई बहुमत नहीं है फिर भी इसे लाया गया है। सरकार इस विधेयक को लोकहित में वापस ले। इसी क्रम में माकपा जिला सचिव अयोध्या लाल श्रीवास्तव, जनार्दन शाही, मोहन गोंड, कांग्रेस नेता रविन्द्र विश्वकर्मा, मोहन गोंड, राघवेंद्र सिंह, इदरीश सिद्दकी आदि वक्ताओं ने एक देश एक चुनाव विधेयक की आलोचना की और कहा कि यह चुनाव मतदाताओं को थकान की ओर ले जा सकता है और स्थानीय मुद्दे महत्व हीन हो जाएंगे। सरकार इस विधेयक पर आगे बढ़ने की बजाय वापस ले और भारत के राज्यों की विविधता, जटिलता और स्वायतता को प्राथमिकता दी जाय। भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत किया जाए। अंत में सभी को संविधान रक्षा की शपथ दिलाई गई। अध्यक्षता एडवोकेट विजय कुमार श्रीवास्तव ने की। इस दौरान एडवोकेट फिरोज अंसारी, हरिनारायण यादव, ईश्वर चंद्र प्रियदर्शी, शम्भु चौहान, कैलाश गोंड, जवाहिर शर्मा, राजेंद्र सिंह, कलामुद्दीन, राम नरेश यादव, रामवृक्ष गिरी, श्रीनारायण, राम बहाल सिंह आदि मौजूद रहे।

रोटरी के सदस्यों ने हर्षोल्लास से मनाया विश्व रोटरी दिवस

कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी क्लब कुशीनगर के सदस्यों द्वारा विश्व रोटरी दिवस के अवसर पर रोटरी इंटरनेशनल का 120 वां स्थापना कुशीनगर स्थित कलश होटल में केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि 23 फरवरी 1905 में स्थापित रोटरी क्लब ने सामाजिक सेवा के अपने उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए पूरे विश्व में मानव सेवा के प्रकल्पों को सतत संचालित कर रहा है। रोटरी क्लब एक अंतरराष्ट्रीय गैर राजनीतिक, गैर धार्मिक स्वयंसेवी संस्था है। कोई भी व्यक्ति जो समाज सेवा करना चाहता है रोटरी क्लब कुशीनगर में अपनी सहभागिता दे सकता है। रोटरी क्लब सचिव अजय सिंह ने बताया कि रोटरी क्लब निरंतर 120 वर्षों से पूरे विश्व में सेवा कार्यों को संपादित कर रहा है। इसी संकल्प को आत्मसात करते हुए रोटरी क्लब कुशीनगर ने 2024-25 सत्र में कुशीनगर में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विविध कार्यों को निष्पादित किया है। पल्स पोलियो जैसी घातक बीमारी को भी विश्व से साफ करने में रोटरी क्लब का अहम योगदान है। रोटरी क्लब कुशीनगर कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी ने बताया कि आगामी 23 मार्च 2025 को शहीद भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु के शहीद बलिदान दिवस पर रोटरी द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन प्रस्तावित है। इस अवसर पर दीपेश कुमार सिंह एवं डॉ. रिजवान आलम को रोटरी पिन लगाकर औपचारिक सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष साहिल अहमद, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक डॉ सुनील सिंह, निदेशक अंकुर तुलस्यान, निदेशक गोपीचंद कसौधन, सार्जेन्ट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, गौरव मद्धेशिया, फैयाज खान, महेंद्र तिवारी मोनू, इम्तियाज आलम, डॉ. जे.के.पटेल, गोपीचंद कसौधन, विनोद वर्मा, डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल, अमरेंद्र नारायण सिंह, हेमन्त गर्ग, गोविंद सिंह, विजय सिंह, रंजीत श्रीवास्तव, सत्येन्द्र राय, रिजवान आलम, शिवजी जायसवाल, दीपेश कुमार सिंह एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति हाईकोर्ट ने बुद्ध का किया दर्शन पूजन

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर पहुंचे प्रशासनिक न्यायमूर्ति हाईकोर्ट दीपक कुमार ने राष्ट्रीय स्मारकों का अवलोकन किया और मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया। प्रशासनिक न्यायमूर्ति हाईकोर्ट दीपक कुमार सर्व प्रथम रामा भार स्तूप पहुंचे और दर्शन, पूजन, परिक्रमा की। यहां उन्हें कुशीनगर के ऐतिहासिक, पुरातात्विक महत्व की जानकारी गाइडों और भिक्षुओं द्वारा दी गई। वह थाई मोनेस्ट्री भी गए और वहां का अवलोकन किया। इसके पश्चात व्याख्यान केंद्र में बुद्ध के जीवन से जुड़े पहलुओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा। इसके पश्चात मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में भंते डॉ नन्द रतन, भंते नंदिका, भंते उपाली और भिक्षुओं के धम्म वंदना के बीच बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया। इस अवसर पर जिलाजज कुशीनगर सुशील कुमार शशि, एडीजे पास्को कोर्ट दिनेश कुमार, एडीजे एससी , एसटी सुनील यादव, एडीजे रिजवान अहमद, सहायक पुरातत्व सर्वेक्षण अधिकारी शादाब खान और अन्य मौजूद रहे। इससे पूर्व शनिवार को कुशीनगर सिविल बार एसोसिएशन कसया के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल प्रशासनिक न्याय मूर्ति हाईकोर्ट दीपक कुमार से पडरौना में मिला और उन्हें पत्रक सौंपकर बाह्य दीवानी न्यायालय कसया के क्षेत्राधिकार को वापसी की मांग की। इस दौरान मंत्री अश्वनी शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, रविन्द्र मणि, अशोक राय, पूर्व मन्त्री जलज सिंह, अरविंद दूबे आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

खेल से प्रेम और सौहार्द की भावना विकसित होती है:रिंकू कुमार

राजकीय पॉलीटेक्निक में हुआ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

कुशीनगर। राजकीय पॉलीटेक्निक मुजहना हाटा कुशीनगर में आयोजित वार्षिक खेल खुद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सराहना बटोरी। वार्षिक खेल का शुभारंभ फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य रिंकू कुमार ने कराया। उन्होंने कहा कि खेल और शिक्षा दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इससे शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास को बल मिलता है। खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। इससे प्रेम और सौहार्द की भावना विकसित होती है। संस्था के खेल प्रभारी अंकित सिंह और खेल अधिकारी बिपुल कुमार पांडेय की देखरेख में संपन्न हुए खेलकूद में 200 मीटर दौड़, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, गोला फेंक के साथ साथ वॉलीबॉल जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खिलाड़ी संस्था स्तर पर बने मेजर ध्यानचंद क्लब, पी टी उषा क्लब, मिल्खा सिंह क्लब में शामिल थे। विजेता खिलाड़ी नियाज अहमद, शौर्य, मोहित पासवान, अमन वर्मा, अभिषेक के साथ छात्राओं में आफरीन खातून, शालिनी त्रिपाठी, शालिनी धवन और स्नेहा चौधरी आदि को प्रधानाचार्य और अतिथियों द्वारा मेडल और अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य रिंकू कुमार ने सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार जताया।

उन्होंने सभी चयनित विजेता खिलाड़ी को आगे जोनल गेम्स एवं खेलो इंडिया में भाग लेने और उसकी तैयारी निरंतरता के साथ करते रहने की सलाह दी। इस अवसर पर संस्था के प्रवक्ता विनय पांडे, श्रीमती शालिनी त्रिपाठी, प्रशांत गुप्ता, संदीप रौनियार, प्रदीप कुमार, सौरभ सिंह, राहुल सिंह, राणा प्रताप चौधरी, सूरज वर्मा, अमित कुमार, हरिओम गुप्ता, अनुदेशक राहुल प्रजापति, अजीत भाटिया, मुरलीधर गुप्ता, संदीप यादव और पुस्तकालयाध्यक्ष अमित गुप्ता मौजूद रहे।

माघी पूर्णिमा पर थाई मंदिर से निकली पवित्र बुद्ध धातु शोभायात्रा

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मंदिर से गाजे - बाजे, हाथियों और मन मोहक झांकियों के साथ पवित्र बुद्ध धातु शोभायात्रा निकाली गई तथा मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन, पूजन कर चीवर चढ़ाया गया और विश्व कल्याण की कामना की गई। माघी पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को आयोजित समारोह के चौथे दिन थाई संघा भारत नेपाल के चीफ भन्ते फ्रा थे बोदियोंग की उपस्थिति और थाई मंदिर के प्रमुख भिक्षु फ्राविडेश्वचिरायन (डा0 पी सोम पोंग) के देख रेख में थाई मंदिर में नौवें महाराजा की प्रतिमा के समक्ष प्रमुख थाई बौद्ध गुरु श्रीसमिथ फ्रामहाथिरचान और रॉयल थाई एयरफोर्स कमांडर इन चीफ एयर मार्शल पुनपक्दी पट्टानकुल और 16 थाई अतिथियों, भिक्षुओं, उपासकों ने धम्म पाठ के साथ कैंडल जलाकर आह्वान पूजन और विशेष पूजा कर ओपनिंग सेरेमनी/वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। इसके पश्चात मंदिर से स्वर्ण कलश में रखे भगवान बुद्ध की अस्थि को रथ पर बने कांच के सुशोभित रथ पर रखा गया। शोभायात्रा में थाई कलाकार अलग, अलग टोलियों में आकर्षक नृत्य कर रहे थे। थाई राज परिवार, बुद्ध, राम दरबार, राधा कृष्ण, शिव परिवार आदि झांकियां स्कूली बच्चों ने सजाई थी। रथों पर बौद्ध भिक्षु, थाईलैंड के अतिथि चल रहे थे। भिक्षु संघ अध्यक्ष भंते ज्ञानेश्वर, आयोजक श्रीसमिथ पोंगरीथ, मिसेज किरिनरात, चिया युवान, मिसेज अमपोर्न, मिसेज विफा, चावा लित, विधायक पीएन पाठक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जयसवाल आदि शोभायात्रा के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा मुख्य मंदिर पहुंची जहां विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि आयोजन से भारत - थाई के बीच संबंध प्रगाढ़ होंगे। इस दौरान फ्रा खू सोन क्रान, भंते समिट, भंते अचान पविन, भंते कितिफान, टीके राय, अंबिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, सूरज यादव, गौतम शर्मा, अमिताभ त्रिपाठी सहित बुद्ध इंटर कालेज के एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न विद्यालय के बच्चों ने भाग लिया।

संक्षिप्त डायरी

लखनऊ में देश के 400 बॉडी बिल्डर्स का महा-मुकाबला

लखनऊ। के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बॉडी बिल्डिंग फेडरेशन कप का आयोजन किया गया है। इंडियन बॉडी बिल्डर फेडरेशन द्वारा आयोजित ये 14 वां फेडरेशन कप है। नेशनल स्तर पर आयोजित फेडरेशन कप में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, मुंबई समेत विभिन्न राज्यों के एथलीट्स और बॉडी बिल्डिंग चैंपियंस हिस्सा ले रहे हैं। इसमें देश के पुरुष और महिला बॉडी बिल्डर्स, एथलीट मंच पर अपनी बॉडी और शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं। फेडरेशन कप में देश भर के 400 से अधिक एथलीट के बीच में महामुकाबला है। इस मुकाबले को जीतने वाले बॉडी बिल्डर को 10 लख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में पहुंचे प्रदेश के शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा- युवाओं की पर्सनैलिटी देखकर खुशी हुई। युवाओं ने शरीर को बनाने में बहुत मेहनत किया है। स्पोर्ट्स हमारे अंदर टीम स्पिरिट की भावना पैदा करती है। भारत से जुड़े लोग हमेशा शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ रहते हैं।

उदादेबी पासी बहुजन संगठन का रोड शो

लखनऊ। मलिहाबाद में वीरांगना उदादेबी पासी बहुजन संगठन (महासभा) ने एक विशाल रोड शो का आयोजन किया। संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आर के आदर्श के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. आदर्श मलिहाबाद से पूर्व विधायक प्रत्याशी रह चुके हैं। रोड शो की शुरूआत राजकीय उदादेबी महिला विद्यालय से हुई। यह शो बीरपुर, नारायणपुर, जल्लाबाद और गौरैया होते हुए मडवाना तक पहुंचा। मडवाना में लाखन पासी स्मृति द्वार का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौरैया चौराहे पर डॉ. आदर्श का भव्य स्वागत किया गया। अंकित रावत, नीरज रावत, शिवा रावत, गंगाराम रावत और रोहित रावत समेत बड़ी संख्या में लोगों ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। सैकड़ों कार्यकर्ता इस रोड शो में शामिल हुए।

8वें वेतन आयोग के गठन के लिए रक्षामंत्री से मुलाकात

लखनऊ। इंडियन पब्लिक सर्विस एम्प्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में उपमहासचिव अतुल मिश्रा, उपाध्यक्ष सुरेश रावत, अजय वीर यादव, बाबूलाल शर्मा (दिल्ली), शाह फैयाज (जम्मू), एवं विधि सलाहकार ऋषभ तिवारी उपस्थित थे। वीपी मिश्र ने आठवें वेतन आयोग के गठन, आयकर सीमा में 12 लाख तक छूट देने, सेवानिवृत्ति पर 50% पेंशन देने एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए रक्षा मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आग्रह किया कि 25 वर्ष की बजाय 20 वर्ष की सेवा पर पूरी पेंशन देने और जीपीएफ बहाल करने की मांग पूरी की जाए। उन्होंने बताया कि भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष होने के कारण कई कर्मचारी 20 वर्ष की सेवा पर सेवानिवत्त होते हैं, इसलिए उन्हें पूर्व की भांति पूरी पेंशन दी जानी चाहिए। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हित में प्रस्ताव वीपी मिश्र ने रक्षामंत्री से यह भी आग्रह किया कि आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाए, उनकी सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए एवं रिक्त पदों पर विनियमितीकरण की नियमावली प्रख्यापित की जाए। इससे इन कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित होगा और वे अपने परिवार का सुचारू रूप से भरण-पोषण कर सकेंगे। रक्षा मंत्री का आश्वासन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आश्वासन दिया कि पेंशन में जो कमियां रह गई हैं, उनमें सुधार किया जाएगा। उन्होंने आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और वेतन में आवश्यक सुधार करने की बात कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे कर्मचारियों को अपने परिवार का अंग मानते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

खरगापुर में रामचरितमानस पाठ

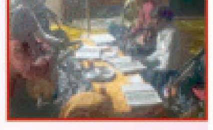

लखनऊ। के ग्राम सभा खरगापुर में मां शीतला मंदिर में दो दिवसीय श्री रामचरितमानस पाठ का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लखनऊ से आई पार्टी ने फिल्मी धार्मिक तर्ज पर चौपाइयों का गायन किया। जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 19 अमरेंद्र भारद्वाज ने भी ग्रामवासियों के साथ रामायण का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपने घरों में श्री रामचरितमानस पाठ के संस्कारों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस से जीवन में संस्कारयुक्त रहने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में ग्रामवासी और क्षेत्रवासी सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। रात में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल का आनंद लिया।

आरबीआई ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है

● इससे होम लोन व कार लोन और सस्ते होंगे ● महंगाई दर जल्द ही सीमा के अंदर आने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आने वाले महीनों में ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है। विकसित देशों के केंद्रीय बैंक महंगाई पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, लेकिन रिजर्व बैंक की प्राथमिकता फिलहाल विकास को बढ़ावा देना है। अलग ब्याज दरों में फिर से कटौती होती है तो इससे होम लोन, कार लोन आदि और सस्ते हो जाएंगे। साथ ही ईएमआई का बोझ भी कम होगा।

रिजर्व बैंक का मानना है कि महंगाई दर जल्द ही सरकार की ओर से तय सीमा के अंदर आ जाएगी। इसके लिए वह ब्याज दरों में कटौती के अलावा भी कई कदम उठा सकता है। ये बात मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक के विवरण से पता चलती है। यह बैठक शुक्रवार को हुई। बता दें कि इस महीने 5 से 7 फरवरी तक एमपीसी की बैठक हुई थी।

25 बेसिस पॉइंट की हुई है कटौती– रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को मीटिंग में लिए गए फैसलों की घोषणा की थी। उस समय केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती की थी। यह अब 0.25 प्रतिशत कम होकर 6.25 प्रतिशत हो गया है। 5 साल में यह पहली बार था जब ब्याज दरों में कमी की गई। अब इसका असर दिखने लगा है। एसबीआई और पीएनबी समेत कई बैंक ब्याज दरें घटा चुके हैं और लोगों को सस्ता लोन मिल रहा है।

महंगाई पर कम पड़ेगा असर– एमपीसी ने यह भी संकेत दिया कि वैश्विक व्यापार चुनौतियों का महंगाई पर बहुत कम असर पड़ेगा। साथ ही, ऊंची वास्तविक ब्याज दरें कर्ज की लागत को और कम करने का मौका देती हैं। वास्तविक ब्याज दर का मतलब है, ब्याज दर और महंगाई दर के बीच का अंतर। अगर ब्याज दर ज्यादा है और महंगाई कम है तो वास्तविक ब्याज दर ऊंची होती है।

क्या है रिजर्व बैंक का प्लान?

एमपीसी के वे बाहरी सदस्य जो पिछली दो बैठकों में ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में थे, उनका मानना है कि मौजूदा मौद्रिक नीति बहुत सख्त है। कर्ज वृद्धि दर में गिरावट को देखते हुए खपत और निवेश को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में कमी करना जरूरी है। यानी रिजर्व बैंक आने वाले दिनों में ब्याज दरों में और कमी कर सकता है।

रेट कट का ये सबसे मुफीद समय– रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपनी पहली एमपीसी की बैठक में ब्याज दरों में कटौती का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात और महंगाई दर को देखते हुए यह ब्याज दरों में कमी करने का सही समय है। उनका मानना है कि कम ब्याज दरों से खेती-बाड़ी का विकास होगा, लोगों का खर्च बढ़ेगा, घरों में निवेश होगा और कंपनियां भी पूंजी निवेश करेंगी। इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने 'एशिया इंश्योरेंस रिव्यू' के साथ जीआईईए की लॉन्चिंग की घोषणा की

पुणे, एजेंसी। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी में से एक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) की लॉन्चिंग की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एशिया, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका में जनरल इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस के एडवाइज़र्स के उत्कृष्ट योगदान को सराहना और सम्मानित करना है. इंडस्ट्री में विश्वसनीय नाम और इस इवेंट में पार्टनर, एशिया इंश्योरेंस रिव्यू (एआईआर), वर्ष 2025 के अवॉर्ड्स की देखरेख और संचालन करेगी, जिससे इवेंट की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ गई है और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता भी जुड़ गई है. बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस द्वारा आयोजित इस इवेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर की इंश्योरेंस इंडस्ट्री के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एडवाइज़र्स को ग्यारह अलग-अलग अवॉर्ड कैटेगरी में सम्मानित किया जाएगा।

अवॉर्ड्स का मूल्यांकन इंटरनेशनल इंश्योरेंस इंडस्ट्री विशेषज्ञ के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया जाएगा, जिनके नाम इस प्रकार हैं- जीआईईए अवॉर्ड्स 2025 में, इंडस्ट्री की वास्तविक रीढ़ के रूप में इंश्योरेंस एडवाइज़र्स के असाधारण समर्पण, जुनून और कठोर परिश्रम को सम्मानित किया जाएगा. जीआईईए अवॉर्ड्स के लिए, जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के एडवाइज़र्स को विभिन्न अवॉर्ड कैटेगरी में खुद को नामांकित करने, अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. इन अवॉर्ड्स का उद्देश्य इंश्योरेंस सेक्टर में उनके शानदार योगदान को सम्मानित करना है, जो नागरिकों के साथ उनके सबसे चुनौतीपूर्ण समय में खड़े होकर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जीआईईए अवॉर्ड्स इंश्योरेंस एडवाइज़र के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हैं, जो सबसे अधिक ज़रूरी समय पर सच में बदलाव लाते हैं.

2025 के लिए जीआईईए अवॉर्ड की लॉन्चिंग पर, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, श्री तपन सिंघल ने कहा, एडवाइज़र्स इंश्योरेंस इंडस्ट्री के गुमनाम हीरो हैं, जो अपने कस्टमर के सबसे मुश्किल समय में उनके साथ खड़े रहते हैं, उन्हें मार्गदर्शन, सहायता और पूरा समर्थन प्रदान करते हैं. उनके योगदान पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है लेकिन सच यह है कि वे इंश्योरेंस सेक्टर की रीढ़ हैं, और उनके शानदार प्रयासों को सम्मानित करने का समय आ गया है. ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) के साथ, हमारा उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाकर उत्कृष्टता को पहचानने के लिए बेंचमार्क को बेहतर बनाना है।

अमेरिका की राह पर भारत...!

फूड ऑयल के आयात पर बढ़ा सकता है टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के निशाने पर हैं। कारण है उनका टैरिफ। उन्होंने भारत समेत दुनिया के लगभग हर देश पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप का कहना है कि वह स्थानीय व्यापार को बढ़ाना देने के लिए ऐसा कर रहे हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश भी ऐसा करते हैं। अब भारत भी अपने स्थानीय किसानों की मदद के लिए आगे आया है। जानकारी के मुताबिक

भारत वनस्पति तेलों के आयात पर टैक्स बढ़ा सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक दो सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत अपने हजारों तिलहन किसानों को घरेलू तिलहन कीमतों में गिरावट से राहत देने के लिए वनस्पति तेलों पर आयात टैक्स बढ़ा सकता है। अगर ऐसा होता है छह महीने से भी कम समय में दूसरी बार वनस्पति तेलों पर इंपोर्ट टैक्स बढ़ेगा। इस समय किसानों को वनस्पति तेल पर काफी नुकसान हो रहा है। इसलिए सरकार उनकी मदद करना चाहती है।

महंगा हो सकता है फूड ऑयल– भारत फूड ऑयल का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। अगर भारत फूड ऑयल के इंपोर्ट टैक्स बढ़ाता है तो भारत को महंगी कीमत पर दूसरे देशों से यह तेल खरीदना होगा। क्योंकि नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे देश तेल की कीमत बढ़ा देंगे। इससे भारत में यह तेल महंगा बिकेगा।

ज्वेलरी, राखियां, नेमप्लेट... इको-फ्रेंडली चीजें बनाकर महिला कर रही मोटी कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर शौक और हुनर को बिजनेस में बदला जाए तो सफलता मिलते देर नहीं लगती। ऐसा ही कुछ किया है ओडिशा की सुधारानी मरांडी ने। उन्होंने अपने बचपन के शौक को एक सफल कारोबार में बदल दिया है। वह घर के लिए इको-फ्रेंडली सजावटी सामान, ज्वेलरी, टिशू बॉक्स, फोटो फ्रेम, नेमप्लेट आदि बनाती हैं। वह इन प्रोडक्ट को ऑनलाइन और ऑफलाइन बेचती हैं। इससे उन्हें हर महीने मोटी कमाई हो रही है।

कॉलेज टाइम से शुरू की कमाई– सुधारानी को जब भी अपने पिता से जेब खर्च मिलता था, वह उस रकम को डेकोरेशन का सामान खरीदने में खर्च कर देती थीं। हालांकि उनके पिता को सुधारानी का यह काम पसंद नहीं आता था। वह जब ग्रेजुएशन में आईं तो अपने जुनून को इनकम का एक छोटा सा जरिया बना लिया। कॉलेज के दिनों में वह इको-फ्रेंडली डेकोरेटिव चीजें बनातीं और उन्हें अपने फ्रेंड्स और जानकारों को बेच देती थीं। इसे उन्हें हर महीने करीब एक हजार रुपये की कमाई हो जाती थी।

शुरू किया खुद का ब्रांड– अपने इस हुनर को आगे बढ़ाते हुए सुधारानी ने अपना ब्रांड बनाया और इसका नाम उन्होंने झुनुक क्राफ्ट्स रखा। आज वह अपने इसी ब्रांड्स के अंतर्गत सारी चीजें बनाती हैं। इनका यह ब्रांड एमएसएमई में रजिस्टर्ड है। वह इको-फ्रेंडली गिफ्ट आइटम

विप्रो वाले अजीम प्रेमजी ने 9 कंपनियों पर लगाया है दांव

मुंबई एजेंसी। अजीम हाशिम प्रेमजी को तो जानते ही होंगे। वह मशहूर सॉफ्टवेयर कंपनी विप्रो के चेयरमैन थे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक उनका नेटवर्थ 35.9 बिलियन डॉलर बताया जाता है। उनकी इनवेस्टमेंट कंपनी प्रेमजी इन्वेस्ट , ने बीते शुक्रवार को ओपन मार्केट में नौ कंपनियों के ढेरों शेयर खरीदे। इनमें भारती एयरटेल, जिंदल स्टील एंड पावर और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इस सौदे की कुल कीमत 446 करोड़ रुपये रही। अन्य छह कंपनियों में अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन, अंबुजा सीमेंट्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आइसीआइसीआइ बैंक, इंफोसिस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस शामिल हैं।

किस कंपनी के कितने शेयर खरीदे– पीटीआई के मुताबिक प्रेमजी इन्वेस्ट ने अपनी सहयोगी कंपनी के माध्यम से ये शेयर खरीदे हैं। इस सौदे में भारती एयरटेल के 5.44 लाख शेयर,

जिंदल स्टील पावर के 9.72 लाख शेयर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के 5.70 लाख शेयर खरीदे गए। इंफोसिस के 3.28 लाख शेयर भी इस सौदे का हिस्सा रहे। ब्लॉक डील के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

और कौन सी कंपनी में कितने शेयर– इनके अलावा, आइसीआइसीआइ बैंक के 3.33 लाख शेयर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के 8.13 लाख शेयर, अंबुजा सीमेंट्स के 5.14 लाख शेयर भी खरीदे गए। एपीएसइजेड के 1.09 लाख शेयर और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के 84,375 शेयर भी प्रेमजी इन्वेस्ट ने अपने पोर्टफोलियो में जोड़े। ये शेयर 477.2 रुपये से लेकर 1,807.15 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे गए। इस तरह कुल सौदे की कीमत 446.38 करोड़ रुपये हुई।

इन कंपनियों के शेयर बेचे– दूसरी तरफ, तारिश इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी ने इन नौ कंपनियों के शेयर बेचे। यह कंपनी हशम इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी से जुड़ी है। हशम इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी, सेबी के साथ रजिस्टर्ड वेंचर कैपिटल फंड्स को निवेश सलाहकार सेवाएं देती है। इसकी मूल कंपनी अज़ीम प्रेमजी ट्रस्टी कंपनी है, जिसके मुख्य प्रमोटर खुद अज़ीम प्रेमजी हैं।

शुक्रवार को इनमें गिरावट– बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में कुछ कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई।

अमीरों को लगा झटका

दुनिया में मस्क के बाद सबसे ज्यादा घटी अदाणी की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल के कारण इस साल अब तक शीर्ष अमीरों की संपत्तियों में भारी गिरावट आई है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति में टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क के बाद दूसरी सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, दुनिया के 23वें सबसे अमीर कारोबारी गौतम अदाणी की संपत्ति 11.9 अरब डॉलर घटकर 66.8 अरब डॉलर रह गई है। इस दौरान मस्क की संपत्ति में 35.2 अरब डॉलर की कमी आई है और अब उनकी संपत्ति 397.3 अरब डॉलर है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से मस्क की संपत्ति में काफी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली थी और यह 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी।

शिव नाडर को 4.53 अरब डॉलर व अंबानी को 2.9 अरब डॉलर का झटका– ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी इस साल बड़ी गिरावट आई है।उनकी संपत्ति 2.9 अरब डॉलर घटकर 87.7 अरब डॉलर रह गई।एचसीएलटेक के संस्थापक शिव नाडर की संपत्ति में 4.53 अरब डॉलर की कमीआई है। अब उनकी संपत्ति 38.6 अरब डॉलर रह गई है।

धोनी के बालों की स्ट्रेटजी, जो आप बेशक जानना चाहेंगे!

मुंबई, एजेंसी। जब पावर कपल एमएस धोनी और साक्षी एक साथ आते हैं, तो आपको पता चल जाता है कि कुछ खास होने वाला है - इस बार, यह अवसर स्वाभाविक रूप से शानदार दिखने के लिए है, जिसका श्रेय गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स को जाता है! अपने नवीनतम टीज़र में, उनके बीच की चंचल नोक-झोंक ने सुर्खियां (और आपका दिल) चुरा ली। जब साक्षी धोनी को उनके अंतहीन कैंडिड इंटरव्यू को लेकर चिढ़ाती हैं, तो वह खुद को यह बताने से नहीं रोक पातीं कि कैसे किसी ने हाल ही में उनसे पूछा था कि वह 43 साल की उम्र में भी 30 साल के कैसे दिखते हैं। उनका जवाब? बालों का कलर और दाढ़ी का कलर। लेकिन रुकिए-साक्षी तुरंत बताती हैं कि वह ही उनके बालों को रंगती है, ताकि क्रेडिट गेम में पीछे न रहे! इसलिए, जब वह उनसे पूछती हैं, आप कौन सा रंग इस्तेमाल करते हैं?, तो धोनी अपनी चिरपरिचित मुस्कान बिखेरते हुए, बिल्कुल धोनी स्टाइल में कहते हैं। मैं अभी अपने सभी सीक्रेट्स नहीं बता सकता। हम सभी ने क्रिकेट के मैदान पर एमएस धोनी के शांत, सोचसमझकर लिए गए निर्णय देखे हैं! लेकिन जब बात उनके बालों की आती है।

नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत मध्य प्रदेश सरकार हर 45 किमी पर हेलिपैड और हर 150 किमी पर हवाई अड्डा का करेगी निर्माण

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत राज्य में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस नीति के तहत हर 45 किलोमीटर की दूरी पर हेलिपैड और हर 150 किलोमीटर पर

एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा। इससे राज्य में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार व पर्यटन को गति मिलेगी। राज्य सरकार एयरलाइंस को आकर्षित करने के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन भी देगी। मध्य प्रदेश को अन्य राज्यों से जोड़ने वाली प्रत्येक नई घरेलू उड़ान के लिए सरकार 7.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देगी। नई अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए विमानन कंपनियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इंदौर, उज्जैन और ओंकारेश्वर को हेलीकॉप्टर सेवाओं से जोड़ने के लिए जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे। इससे इन महत्वपूर्ण धार्मिक और व्यापारिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। इस कदम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। यात्रा का समय भी घटेगा, जैसे भोपाल से इंदौर की हवाई यात्रा मात्र 55 मिनट में पूरी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण मध्य प्रदेश एक प्रमुख एयर कार्गो हब बन सकता है। इसकी क्षमता को देखते हुए, राज्य में 20 से अधिक आधुनिक कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जा रहे हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और माल परिवहन को सुविधाजनक बनाएंगे। इस नीति से राज्य में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। होटल, परिवहन, विमानन प्रशिक्षण संस्थान, ग्राउंड स्टाफ और पायलट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ेंगी।

सनम तेरी कसम दोबारा रिलीज के बाद भी चार्ट्स पर सुपरहिट

मुंबई, एजेंसी। सनम तेरी कसम, जो एक पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, 7 फरवरी 2025 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह इसकी पहली बार हुई रिलीज के नौ साल पूरे होने का खास मौका था। पहली बार जब यह रिलीज हुई थी, तब बॉक्स ऑफिस पर कुछ ख़ास कमाल नहीं कर पाई। लेकिन समय के साथ, फिल्म को एक खास फैनबेस मिला, जहां लोग इसकी भावनात्मक कहानी और सुरीले संगीत से गहराई से जुड़ गए।

फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण, फैंस ने इसकी दोबारा रिलीज की मांग की, क्योंकि उन्हें लगा कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक और मौका पाने के लायक है। सनम तेरी कसम की फिर से रिलीज ने पूरे भारत में धूम मचा दी, यह साबित करते हुए कि फैंस की ताकत किसी भी फिल्म को रातो- रात सुपरहिट करा सकती है। कई महीनों से फैंस फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे को मैसेज कर रहे थे और इस पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा को दोबारा रिलीज करने की मांग कर रहे थे। जिस वजह से 23 जनवरी 2025 को राणे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और फैंस से कहा कि वे प्रोड्यूसर्स को टैग करें और अपनी बात जोर से रखें। इसका नतीजा जबरदस्त रहा। राणे की पोस्ट पर 40,000 से ज्यादा कमेंट्स आए, जिसमें फैंस ने फिल्म को दोबारा रिलीज करने पर जोर दिया। फैंस की इतनी बड़ी मांग देखकर प्रोड्यूसर्स को यकीन हो गया और उन्होंने सनम तेरी कसम को फिर से बड़े पर्दे पर लाने का फैसला किया। फिल्म के दोबारा रिलीज होते ही, यह बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप में बड़ा सुधार : युवा निवेशकों के लिए और भी आसान होगी रिटायरमेंट प्लानिंग

- ऐप पुराने और नए एनपीएस खाताधारक के लिए होगा उपलब्ध

- नया ऐप दोनों एंड्राइड और आईओएस उपभोक्ताओं को मिलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजिस लिमिटेड, (पूर्व में -एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर) नेशनल पेंशन स्कीम और अटल पेंशन योजना के खातों को संचालित करने वाली सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) ने अपने पेंशन मैनेजमेंट ऐप - 'एनपीएस बाय प्रोटीयन' को एक नया स्वरूप देते हुए इसमें कई नई विशेषताएं जोड़ी हैं, खास तौर पर आज की डिजिटली जागरूक नयी पीढ़ी के लिए जिसमें कई नए फीचर भी हैं। चाहे आप पहले से एनपीएस से जुड़े हैं या अपना रिटायरमेंट प्लानिंग का सफ़र एनपीएस के साथ अभी शुरू कर रहे हों, यह नया ऐप आपको एक स्थान पर सभी समाधान देगा। दोनों एंड्राइड और आईओएस ग्राहकों के लिए उपलब्ध उए नया आप बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देने के साथ ही इंट्युइटिव नेविगेशन और बेहतर सुरक्षा फीचर्स देगा।

आज की पीढ़ी के युवाओं के लिए खास तौर पर बनाया गया ये ऐप उनके लिए नया एनपीएस खाते बनाने, उसमें कॉन्ट्रिब्यूशन देने और उसका प्रबंधन करने की प्रक्रिया को पहले से कई गुना आसान बनाएगा। इस अवसर पर प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री सुरेश सेठी ने बताया कि, प्रोटीयन में हमारा लक्ष्य यही है कि हम समाज के सभी वर्गों को शामिल करते हुए उन्हें वित्तीय प्रबंधन की मुख्य धारा से जोड़ें। 2024-25 के बजट के माध्यम से सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि वह पेंशन स्कीम को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना चाहते हैं। नेशनल पेंशन सिस्टम और अटल पेंशन योजना की सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी होने के नाते हम इसे क्षेत्र में अपना विस्तार करने के एक सुनहरे अवसर के रूप में देखते हैं। हमारे ऐप का यह नया और बेहतर वर्जन एक ऐसे समय पर आया है जब भारत के युवा अपने निवेश को अलग-अलग क्षेत्रों में डायवर्सिफाय कर रहे हैं और अपना रिटायरमेंट भी जल्दी प्लान करना शुरू कर रहे हैं। यह नया ऐप ग्राहकों को अपनी नए युग की डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, गोल प्लानिंग और सरल लॉग इन के साथ-साथ कई नवीन सुविधाओं का एक सहज अनुभव प्रदान करेगा।

भारतीयों के लिए पेंशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभर रहा एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप का उद्देश्य है नेशनल पेंशन सिस्टम में लोगों की भागीदारिता को बढ़ावा देना, और इसके प्रबंधन को आसान बनाना।

इंदौर में 32वां अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2025

दृष्टिकोण और नवाचार

इंदौर, एजेंसी। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 32वें अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन 2025 का सफल उद्घाटन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में किया, जिसमें 3,000 से अधिक उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, नीति निर्धारक, अर्थशास्त्री और अकादमिक एवं छात्र एकत्र हुए, और व्यापार के विकास, वित्तीय उन्नति, नेतृत्व रणनीतियों और भारत की वैश्विक आकांक्षाओं पर परिवर्तनकारी चर्चाएँ कीं।इस वर्ष का थीम उद्यामेना ही सिद्ध्यंती (स्ट्राइव, ड्राइव और थ्राइव) था, जिसे डॉ. संदीप आत्रे ने स्पष्ट रूप से समझाया, जिसमें उन्होंने आज के गतिशील व्यापारिक वातावरण में प्रयास और उपलब्धि की महत्ता पर जोर दिया। सम्मेलन की शुरुआत एक आध्यात्मिक और शास्त्रीय छाप के साथ हुई, जिसमें सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन हुआ। आईआईएम इंदौर के निदेशक और इंदौर प्रबंधन संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु राय ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के उज्जवल भविष्य की बात की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उच्च कुशल कार्यबल द्वारा संचालित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि अस्थिरता, अप्रत्याशितता, गैर-रेखीयता और अप्रत्यक्षता , लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता में कठिन कार्य की महत्ता पर जोर दिया। भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत कुशल श्रम में दुनिया का नेतृत्व करेगा। एआई और बायोटेक भारत की सुपर-एडवांस्ड स्वास्थ्य सेवा को चलाएंगे। भारत एक वैश्विक आईटी महाशक्ति बनेगा।

डीएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में लगी आग मदर एंड चाइल्ड विभाग में मौजूद मरीजों में मची अफरातफरी

दरभंगा। मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल यानी DMCH में रविवार को आग लग गई। आग लगने के बाद अस्पताल में मौजूद मरीजों में अफरातफरी मच गई। मरीजों को एक वीडियो में अस्पताल से तेजी से निकलते देखा जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम जानकारी के करीब एक से डेढ़ घंटे तक मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान अस्पताल कर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि आग डीएमसीएच के मदर एंड चाइल्ड विभाग के इमरजेंसी वार्ड में लगी

थी। आग लगने के कारण गायनिक विभाग इलाजरत मरीजों को लेकर परिजन सुरक्षित स्थानों पर भागने की कोशिश में जुट गए। अस्पताल कर्मियों के मुताबिक, गायनिक विभाग के लेबर रूम के बगल वाले रूम में एक फ्रीज में शार्ट सर्किट से काफी तेज धुआं निकलता देखकर मरीजों ने इसकी जानकारी अस्पताल प्रशासन को दी। जानकारी के बाद अस्पताल प्रशासन ने अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी। इसके साथ ही अस्पताल में मौजूद कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए। आखिरकार एक से डेढ़ घंटे बाद अस्पताल कर्मियों ने मरीजों के परिजनों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया। गायनिक विभाग में एक फ्रीज में वैक्सीन रखा हुआ था, जिसमें आग लगने के कारण पूरे भवन परिसर में धुआं फैल गया। ड्यूटी पर तैनात सिस्टर इंचार्ज के मौजूद नहीं रहने कारण वार्ड का ताला तोड़ा गया। आग लगने के दौरान विभाग में लगाया गया अग्निशमन यंत्र से काबू पाने की कोशिश की गई, लेकिन अग्निशमन यंत्र काम नहीं कर रहा था। फिर फ्रीज का लाइन काटकर उसे पानी डालकर बुझाया गया। हालांकि, तब तक फ्रीज में रखी सारी वैक्सीन जलकर बर्बाद हो चुकी थी। इस संबंध डीएमसीएच के ऑर्थो विभाग में तैनात स्वास्थ्य प्रबंधक संतोष कुमार ने बताया कि आग लगने की जानकारी उन्हें मरीज के परिजनों से मिली थी कि लेबर रुम के बगल से काफी तेज धुआं निकल रहा है, जब वे मौके पर पहुंचे तो जिस रूम में आ लगी थी,।

मेडिकल प्रैक्टिशनर की गोली मारकर हत्या

क्लीनिक बंद कर जा रहे थे घर, अपराधियों ने लाश को झाड़ी में फेंका

औरंगाबाद। में मेडिकल प्रैक्टिशनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रोहतास जिले के आमझोर थाना क्षेत्र निवासी रूपाहता निवासी अवधेश सिंह के बेटे 35 वर्षीय विकास कुमार के रूप में की गई। विकास गोगो गांव के पास प्राइवेट क्लीनिक चलाते थे। नबीनगर के बसन बिगहा मोड़ के पास 2 साल से किराए पर रह रहे थे। जेब से मिले कागजात से पहचान की गई और परिजन को सूचित किया गया। शुक्रवार की रात विकास क्लीनिक बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान

अपराधियों ने उन्हें सीने में गोली मार दी। लाश को नबीनगर कोइरीडीह पथ स्थित केवला फाटक के पास झाड़ी में फेंक दिया। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल और बाइक बरामद की गई है। लोग आशंका जता रहे हैं कि अपराधियों ने अपहरण कर कहीं दूसरे स्थान पर ले गए और हत्या के बाद शव को फेंक दिया। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं घटना के बाद सदर एसडीपीओ -1 संजय कुमार पांडेय भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए। उन्होंने बताया कि साक्ष्य संकलन के लिए घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। एसपी के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी टीम ने वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान शुरू कर दी गई है। फिलहाल घटना के कारण का पता नहीं चल सका है। जल्द ही हत्याकांड मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि मृतक के भाई मोहित उर्फ मनीष के लिखित आवेदन पर थाने में प्राथमिक की दर्ज की गई है। मामले में उचित कार्रवाई की जा रही है। हत्या के कारण का पता लगाया जा रहा मृतक के चाचा नागेश जय सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से सवा बीघा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधुवा के रहने वाले चचेरे भांजा ने रुपहता गांव स्थित सवा बीघा जमीन किसी दूसरे व्यक्ति से बेच दिया था।

उदित नारायण की दूसरी शादी

बिहार। बॉलीवुड के मशहूर गायक उदित नारायण के खिलाफ मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज की गई है। मानवाधिकार अधिवक्ता एसके झा ने राष्ट्रीय और बिहार मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की हैं। मामला उदित

नारायण की पहली पत्नी रंजना झा से जुड़ा है। गायक ने 1984 में रंजना झा से शादी की थी। उस समय वे बिहार में रहते थे और इतने मशहूर नहीं थे। मुंबई जाकर सफलता मिलने के बाद उन्होंने नेपाली गायिका दीपा गहतराज से दूसरी शादी कर ली। अधिवक्ता एसके झा के अनुसार, हिंदू विवाह अधिनियम के तहत पहली पत्नी को तलाक दिए बिना दूसरी शादी करना गैरकानूनी है। ऐसी स्थिति में उदित नारायण की दूसरी शादी को अमान्य माना जाना चाहिए।

मखाना की खेत में दिखे मंत्री शिवराज सिंह चौहान

पटना। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान दरभंगा में किसानों के साथ मखाना की खेत में नजर आए। इस दौरान उनके साथ बिहार के उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी मौजूद हैं। जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा रहा है कि शिवराज सिंह चौहान और सम्राट चौधरी मखाना का पौधा लगा रहे हैं। इस दौरान दोनों नेता कुर्ता-धोती पहने हुए नजर आ रहे हैं। वहां मौजूद कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी और भारत माता की जय के नारे लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, रविवार को दरभंगा स्थित राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र पर प्रस्तावित कार्यक्रम सह किसान सेमिनार की कृषि विभाग एवं मखाना अनुसंधान केंद्र के अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया। दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। सांसद डॉ ठाकुर ने अधिकारियों से कहा कि केंद्रीय बजट में मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान तथा उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी जी का पहला कार्यक्रम अनुसंधान केंद्र पर होने जा रहा है इसलिए इसकी सफलता की गूंज देश स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है।

विज्ञान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता दिखाया हुनर

पटना। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर उपस्थित लोग। एजुकेशन रिपोर्टरदरभंगा मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वनस्पति विभाग में शनिवार को भाषण प्रतियोगिता हुई। यह आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में विभागीय सभागार में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सविता वर्मा ने की। विज्ञान संकाय के सभी विभागों के छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया। वनस्पति विभाग से चार, रसायन विभाग से पाँच और जंतु विज्ञान विभाग से तीन विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। निर्णायक मंडल में प्रो. विद्यानाथ झा और प्रो. संजय कुमार चौधरी शामिल रहे। इस मौके पर विभागीय शिक्षक डॉ. गजेंद्र प्रसाद, डॉ. ख्वाजा सलाउद्दीन और डॉ. अंकित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। विजेताओं के नाम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. दिलीप चौधरी घोषित करेंगे।

अपर्णा कॉम्प्लेक्स में लगी आग

पटना। के कदमकुआं इलाके में देर रात बुद्ध मूर्ति के पास अपर्णा कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। आग बुझाने के दौरान दम घुटने से एक कारीगर की मौत हो गई। आग की चपेट में आने से आसपास कई दुकानें भी जलकर राख हो गई। ओवरलोड ट्रक के गुजरने के दौरान बिजली के तार टूटने से यह हादसा हुआ है।

साइबर सुरक्षा थीम पर बिहार पुलिस सप्ताह का शुभारंभ

बिहार। साइबर सुरक्षा थीम पर पूरे राज्य में 'बिहार पुलिस सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। जो 27 फरवरी तक चलेगा। पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर डीजीपी समेत पुलिस के बड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्य सचिव ने बिहार पुलिस में हुए बदलाव की चर्चा की। अमृत लाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि पटना में सबसे पहले सरदार पटेल भवन को भूकंप रोधी बनाया गया था। 2005 में हमारे बिहार में कुल

40 से 45 हजार फोर्स थी। पुलिस के पास सिर्फ 1000 गाड़ियां थी। आज की स्थिति काफी अलग है। अभी बिहार पुलिस के 2.29 लाख पद सृजित हैं। मौजूदा समय पुलिस के पास 11,000 गाड़ियां हैं। उद्घाटन समारोह में स्पेशल सेशन की शुरूआत गृह मंत्रालय के विशेष सचिव प्रवीण वशिष्ठ के संबोधन से हुआ। फिर एनसीआईआईपीसी(नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर) के डीजी नवीन कुमार सिंह का संबोधन हुआ। इसके बाद आई4सी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी राजेश कुमार और साइबर एक्सपर्ट ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। 27 फरवरी को होगा समापन समारोह के दौरान 22 और 24 फरवरी को साइबर सुरक्षा पर विशेष सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। पांच दिवसीय आयोजन के दौरान नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान समेत अन्य कार्यक्रम होंगे। 25 फरवरी को पुलिसकर्मी रक्तदान शिविर लगाएंगे। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आई4सी (इंटीग्रेटेड साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर) के प्रमुख और साइबर एक्सपर्ट भी मौजूद रहेंगे।

महाकुंभ से लौट रहे 3 श्रद्धालुओं की मौत 4 जख्मी: कैमूर के एनएच-19 पर सड़क हादसा

खड़े कंटेनर से टकराई स्कॉर्पियो

कैमूर। में एक सड़क हादसा हुआ है। महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की स्कॉर्पियो खड़े कंटेनर से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार सुबह 5:30 बजे कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली के पास हुई। मृतकों में लखीसराय के एटा गांव निवासी नारायण मंडल की पत्नी मीरा देवी (50) शामिल हैं। दो अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायलों में धनबाद के सीकरी गांव निवासी सुभाष कुमार की पत्नी सूची देवी (55), स्कॉर्पियो चालक जमुई निवासी मोहम्मद कौशल (52), धनबाद के सीकरी गांव के रंजीत पासवान की पत्नी सुधा देवी (35) और लखीसराय के एटा गांव निवासी नारायण मंडल की बेटी सोनी कुमारी (22) शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कुदरा पुलिस और एनएचएआई को दी। घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा ले जाया गया। बाद में सभी को सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया। कुदरा थाने के पीटीसी गुप्तेश्वर कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि चिलबिली में हादसा हुआ है। कुंभ से नहाकर वापस लौट रहे थे सभी कंटेनर सड़क पर खड़ी थी और तेज रफ्तार गाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी है। सभी कुंभ से नहाकर वापस लौट रहे थे। गाड़ी में 7 लोग सवार थे। हम पहुंचे तो देखा कि एक आदमी गाड़ी में फंसा हुआ था। एक लड़का चोट लगने के कारण गाड़ी के शीशा से बाहर फेंका गया था। उसकी भी मौत हो गई है। एक साइड में बैठे हुए आदमी की भी मौत हो गई है। 3 की मौत हुई है। 4 जखमी है। उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

संक्षिप्त डायरी

घर में डकैती, सोने-चांदी के जेवरात और नगद ले गए

दरभंगा। जिला के केवटी थाना क्षेत्र के छतवन गांव में शुक्रवार की रात एक घर में डकैती हुई। करीब डेढ़ दर्जन डकैत बाउंड्री फांदकर टेलर फजलुर रहमान के आंगन में घुसे। ग्रिल तोड़कर मकान में प्रवेश करने के बाद बुजुर्ग फजलुर रहमान को गन प्वाइंट पर लेकर दूसरा ग्रिल घर के दूसरे सदस्य से खुलवाया। फिर डकैती की। नगद राशि वाली पेटी की चाबी नहीं देने पर एक महिला के साथ मारपीट भी की। धमकाते हुए एक छोटे बच्चे को अपने साथ ले जाने की बात कही। तब महिला ने चाबी दे दी। परिजनों ने बताया कि 10 भर सोना, 20 भर चांदी के जेवरात और 42 हजार रुपया लेकर डकैत फरार हो गए। आवेदन मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी फजलुर के 4 बेटे हैं। जिसमें 3 पुणे और 1 विदेश में रहकर नौकरी करता है। घटना के समय घर में परिवार के कुल 8 लोग मौजूद थे। घटना की सूचना पर केवटी थानाध्यक्ष राहुल कुमार दलबल के साथ पहुंचे। बाद में वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी, कमतौल एसडीपीओ ज्योति कुमारी भी घटना स्थल पर पहुंचे। स्थिति का जायजा लिया। परिजनों से पूछताछ की। घटना के साक्ष्य जुटाने एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वायड भी पहुंची लेकिन किसी निष्कर्ष तक नही पहुंच सकी। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि आवेदन अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होते ही कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी के भागलपुर दौरे से पहले सुरक्षा कड़ी

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को भागलपुर आ रहे हैं। उनके दौरे को देखते हुए समस्तीपुर में भी पुलिस एक्टिव है। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एनएच-28 के किनारे स्थित सभी होटलों में छापेमारी की जा रही है। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र में स्थित होटलों की जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला है। थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। गतिविधियों पर निगरानी के लिए जारी है निर्देश पुलिस को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि होटलों में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति, किसी आपराधिक गतिविधि या असंवैधानिक वस्तुओं पर विशेष नजर रखी जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने का आदेश है। एनएच-28 के आसपास के सभी थाना क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस लगातार होटलों की निगरानी कर रही है और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

समस्तीपुर में अप्रैल तक 731 होम गार्ड जवान होंगे बहाल

बिहार। में होमगार्ड जवानों की बड़े पैमाने पर भर्ती होने जा रही है। समस्तीपुर जिले में 731 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। जिला समादेष्टा बिहार गृह रक्षा वाहिनी मो. ऐहतशाम ने बताया कि मार्च के पहले सप्ताह में रोस्टर का प्रकाशन किया जाएगा। समस्तीपुर में होमगार्ड के कुल 1855 पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में केवल 529 जवान कार्यरत हैं। करीब 1300 पद खाली हैं। इनमें से 731 पदों पर अप्रैल के अंत तक भर्ती पूरी करने का लक्ष्य है। शारीरिक परीक्षा के लिए जिला प्रशासन से विचार-विमर्श कर स्थल का चयन किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया केंद्रीय चयन पर्षद के माध्यम से होगीवर्तमान में कार्यरत होमगार्ड जवानों की ड्यूटी रोटेशन के आधार पर लगाई जाती है। नई भर्ती से जिले में होमगार्ड की कमी दूर होगी और कार्य व्यवस्था बेहतर होगी।

एंबुलेंस नहीं आई, घायल को ठेले से ले गए अस्पताल

औरंगाबाद। में एंबुलेंस नहीं मिली तो मरीज को ठेले पर लादकर इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। मरीज सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। काम की तलाश में घायल देव प्रखंड के बहलोला गांव निवासी लाल चौहान जिला मुख्यालय आएं हुए थे। उन्हें काम नहीं मिला तो वे घर लौट रहे थे। बस पकड़ने के लिए वे पैदल आगे बढ़ रहे थे। इसी बीच किसी अज्ञात वाहन ने रौंद डाला। घटनास्थल पर वे काफी देर तक तड़पते रहे। लोगों ने एंबुलेंस बुलाने की काफी कोशिश की पर सुविधा नहीं मिली। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल को ठेले पर लादकर अस्पताल भेजवाया। समय पर उपचार नहीं मिलता तो जान जा सकती थी जिस जगह पर हादसा हुआ उस जगह से कुछ ही दूरी पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। एक किमी दूर सदर अस्पताल भी है। थोड़ी दूर पर नगर थाना है। ऐसी स्थिति में घायल की मदद के लिए न तो एंबुलेंस पहुंची और न ही पुलिस की टीम। घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले ठेला चालक ने बताया कि अदरी नदी पुल के पास घायल अवस्था में बेहोश पड़ा हुआ था।

साल में सिर्फ एक बार खिलने वाला ये फूल बदल सकता है आपकी किस्मत

हिंदू धर्म में कई पेड़-पौधे पवित्र और पूजनीय माने जाते हैं. ऐसे पौधों में तुलसी, केला, एलोवेरा आदि शामिल हैं. हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि एलोवेरा का भी फूल भी होता है और ज्योतिष शास्त्र में एलोवेरा के पौधे और उसके फूल का बहुत महत्व है. आपको बता दें कि एलोवेरा के फूलों का खिलना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है.

एलोवेरा के फूल केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही खिलते हैं. यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में एलोवेरा के फूल खिले, तो इसे ऐसे स्थान पर उगाएं जहां पर्याप्त धूप मिले. इन पौधों और फूलों को सूर्य की रोशनी की बहुत आवश्यकता होती है. इसलिए इसे छायादार स्थानों पर नहीं रखना चाहिए. एलोवेरा के पौधे घर के अंदर भी उगाए जा सकते हैं. लेकिन, इनके घर के अंदर उगने वाले एलोवेरा में फूलों की तरह खिलने की संभावना नहीं होती है.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार एलोवेरा के पौधे और उसके फूलों में भी कई गुण होते हैं. स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ आध्यात्मिक लाभ भी इससे मिलता है. आध्यात्मिक दृष्टि से ये फूल बहुत महत्वपूर्ण हैं. यदि एलोवेरा का पौधा नारंगी या लाल फूलों के साथ खिलता है तो इसे शुभ संकेत माना जाता है.

एलोवेरा के पौधों के कई स्वास्थ्य लाभ हैं. ये त्वचा और बालों के लिए अच्छे हैं. एलोवेरा जेल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है. इसका उपयोग मधुमेह और पाचन समस्याओं सहित कई बीमारियों के इलाज के लिए दवा के रूप में किया जाता है. एलोवेरा के फूलों का उपयोग हर्बल चाय बनाने के लिए किया जाता है.

एलोवेरा जेल अपने अनेक गुणों के लिए प्रसिद्ध है. एलोवेरा को कई घरों में पारंपरिक औषधि माना जाता है और इससे संबंधित नुस्खे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक साझा किए जाते हैं. इसमें कोई संदेह नहीं है कि एलोवेरा जेल विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो एक उपचार एजेंट के रूप में कार्य करता है. इसके अतिरिक्त, एलोवेरा जेल में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे हाइड्रेटर बनाती है.

ज्योतिषाचार्य राहुल डे का कहना है कि एलोवेरा के फूल में धन को आकर्षित करने की क्षमता होती है. इससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है. परिवार के सदस्य प्रेम से भरे हुए हैं. जिनके घर में एलोवेरा का फूल उगता है उनकी आर्थिक समस्याएं दूर हो जाती हैं. क्योंकि इस फूल में धन को आकर्षित करने की प्रबल क्षमता होती है.

बता दें, हर एलोवेरा का पौधा खिलता नहीं है. एलोवेरा के पौधे तभी खिलते हैं जब उनकी अच्छी देखभाल की जाती है. आर्थिक लाभ के लिए एलोवेरा के फूलों को लाल कपड़े में लपेटकर अपने पूजा घर या जहां भी आप पैसे रखते हैं वहां रख दें. इससे आपकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी.

इस साल महाशिवरात्रि पर 60 साल बाद बनने जा रहा है दुर्लभ संयोग

विज्ञान हजारों वर्षों से शिव के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है. जब भौतिकता का मोह समाप्त हो जाता है और ऐसी स्थिति आ जाती है कि इंद्रियां भी बेकार हो जाती हैं, उस स्थिति में शून्यता आकार ले लेती है और जब शून्यता भी अस्तित्वहीन हो जाती है तब वहां शिव प्रकट होते हैं. शिव शून्य से परे हैं, जब व्यक्ति भौतिक जीवन को त्यागकर सच्चे मन से ध्यान करता है तो शिव की प्राप्ति होती है. महाशिवरात्रि शिव के एक-आयामी और अलौकिक रूप को हर्षोल्लास के साथ मनाने का त्योहार है.

भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं बेहद प्रचलित

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक धार्मिक त्योहार है, जिसे हिंदू धर्म के प्रमुख देवता महादेव यानी भगवान शिव के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है. महाशिवरात्रि का त्योहार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है. इस दिन शिव भक्त और शिव में आस्था रखने वाले लोग व्रत रखते हैं और विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा करते हैं. महाशिवरात्रि को लेकर भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं बहुत ज्यादा प्रचलित हैं. माना जाता है कि इस खास दिन पर भगवान शंकर आधी रात को ब्रह्मा के रुद्र रूप में अवतरित हुए थे.

तांडव और विवाह से जुड़ी मान्यताएं

ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने तांडव कर अपनी तीसरी आंख खोली थी और इसी आंख की ज्वाला से ब्रह्मांड को नष्ट कर दिया था. इसके अलावा कई जगहों पर इस दिन को भगवान शिव के विवाह से भी जोड़ा जाता है और माना जाता है कि इस पावन दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था.

वैसे तो हर महीने में शिवरात्रि होती है, लेकिन फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को आने वाली इस शिवरात्रि का बहुत महत्व है, इसलिए इसे महाशिवरात्रि कहा जाता है. दरअसल महाशिवरात्रि भगवान भोलेनाथ की पूजा का पर्व है, जब धार्मिक लोग विधि-विधान से महादेव की पूजा करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. इस दिन शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं, जो शिव के दर्शन और पूजन कर खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं.

इस पवित्र वस्तुओं से करें भगवान शिव का अभिषेक

महाशिवरात्रि के दिन शिव की पूजा-अर्चना कर उनका विभिन्न पवित्र वस्तुओं से अभिषेक किया जाता है और बिल्वपत्र, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि चढ़ाए जाते हैं. भगवान शिव को भांग बहुत प्रिय है, इसलिए कई लोग उन्हें भांग भी चढ़ाते हैं. पूरे दिन व्रत और पूजा करने के बाद शाम को फलाहार किया जाता है. महाशिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा करने का सबसे बड़ा दिन माना जाता है. कहा जाता है कि अगर इस दिन भोले को प्रसन्न कर लिया जाए तो आपके सारे काम सफल होते हैं और सुख-समृद्धि आती है. भोले के भक्त शिवरात्रि के दिन कई तरह से भगवान शिव की पूजा करते हैं. शिव को प्रसन्न करने के लिए शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगती है, जो बेलपत्र और जल चढ़ाकर शिव का गुणगान करते हैं.

60 साल बाद महाशिवरात्रि बनने जा रहा है दुर्लभ संयोग

हर साल यह पर्व फाल्गुन माह में कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है. हिन्दू पंचांग के अनुसार, इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी को मनाई जाएगी. महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी, 2025 को सुबह 11:08 बजे से शुरू हो रही है और 27 फरवरी, 2025 को सुबह 08:54 बजे तक रहेगी. साल 2025 में महाशिवरात्रि के दिन एक दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है. इस दिन कुंभ राशि में तीन ग्रहों की युति होगी. दरअसल, इस दिन कुंभ राशि में सूर्य, बुध और शनि एक साथ रहेंगे. साल 1965 में महाशिवरात्रि के दिन ऐसा ही संयोग बना था. इसके साथ ही 60 साल पहले महाशिवरात्रि के दिन चंद्रमा मकर राशि में था, इस बार भी चंद्रमा मकर राशि में रहेगा. इस दुर्लभ संयोग पर महाशिवरात्रि का आना बेहद खास माना जा रहा है.

महाशिवरात्रि के पावन अवसर इस तरह भोलेनाथ की कृपा पा सकते हैं.

शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन ज्योतिषीय उपाय करने से आपकी सभी परेशानियां समाप्त हो सकती हैं. महाशिवरात्रि के दिन महादेव और पार्वती की पूजा शुभ मुहूर्त में ही करनी चाहिए, तभी इसका फल मिलता है. इस दिन का हर पल अत्यंत शुभ होता है. इस दिन व्रत रखने से अविवाहित लड़कियों को मनचाहा पति मिलता है और विवाहित महिलाओं का वैधव्य दोष भी नष्ट होता है.

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग की पूजा करने से कुंडली के नौ ग्रह दोष शांत होते हैं, खासकर चंद्रमा से होने वाले दोष जैसे मानसिक अशांति, माता के सुख और स्वास्थ्य में कमी, मित्रों से संबंध, मकान-वाहन के सुख में देरी, हृदय रोग, नेत्र विकार, चर्म-कुष्ठ रोग, सर्दी-खांसी, दमा रोग, खांसी-निमोनिया संबंधी रोग ठीक होते हैं और समाज में मान-सम्मान बढ़ता है.

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से व्यापार में उन्नति होती है और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती है. भांग चढ़ाने से घर में अशांति, भूत बाधा और चिंताएं दूर होती हैं. मंदार पुष्प से नेत्र और हृदय रोग दूर रहते हैं.

शिवलिंग पर धतूरे के पुष्प और फल चढ़ाने से औषधियों और विषैले जीवों का खतरा समाप्त होता है. शमीपत्र चढ़ाने से शनि की साढ़ेसाती, मारकेश और अशुभ ग्रह गोचर से हानि नहीं होती. इसलिए श्री महाशिवरात्रि के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करें और शिव कृपा से तीनों प्रकार के कष्टों से मुक्ति पाएं.

ऐसे करें भगवान शिव की पूजा

महाशिवरात्रि पूजा विधि: शिवपुराण के अनुसार, भक्त को सुबह उठकर स्नान करके संध्या के नित्य कर्म से निवृत्त होकर माथे पर भस्म का तिलक लगाना चाहिए और गले में रुद्राक्ष की माला पहननी चाहिए, शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए और शिव को नमस्कार करना चाहिए. इसके बाद इस प्रकार भक्ति भाव से व्रत का संकल्प लेना चाहिए.

हल्दी का तिलक: शिवरात्रि पर भक्त मंदिर में भगवान शिव को हल्दी से तिलक लगाते हैं. वैसे भी हल्दी का प्रयोग लगभग हर धार्मिक कार्य में किया जाता है. लेकिन भगवान शिव को हल्दी नहीं चढ़ाई जाती. इसका कारण यह है कि हल्दी स्त्री प्रसाधन है और शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पुरुषत्व का प्रतीक है.

लाल फूल: आपने देखा होगा कि शिवरात्रि पर मंदिरों के बाहर खूब फूल बिकते हैं. लेकिन क्या आपने गौर किया है कि इन फूलों में लाल फूल नहीं होते. ज्यादातर गेंदा ही दिखाई देता है. ऐसा इसलिए क्योंकि भगवान शिव को लाल फूल नहीं चढ़ाए जाते. कहा जाता है कि सफेद फूल चढ़ाने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं.

सिंदूर या कुमकुम: महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए सिंदूर या कुमकुम लगाती हैं. ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव को विघ्नहर्ता के रूप में जाना जाता है, इसलिए शिवलिंग पर सिंदूर या कुमकुम नहीं चढ़ाना चाहिए. इसके बजाय आप चंदन का इस्तेमाल कर सकते हैं. तांबे का लोटा: इस बार जब आप भगवान शिव को जल चढ़ाने जाएं तो तांबे या पीतल के लोटे का ही इस्तेमाल करें, स्टील या लोहे के लोटे का नहीं.

शंख बजाना शुभ: हिंदू धर्म में शंख को बहुत पवित्र माना जाता है. हर पूजा में इसे बजाना और इससे लोगों को जल देना बहुत शुभ माना जाता है. लेकिन ऐसा कहा जाता है कि शंख से शिवलिंग पर जल नहीं चढ़ाना चाहिए. ऐसा करना वर्जित माना जाता है.

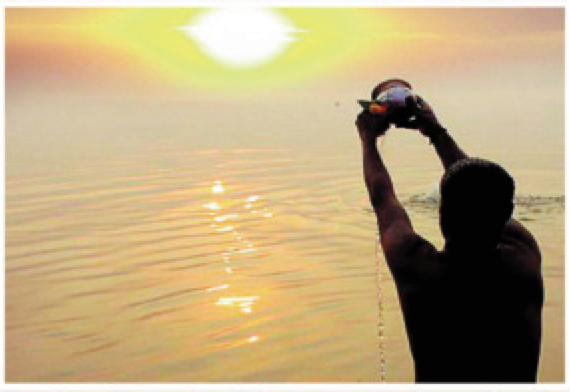

सूर्य को अर्घ्य देते समय जल में डालें ये चीज, सोने जैसा चमक उठेगा भाग्य, मिलेगी तरक्की!

सनातन धर्म में सूर्य देव को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। वे जीवन के ऊर्जा स्रोत हैं और उनकी आराधना का विशेष महत्व है. माना जाता है कि सूर्य देव की नियमित पूजा करने से व्यक्ति को तेज, यश और सफलता की प्राप्ति होती है. सूर्य को जल अर्पित करना एक प्राचीन और शक्तिशाली उपाय है, जो व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करता है.

लेकिन क्या आप जानते हैं कि सूर्य को जल देते समय यदि आप एक विशेष चीज को लोटे में डालकर अर्पित करें, तो आपका भाग्य सोने की तरह चमक उठेगा और आपको हर काम में तरक्की मिलेगी? आइए जानते हैं दिल्ली के मशहूर ज्योतिषाचार्य आशुतोष शर्मा से वो चमत्कारी चीज क्या है और इसे जल में डालने का सही तरीका क्या है

वो चमत्कारी चीज है: लाल चंदन

लाल चंदन को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है. यह सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है और इसे समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि लाल चंदन सूर्य देव को अत्यंत प्रिय है.

लाल चंदन डालकर सूर्य को जल अर्पित करने के फायदे

भाग्य में वृद्धि: लाल चंदन को जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से भाग्य चमक उठता है और दुर्भाग्य दूर होता है.

सफलता और तरक्की: यह उपाय आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाता है और आपके करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं.

मान-सम्मान में वृद्धि: लाल चंदन यश, कीर्ति और मान-सम्मान का प्रतीक है. इसे जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से समाज में आपका सम्मान बढ़ता है.

नकारात्मक ऊर्जा का नाश: लाल चंदन नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक होता है. इसे जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से आपके आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

आर्थिक समृद्धि: लाल चंदन धन और समृद्धि को आकर्षित करता है. इस उपाय को करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं.

सूर्य को जल अर्पित करने का सही तरीका

ब्रह्म मुहूर्त में उठें: सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें.

तांबे का लोटा लें: जल अर्पित करने के लिए तांबे का लोटा सबसे उत्तम माना जाता है.

जल में लाल चंदन मिलाएं: लोटे में शुद्ध जल भरें और उसमें चुटकी भर लाल चंदन पाउडर मिलाएं.

सूर्य की ओर मुख करें: पूर्व दिशा की ओर मुख करके सूर्य देव को प्रणाम करें.

जल अर्पित करें: लोटे से धीरे-धीरे जल अर्पित करें और 卐? सूर्याय नम:卐 मंत्र का जाप करें.

अर्पित करते समय ध्यान रखें: जल की धारा आपके पैरों पर न गिरे.

प्रार्थना करें: सूर्य देव से अपने जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की प्रार्थना करें.

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातें

इस उपाय को नियमित रूप से करें.

श्रद्धा और विश्वास के साथ जल अर्पित करें.

तामसिक भोजन और नकारात्मक विचारों से दूर रहें.

मंगलवार को जरूर करें ये 3 काम, जीवनभर बनी रहेगी हनुमानजी की कृपा

हिंदू धर्म में सप्ताह के सातों दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित हैं. मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की पूजा के लिए समर्पित है. कहा जाता है कि इस दिन जो व्यक्ति वज्रांगबली की पूजा करता है और उनका स्मरण करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. इससे सभी कष्टों और आर्थिक तंगी से भी राहत मिलती है.

यदि आप लगातार किसी न किसी समस्या में फंसे रहते हैं. अगर आप जिस काम को शुरू करने की सोच रहे हैं उसमें आपको नुकसान हो रहा है, तो आपको मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय जरूर करने की सलाह दी जाती है. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक ऐसा करने से आपकी समस्या दूर हो सकती है.

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को बहुत सख्त बताया गया है. यदि कुंडली में मंगल की स्थिति शुभ हो तो जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है और सुख-शांति और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है. लेकिन, यदि कुंडली में मंगल की स्थिति शुभ न हो तो जिंदगी में कई वजहों से समस्याएं आती रहती है. ऐसे में कुंडली में मंगल को मजबूत करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कुछ उपाय और युक्तियां बताई गई हैं. मंगलवार को सूर्यास्त के बाद एक इलायची, पांच लौंग और एक कपूर का टुकड़ा एक साथ लेकर इन्हें एक पात्र में रखकर जलाएं और पूरे घर में इसका धुंआ फैलाएं. पूरे घर में धुंआ फैलाते हुए %? हं हनुमते नम:% मंत्र का ग्यारह बार जाप जरूर करें. आप धुंआ दिखने के बाद भी इस मंत्र का जाप कर सकते हैं. इसके साथ ही आपके मन में जो भी इच्छा हो उसे व्यक्त करें. इसके बाद जली हुए राख को पानी में डालकर किसी भी गमले या फूल की कियारी में डाल दें. ऐसा लगातार तीन मंगलवार को करने से आपको बहुत अच्छे लाभ मिलेंगे.

बता दें, मंगलवार का दिन बजरंगबली की पूजा के लिए भी शुभ माना जाता है, अगर आपका प्रमोशन लंबे समय से रुका हुआ है या सैलरी नहीं बढ़ी है तो आप लड्डू दान करके भगवान हनुमान को प्रसन्न कर सकते हैं. मंगलवार के दिन हनुमान जी को प्रिय बेसन के लड्डू दान करने से आपके जीवन में अच्छे दिन आ सकते हैं. आप चाहें तो हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर उनके दर्शन कर सकते हैं.

बुमराह को भारत /पाकिस्तान मैच से पहले आईसीसी पुरस्कारों से किया गया सम्मानित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रविवार को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मैच शुरू होने से पहले आईसीसी के साल 2024 के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी शामिल है।

बुमराह पीठ में चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। बुमराह को इन दोनों पुरस्कारों के अलावा 2024 के लिए पुरुष टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए 'टीम कैप (टोपी)' भी सौंपी गई। आईसीसी ने इन चार पुरस्कारों में से प्रत्येक के साथ इस 31 साल के खिलाड़ी की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'जसप्रीत बुमराह को शानदार 2024 के लिए आईसीसी पुरस्कार और वर्ष की टीम कैप प्राप्त हुई।'

बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले रविवार को अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के अपने साथियों से भी मुलाकात की थी। बुमराह के लिए पिछला टेस्ट सत्र शानदार रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 71 विकेट लिए थे। साल 2024 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास इंग्लैंड के गस एटकिंसन का था। जिन्होंने 11 मैचों में 52 विकेट लिए थे। बुमराह ने 2024 में टेस्ट में 14.92 की औसत से विकेट चटकाये और साल का अंत 30.1 के स्ट्राइक रेट के साथ किया। वह इस दौरान कपिल देव, अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन के बाद एक कैलेंडर वर्ष में खेल के पारंपरिक प्रारूप में 70 या अधिक विकेट लेने वाले केवल चौथे भारतीय गेंदबाज बने।

इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल की शुरुआत में घरेलू श्रृंखला में उन्होंने पांच टेस्ट में 19 विकेट लिये जबकि साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने इतने ही टेस्ट मैचों में 32 सफलता हासिल की। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बुमराह टेस्ट में 200 विकेट के आंकड़े तक भी पहुंचे। लाल गेंद से अपने बेजोड़ प्रदर्शन के अलावा, बुमराह ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस वैश्विक प्रतियोगिता में 15 विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज बने।

अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड टूटा, कोहली सबसे अधिक कैच लपकने वाले भारतीय बने

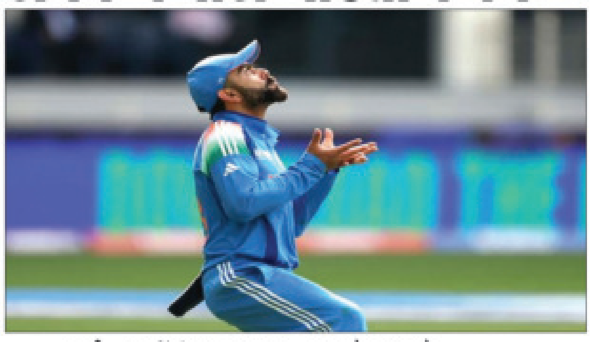

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए मैच में वनडे में सबसे अधिक कैच लेने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 46.4 ओवर में नसीम शाह का कैच लेकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड तोड़ा जो इससे पहले वनडे में सबसे ज्यादा कैच लपकने वाले भारतीय थे।

कोहली के वनडे में कुल 158 कैच हो गए हैं जो किसी भी भारतीय क्रिकेटर द्वारा लिए गए दो कैच अधिक हैं। अजहरुद्दीन 156 कैच के साथ लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। इस लिस्ट में तीसरा नम्बर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का है जिन्होंने वनडे में कुल 140 कैच लपके हैं। चौथे और पांचवें नम्बर पर राहुल द्रविड़ और सुरेश रैना आते हैं जिन्होंने क्रमशः 124 और 102 कैच लिए हैं।

भारत के लिए क्षेत्ररक्षक के रूप में सबसे अधिक कैच (वनडे)

158 विराट कोहली *
156 मोहम्मद अजहरुद्दीन
140 सचिन तेंदुलकर
124 राहुल द्रविड़
102 सुरेश रैना

केवल महेला जयवर्धने (218) और रिकी पोंटिंग (160) ने सभी टीमों में अधिक आउटफील्ड कैच लिए हैं।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सऊद शकील (62) के अर्धशतक के बाद खुशदिल शाह 38 रन की पारी की बदौलत 2 गेंदें रहते 10 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। कुलदीप ने तीन विकेट झटके जबकि हार्दिक पांड्या के नाम दो विकेट रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित का संन्यास लेना तय : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खेल को अलविदा कह सकते हैं। रोहित ने पहले ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। पिछले कुछ समय से वह एक भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर संन्यास लेना रहेगा। उनकी उम्र भी 37 वर्षीय हो गयी है। ऐसे में वह जानते हैं कि भविष्य की योजनाओं में वह शामिल नहीं रहेंगे। जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से भारतीय टीम पहले ही बाहर हो गयी है। अगला आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट साल 2027 में है और उसमें अभी ढाई साल साल का समय है तब तक रोहित 40 के करीब हो जाएंगे और उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं होगी। इसी को देखते हुए मांजरेकर ने कहा है कि रोहित के लिए चैंपियंस ट्रॉफी अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है।

वह पिछले एक दशक से टीम के सलामी बल्लेबाज रहे हैं पर अब अच्छा दौर समाप्त हो गया है। रोहित ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने के इरादे से हाल में घरेलू क्रिकेट भी खेला था पर इसके बाद भी उन्हें कोई लाभ होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में पूर्व दिग्गजों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनका अंतिम टूर्नामेंट रहेगा। आगे की राह उनके लिए आसान नहीं है। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित ने स्वयं बोर्ड को ये बात बता दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद नए कप्तान पर विचार कर करें। मांजरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि साल 2027 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप तक वह रहेंगे। ऐसी संभावना काफी कम है। मांजरेकर ने कहा कि रोहित को अपने दिमाग को खुला रखना चाहिये और ये नहीं सोचना चाहिए कि ये उनका आखिरी प्रदर्शन या कुछ और है। उन्हें इस टूर्नामेंट में बहुत अच्छी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिये।

भारतीय पुरूष टीम ने एफआईएच प्रो लीग में आयरलैंड को 4.0 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर अपना दबदबा कायम रखते हुए एफआईएच प्रो लीग में शनिवार को रिटर्न चरण के मैच में 4.0 से जीत दर्ज की। भारत की प्रो लीग में आयरलैंड पर यह लगातार दूसरी जीत है। पहले चरण में शुक्रवार को भारत ने 3.1 से जीत दर्ज की थी।

भारत के लिये नीलम संजीप सेस (14वां मिनट), मनदीप सिंह (24वां), अभिषेक (28वां) और शमशेर सिंह (34वां) ने गोल किये। आयरलैंड ने अच्छी शुरूआत करते हुए नौवे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन गोल नहीं हो सका।

नीलम ने 14वें मिनट में अमित रोहिदास के पास पर फील्ड गोल किया। उन्होंने दाहिने कॉर्नर से हवा में आती हुई गेंद लपकी और दो डिफेंडरों को छकाते हुए शॉट लगाया जो पोस्ट से टकरा गया लेकिन उन्होंने सही पोजिशन से रिबाउंड पर उसे गोल के भीतर डाला।

भारत को 17वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों बार आयरलैंड के गोलकीपर जैमी कार ने नीलम को कामयाबी नहीं मिलने दी। भारतीय टीम कप्तान और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के बिना खेल रही थी जिन्हें आराम दिया गया था। भारत को 24वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर मनदीप ने अमित रोहिदास की फ्लिक पर वैरिएशन पर गोल किया।

अभिषेक ने चार मिनट बाद भारत की बढ़त तिगुनी कर दी। मिडफील्ड में उन्होंने गेंद पर कब्जा किया और गेंद मनदीप को सौंपी जिनका शॉट कार ने बचा लिया। रिबाउंड पर गेंद रोहिदास के पास गई जिनका शॉट भी आयरिश गोलकीपर ने बचाया लेकिन अभिषेक ने सही जगह से गेंद को गोल के भीतर डाल दिया। शमशेर ने 34वें मिनट में चौथा गोल किया। भारत ने 58वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर गंवाया लेकिन फिर शानदार बचाव भी किया। अब भारतीय टीम 24 फरवरी को इंग्लैंड से खेलेगी।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

मुंबई । पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है। सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल की, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

हेनरी, गौड़ ने यूपी वारियर्स को सत्र की पहली जीत दिलाई, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरू । चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19.3 ओवर में 144 रन ही बना सके। 21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (पांच) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे। वेस्टइंडीज की दाहिने हाथ की बल्लेबाज हेनरी ने अरुंधति रेड्डी को 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने गुजरात जाइंट्स की सोफिया डंकली के रिकॉर्ड की बराबरी की जिन्होंने 2023 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ यह कारनामा किया था। आठवें नंबर पर उतरी हेनरी की इस पारी के दम पर यूपी ने दमदार स्कोर बनाया जबकि उसके विशेषज्ञ बल्लेबाज कुछ कर पाने में नाकाम रहे थे। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की ताजा पिच पर दिल्ली के गेंदबाजों ने यूपी के छह विकेट 89 रन पर निकाल दिये थे। यूपी के लिये किरण नवगिरे ने 20 गेंद में 17 रन बनाये। इससे पहले मरियाने काप ने वृंदा दिनेश (चार) को सस्ते में आउट किया।

रूस की किशोरी मीरा एंड्रीवा ने दुबई ओपन का खिताब जीता

दुबई। रूस की 17 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में क्लारा टौसन को 7-6 (1), 6-1 से हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। इस जीत से एंड्रीवा का अगले सप्ताह विश्व रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। वह 2007 में निकोल वैदिसोवा के बाद ऐसा हासिल करने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन जाएगी। एंड्रीवा ने दुबई चैंपियनशिप में शुरू से लेकर आखिर तक शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल तक के अपने सफ़र में 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना को हराया।

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिले: जो रूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है।

रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है। उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची। उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता। आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं। रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते। हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा। रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

फीडे महिला ग्रां प्री राउंड 5 में सभी मुकाबले ड्रॉ, जीती बाजी हम्पी के हाथ से निकली

मोनाको । फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के पांचवें दौर में सभी पांच मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन इसका मतलब यह नही है कि खेल में कोई रोमांच नही था। खिलाड़ियों ने कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन परिणाम ड्रॉ पर खत्म हुए । अब जब एक दिन के विश्राम के बाद छठा राउंड , और भी ज्यादा संघर्षपूर्ण होने की उम्मीद है।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन: हरिका द्रोणावल्ली ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना के खिलाफ रुई लोपेज़ बर्लिन डिफेंस खेला। हालांकि यह ओपनिंग अपनी मजबूत संरचना के लिए जानी जाती है, लेकिन खेल में गहरी रणनीतिक लड़ाई देखने को मिली। हरिका ने कुछ गलतियाँ की, जिससे गोरयाचकिना को बढ़त मिल गई थी, लेकिन उनकी हाथी की एक गलत चाल के बाद वह निर्णायक बढ़त नहीं बना सकी। अंततः खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी का मुकाबला चीन की झोंगयी तान से हुआ, जहां उन्होंने नियो-कैटलन डिफेंस अपनाया। खेल के मध्य में हंपी के पास बढ़त बनाने का मौका था, लेकिन 27वीं चाल मे प्यादे की जगह घोड़े को खेलने से उनका आक्रमण कमजोर पड़ गया। इसके बाद खेल बराबर की स्थिति में चला गया और अंततः अंक बांटने पड़े। पांचवें दौर के अन्य परिणामों में जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ ने कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा से, मंगोलिया की बटखुयाग मंगुन्तूल नें रूस की कटेरिना लागनो से स्विट्ज़रलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक नें स्पेन की सरासादात खादेमालशरीह से ड्रॉ खेला और फिलहाल 5 राउंड के बाद रूस की पांचवें कटेरिना लागनो 3.5 अंकों के साथ एकल बढ़त पर बनी हुई हैं, जबकि हंपी कोनेरू, सरासादात खादेमालशरीह और बटखुयाग मंगुन्तूल 3 अंकों के साथ उनके निकट बने हुए हैं।

कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बने आंद्रे रुबलेव

दोहा। आंद्रे रुबलेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता का अच्छा नमूना पेश करते हुए जैक ड्रेपर को तीन सेट तक चले फाइनल मुकाबले में 7-5, 5-7, 6-1 से हराकर दूसरी बार कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। रुबलेव ने तीन दिन में तीसरी बार तीन सेट में जीत हासिल की। रूस के इस खिलाड़ी ने इससे पहले अपने पिछले दो मैचों में एलेक्स डी मिनौर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ भी दूसरा सेट गंवा दिया था। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, ''मैं मानसिक रूप से वास्तव में मजबूत बना रहा और मैंने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।'' रुबलेव ने इससे पहले 2020 में कतर ओपन का खिताब जीता था। यह पहला टूर्नामेंट है जिसमें वह दूसरी बार चैंपियन बने हैं।

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिए: सरफराज अहमद

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिए। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था।

सरफराज ने कहा, 'लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। विराट कोहली ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस तरह का प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता।'

पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक भारत को अपनी टीमें 'उनके आसपास' बनानी चाहिए। सरफराज ने कहा, 'उन्हें खेलने दें और उन्हें तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी 20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।'

सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर आजम को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में हालांकि महज 23 रन पर आउट हो गए। उन्होंने कहा, 'बाबर आजम एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर आजम भारत के लिए विराट कोहली की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं।'

उन्होंने कहा, 'उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का होना चाहिए। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिये। सरफराज ने कहा कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए थी। उन्हें पाकिस्तान के लोगों से काफी प्यार और सम्मान मिलता। उन्होंने कहा, 'मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा। वे भारतीय टीम को पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। पाकिस्तान के लोग भारत और उनके क्रिकेटरों से बहुत प्यार करते हैं और वे उनका बहुत सम्मान करते हैं।'

फीडे महिला ग्रां प्री : कटेरिना लागनो की शानदार जीत बनाई एकल बढ़त

मोनाको । फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के चौथे दौर में रूस की कटेरिना लागनो ने धमाकेदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में एकल बढ़त हासिल कर ली है । इस दौर में चार मुकाबले ड्रॉ रहे, जबकि इस दौर की एकमात्र निर्णायक बाजी रूस की कटेरिना लागनो और जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ के बीच हुई। लागनो ने क्वींस गैम्बिट डिक्लाइंड ओपेनिंग में एक नयी चाल चली, जिससे खेल में शुरुआती बढ़त मिली। खेल के मध्य में एक प्यादे के बलिदान ने काले की रक्षात्मक रणनीति को कमजोर कर दिया इसके बाद पैहत्ज़ को लगातार समय संकट का सामना करना पड़ा और 27वीं चाल के बाद उन्होंने निर्णायक गलती कर दी, जिसके बाद लागनो ने खेल जीतकर टूर्नामेंट में शीर्ष पर पहुंच गईं। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और स्विट्ज़रलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक के बीच हुआ मुकाबला सेमी-स्लाव ओपनिंग के साथ शुरू हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने बेहद सटीक खेल दिखाया, जिसमें हंपी ने शुरुआती बढ़त बनाई और 9वीं चाल तक उनके पास 20 मिनट का समय लाभ था। हालांकि, स्थिति संतुलित होने के बाद खेल ड्रॉ की ओर बढ़ गया। इसे ड्रॉ के साथ हम्पी अब 2.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है ।

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के लिए 75 जिलों में चलेंगी 24 घंटे बसें

–यूपी से सटे 8 राज्यों की सीमाओं से भी होगा बसों का संचालन

प्रयागराज (एजेंसी)। महाशिवरात्रि की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के सभी 75 जिलों से रोडवेज बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। यह बसें 24 घंटे चलेंगी। शनिवार को रात नौ बजे तक करीब 2200 बसें चलाई गई। यूपी रोडवेज के सहारनपुर, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, गाजियाबाद, बरेली परिक्षेत्र के लिए शनिवार को बसों की संख्या बढ़ा दी गई। शनिवार को भीड़ को देखते हुए वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, देवीपाटन परिक्षेत्र के लिए सर्वाधिक बसें चलाई गई। यात्री प्रदेश के किसी भी हिस्से से आए उन्हें रोडवेज बसें प्रयागराज पहुंचाएंगी। इस बार महाशिवरात्रि पर रोडवेज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाली श्रद्धालुओं के लिए झूंसी से सबसे ज्यादा बसों के संचालन की व्यवस्था की है। इसके अलावा यहां बसों को रिजर्व भी किया जा रहा है। बनारस-गोरखपुर की ओर की बसों का संचालन झूंसी से होगा। लखनऊ के लिए बेला कछार से कानपुर के लिए नेहरू पार्क और मीरजापुर-बांदा आदि के लिए लेप्रोसी में बसें 24 घंटे चलेंगी। यूपी के सभी जिले के अलावा यूपी से सटे आठ राज्यों की सीमाओं से भी बसों का संचालन किया जाएगा।

जैसे ही भीड़ बढ़ेगी आरक्षित बसों को भी मैदान में उतार दिया जाएगा। शनिवार को दिन भर रोडवेज अधिकारी अपनी तैयारियों का जायजा लेते रहे। महाशिवरात्रि के लिए रोडवेज की नौ पार्किंग शहर के बाहर बनाई गई हैं। इसमें तीन पार्किंग यथा बेला कछार प्रथम, द्वितीय व रिजर्व के नाम से रखी गई हैं। नेहरू पार्क बस स्टेशन, झूंसी, दुर्जनपुर, सरस्वती द्वार, लेप्रोसी व सरस्वती हाईटेक सिटी पार्किंग बनाई गई है।

शटल बसों का संचालन प्रत्येक दो मिनट में होगा। इसमें वाराणसी मार्ग पर हबूसा मोड से अंदावा, जौनपुर मार्ग पर फूलपुर से अंदावा व मीरजापुर मार्ग पर सरस्वती हाईटेक सिटी से लेप्रोसी के लिए बस मिलेगी। मीरजापुर मार्ग पर सरस्वती हाईटेक सिटी से पूर्वी सरस्वती हाईटेक पश्चिमी के लिए, चित्रकूट मार्ग पर धनुहा ग्राम से लेप्रोसी व गोहनिया से लेप्रोसी, रीवा मार्ग पर चाकघाट से लेप्रोसी, बेला कछार से भारत स्काउट गाइड के लिए शटल बस मिलेगी।

अयोध्या मार्ग पर शिवगढ़ से भारत स्काउट गाइड, लखनऊ मार्ग पर नवाबगंज से भारत स्काउट गाइड, नेहरू पार्क से कानपुर मार्ग पर पूरामुफ्ती से हिंदू हास्टल के लिए शटल बसों का संचालन किया जाएगा। झूंसी, सरस्वती गेट, नेहरू पार्क, बेला कछार, सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी, लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन से रोडवेज बसें यात्रियों को संबंधित रूट के लिए मिलेंगी।

विदेश मंत्री जयशंकर 50 देशों के डेलिगेट्स के साथ पहुंचे काशी, छात्रों से करेंगे संवाद

वाराणसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर वाराणसी पहुंचे जहां से वह 50 देशों के डेलिगेट्स के साथ बनारस आए हैं। काशी में वह आईआईटी बीएचयू में भावी इंजीनियरों के साथ संवाद करेंगे। इसके पहले जयशंकर ने काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में हिस्सा लिया। इससे पहले जयशंकर का एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्वागत किया। यहां से विदेश मंत्री का काफिला बीएचयू रवाना हुआ। जहां वह काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में डेलिगेट्स के साथ पहुंचे। जयशंकर 200 आईआईटीयंस से मुलाकात करेंगे और विश्व बंधु विषय पर अपने विचार को साझा करेंगे।

आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भी देखेंगे। इसके साथ ही संकाय सदस्य, शोधकर्ताओं से बातचीत कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति पर चर्चा भी करेंगे। बता दें संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना है। इसके साथ ही विदेश नीति की बारीकियां से उनको अवगत कराना और नए शोध को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्री का वाराणसी दौरा आईआईटी बीएचयू के छात्रों के लिए एक अहम माना जा रहा है, जहां वह विदेश नीति, कूटनीति और वैश्विक चुनौतियों पर अपने जिज्ञासाओं को विदेश मंत्री के साथ साझा करेंगे।

पुलिस ने सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में ग्राम स्वयंसेवकों को गिरफ्तार करने पर सुरक्षा बलों को धमकी देने वाला वीडियो बनाने के आरोप में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि मोइरांगथेम थोइबा (39) को विष्णुपुर जिले के थमनापोकपी से गिरफ्तार किया जबकि सैखोम लेम्बुर्स सिंह को इंफाल पूर्व जिले से पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि लेम्सुर्स सिंह जबरन वसूली करता था। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फंट (के) के दो काडर को गिरफ्तार किया है। वांगखेम रोहित सिंह (18) और थांगजम नोंगन को दुकानों और वाहनों से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

टनल हादसे में फंसे झारखंड के चार मजदूर, परिवार चिंतित, ईश्वर से कर रहा प्रार्थना

गुमला। तेलंगाना टनल हादसे में झारखंड के 4 मजदूर फंसे हुए हैं। चारों मजदूर गुमला जिले के रहने वाले हैं। सभी को बाहर निकालने का कार्य जारी है। टनल में फंसे झारखड के चारों मजदूरों में सदर थाना क्षेत्र के तिर्रा गांव निवासी संतोष साहू, घाघरा थाना क्षेत्र के खंभिया कुंबा टोली निवासी अनुज साहू, रायडीह थाना क्षेत्र के कोबी टोली गांव निवासी जगता खेस और पालकोट थाना क्षेत्र के उम्दा नकटी टोली गांव निवासी संदीप साहू शामिल हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद इन मजदूरों के परिवार वाले चिंतित हैं और ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि वह सकुशल बाहर निकल आएं। बता दें शनिवार को तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल परियोजना का एक हिस्सा ढह जाने से गुमला के चार मजदूरों समेत कुल 8 लोग टनल में फंस गए हैं। बचाव दल उन्हें बाहर निकालने की कोशिश में जुटा है। बजाया जा रहा है कि फंसे मजदूरों के संबंध में तेलंगाना सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से परिजनों को कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, सुरंग से बचकर जो मजदूर बाहर निकले हैं, उनकी ओर से फंसे मजदूरों के परिजनों को इस घटना की जानकारी दी गई है, जिससे परिजन चिंतित हैं और स्थानीय थाने से अपडेट के लिए संपर्क में हैं। वहीं इस हादसे पर झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने भी दुख जताया है। उन्होंने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से सभी मजदूरों के रेस्क्यू में हरसंभव मदद करने की अपील की है। साथ ही कहा कि झारखंड सरकार तेलंगाना सरकार के संपर्क में है और हादसे से जुड़ी पल-पल की जानकारी ले रही है।

लुटेरे कोचिंग सेंटरों पर सरकार का शिकंजा, वापस दिलाए 1.56 करोड़

नई दिल्ली। कोचिंगों में पढ़ाई करने वाले छात्रों को कई बार फीस वापसी को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब केंद्र सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए 600 से ज्यादा छात्रों को 1.56 करोड़ रुपए वापस दिलाने में मदद की है। उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) के मुताबिक सिविल सेवा, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में इन छात्रों को कोचिंग संस्थानों द्वारा शर्तों का पालन नहीं करने के बावजूद फीस वापस नहीं कर रहा था। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि छात्रों द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के जरिए दर्ज की गई शिकायतों से राहत मिली है। विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से छात्रों को अधूरी सेवाओं, देर से कक्षाओं या रद्द किए गए पाठ्यक्रमों के लिए मुआवज़ा प्राप्त करने में मदद मिली है, जिससे यह तय हुआ है कि उन्हें अनुचित वित्तीय बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अपने निर्देश में सभी कोचिंग सेंटरों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्रों के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट, पारदर्शी रिफंड नीतियों को अनिवार्य बनाया गया है। मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया है कि वैध रिफंड दावों को अस्वीकार करने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिक्षण संस्थानों से उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने का आग्रह किया है। विभाग ने छात्रों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में शिक्षित करने और अनुचित व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन्हें जागरूक करने की बात कही है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन, न्याय पाने की चाहत रखने वाले छात्रों और उम्मीदवारों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित हुई है।

शराब पीकर उत्पात मचाया, अब आरोपी करेंगे सामुदायिक सेवा बतौर सजा

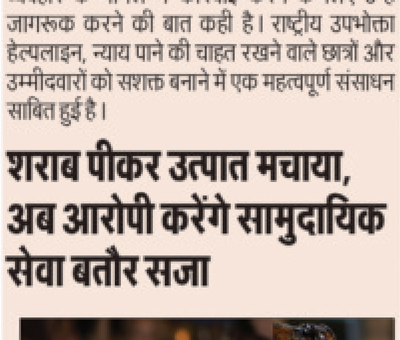

जम्मू। शराब के नशे में सार्वजनिक रूप से उपद्रव करने के आरोप में तीन लोगों को विशेष मजिस्ट्रेट ने सामुदायिक सेवा करने की सजा सुनाई। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि पहले मामले में 19 फरवरी को लेख राज और अशोक सिंह को सिधरा इलाके में नशे की हालत में उपद्रव करते पाए गए थे। आरोपियों को शनिवार को जम्मू में विशेष आबकारी मोबाइल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और दोनों को 10 दिनों तक रोजाना एक घंटे के लिए निकटतम अस्पताल में सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने कहा कि नए कानूनों के तहत यह प्रावधान मामूली अपराधों के लिए पुनर्वास और सामुदायिक जुड़ाव पर जोर देता है, सजा के बजाय सुधार को बढ़ावा देता है। इस तरह 17 फरवरी के एक अन्य मामले में कोट गढ़ी गांव के निवासी अमित मेहरा को नशे की हालत में उत्पात मचाते हुए पकड़ा था। मोबाइल मजिस्ट्रेट ने उन्हें 27 फरवरी तक के लिए अखनूर के वृद्धाश्रम में सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है।

पीएम मोदी बागेश्वर धाम पहुंचे, कैंसर अस्पताल की रखी आधारशिला

छतरपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बागेश्वर धाम में 100 बिस्तरों वाले कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखी। पीएम मोदी दोपहर 1 बजे खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से 1:45 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा बागेश्वर धाम पहुंचे। इस मौके पर जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज और साध्वी ऋतंभरा भी धाम पहुंचे, जबकि हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ कार्यक्रम स्थल पर पहले से मौजूद थी।

प्रधानमंत्री मोदी कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखने 23 फरवरी को बागेश्वर धाम पहुंचे हैं। बागेश्वर धाम में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए आस्था का केंद्र साबित होगा। बागेश्वर धाम आज आस्था और अनुकरण का केंद्र बन चुका है। यहां से पूरी दुनिया में जनकल्याण का संदेश जा रहा है। धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने मंदिर परिसर में एक अस्पताल बनाने का संकल्प लिया था, ताकि दुआ के साथ दवा भी उपलब्ध हो।

पीएम मोदी का संकल्प और धाम की भूमिका

प्रधानमंत्री मोदी ने इस संकल्प को मूर्तरूप देने के लिए खुद शिलापूजन किया। बागेश्वर धाम में बनने वाला यह कैंसर अस्पताल क्षेत्र के सैकड़ों मरीजों को लाभ पहुंचाएगा और चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाएगा।

भक्तों में उत्साह, ऐतिहासिक दिन

पीएम मोदी के आगमन को लेकर बागेश्वर धाम में भव्य तैयारियां की गई थीं। श्रद्धालु इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने और उन्होंने प्रधानमंत्री के इस कदम का स्वागत किया। कैंसर अस्पताल के निर्माण से क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को राहत मिल सकेगी।

अवैध प्रवासी भारत की चुनावी प्रक्रिया में कर रहे हस्तक्षेप

–उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा–ये लोग हमारे संसाधनों की कर रहे हैं मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अवैध प्रवासियों को लेकर दावा किया है कि अवैध प्रवासी देश की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं और इसके प्रति जागरूकता होनी चाहिए। अमेरिकी सरकार की ओर से हाल में अवैध प्रवासियों को भारत भेजने पर उन्होंने कहा कि हरेक भारतीय को पूछना चाहिए कि हमारे देश में यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। धनखड़ ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह में बोले रहे थे। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग जिन्हें भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है, वे यहां रह रहे हैं। वे यहां अपनी आजीविका कमा रहे हैं।

धनखड़ ने कहा कि ये लोग हमारे संसाधनों को लेकर मांग कर रहे हैं। हमारी शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र, आवास क्षेत्र को लेकर। वे हमारी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश में एक ऐसा माहौल बनाएं कि हर भारतीय इसके प्रति सचेत हो। अमेरिका का जिक्र किए बिना उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने हाल में उन भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर दिया जिन्हें धोखे से वहां ले जाया गया था। धनखड़ ने कहा कि हर भारतीय के मन में यह सवाल आना चाहिए कि हम ऐसा कब शुरू करेंगे?

उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को एक शक्तिशाली समूह के रूप में काम करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और सरकार से पूछना चाहिए कि क्या वे अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा धर्म और सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म का पालन कर सकता है, लेकिन प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण नहीं करा सकता है। भारत में मतदाता मतदान बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी फंडिंग का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब आधिकारिक खुलासा हुआ है कि चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र में हेरफेर करने की कोशिश करने वालों को बेनकाब करने के लिए गहन और सूक्ष्म स्तर की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश अपने गौरव को सुनिश्चित कर रहा है, भले ही इसमें देरी हुई हो। धनखड़ ने सलाह दी कि जो छात्र उत्तीर्ण होकर निकल रहे हैं, उन्हें विश्वविद्यालय से अपना जुड़ाव बनाए रखना चाहिए। सामाजिक बदलाव तभी संभव है जब सामाजिक समरसता होगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता विविधता में एकता को परिभाषित करेगी।

कांगड़ा के फतेहपुर में हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के फतेहपुर में रविवार दोपहर एक हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना 23 फरवरी दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में संदिग्ध वस्तु देखी, जिसके बाद करीब जाकर देखा गया तो पता चला कि यह एक हैंड ग्रेनेड है।

ग्रेनेड मिलने की खबर इलाके में आग की तरह फैली, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इसकी सूचना जैसे ही पुलिस को मिली वह भी बिना देर किए मौके पर पहुंची और इलाके को सील कर दिया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। साथ ही, पुलिस ने तुरंत पठानकोट स्थित भारतीय सेना को भी सूचित किया। खबर लिखे जाने तक एसपी नूरपुर अशोक रतन और आर्मी की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी और ग्रेनेड की जांच कर रही थी।

राष्ट्रपति शासन लगने से उग्रवादी हुए नरम, जमा करने लगे लूटे हुए हथियार

–राज्यपाल ने हथियार छोड़ने पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की कही थी बात

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने कहा था कि उग्रवादी संगठन अपने हथियार सरेंडर कर दें। उनकी इस अपील का असर अब दिखाई दे रहा है। चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिले के कई उग्रवादियों और लोगों ने हथियार जमा करा दिए हैं। राज्य में असम राइफल्स, सीआरपीएफ और पुलिस ने एक अभियान भी चलाया है जिससे वहां के समाज को हथियार मुक्त बनाया जा सके और हिंसा को रोका जा सके।

जानकारी के मुताबिक शनिवार को 16 अवैध और लूटे गए हथियार सरेंडर किए गए। इनमें एक एम-16 राइफल, एक 7.62 एमएम एसएलआर, दो एके श्रेणी की राइफल, तीन इनसास राइफल और अन्य खतरनाक हथियार शामिल हैं। गोला बारूद में 64 जिलेटिन रॉड, 10 राउंड 60 एमएम पुंपी, 17 राउंड एके राइफल के कारतूस और गोलियां शामिल हैं। एक लूटी गई टियर गैस गन भी अधिकारियों को सौंप गई है। आने वाले समय में कई संगठनों ने हथियार डालने का वादा किया है।

वहीं मेइती संगठनों के एक निकाय ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वह इस प्रक्रिया में सहयोगात्मक दृष्टिकोण के लिए युवा नेताओं के साथ औपचारिक रूप से जुड़ें। कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटेग्रिटी ने एक बयान में यह भी कहा कि सात दिन की समय सीमा बहुत कम है। राज्यपाल भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के लोगों से सात दिन के अंदर हथियार सौंपने को कहा था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस अवधि के दौरान हथियार छोड़ने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा था कि समय सीमा खत्म होने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीओसीओएमआई ने कहा कि हम इसे देश के कानून के तहत एक जरूरी कदम मानते हैं। उन परिस्थितियों को पहचानना जरूरी है जिनके कारण स्थानीय युवाओं ने हथियार उठाए और हथियार लूटे। यह स्थिति सरकारी सुरक्षा बलों की अक्षमता के कारण पैदा हुई है जो संकट के चरम पर होने के समय गांवों की रक्षा करने में विफल रहे हैं।

हैकर्स ने बायबिट पर साइबर अटैक कर 150 करोड़ डॉलर चुराए

–कंपनी की सिक्योरिटी टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स जांच में जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिप्टो मार्केट में चोरी का मामला सामने आया है। हैकर्स ने क्रिप्टो एक्सचेंज बायबिट पर साइबर अटैक कर 150 करोड़ डॉलर यानी 12,850 करोड़ रुपए के 4,01,347 एथर चुरा लिए। यह सबसे बड़ी चोरी मानी जा रही है। यह चोरी शुक्रवार को हुई थी। हैकर्स ने एक्सचेंज के एक एथर कोल्ड वॉलेट को निशाना बनाया और कई ट्रांजैक्शंस के जरिए एथर को अज्ञात जगह ट्रांसफर कर दी।

बायबिट के सीईओ बेन झोऊ ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि सिर्फ एक कोल्ड वॉलेट को हैक किया है, बाकी सभी फंड्स पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हमले के पीछे उत्तर कोरिया के कुख्यात लजारस ग्रुप का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। बायबिट के पूरी दुनिया में 6 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं और इसके जरिए बिटकॉइन और एथर जैसी क्रिप्टोकरेंसी का लेन-देन किया जाता है। इस बड़े हमले के बाद यूजर्स में चिंता बढ़ गई है।

कंपनी की सिक्योरिटी टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स इस मामले की जांच कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक क्रिप्टो फ्रॉड में इजाफा हो रहा है और 2024 में क्रिप्टो फ्रॉड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सीईओ बेन झोऊ ने भरोसा दिलाया कि केवल एक वॉलेट पर हमला हुआ है और अन्य वॉलेट्स पर कोई असर नहीं पड़ा है और निकासी सामान्य रूप से हो रही है। बायबिट का कहना है कि यदि चोरी हुए क्रिप्टो एसेट्स वापस नहीं मिलते हैं, तो भी यूजर्स को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। कंपनी ने आश्वासन दिया कि वह खुद इस नुकसान की भरपाई करेगी और ग्राहकों के एक-एक पैसे की सुरक्षा तय करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में क्रिप्टो फ्रॉड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसका एक बड़ा कारण पिग बुचरिंग स्कैम है, जिसमें अपराधी लोगों से दोस्ती बढ़ाकर उन्हें फर्जीवाड़े में फंसाते हैं। 13 फरवरी को आई रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में इस स्कैम का रेवेन्यू 40 फीसदी तक बढ़ गया। पिछले साल क्रिप्टो मार्केट में कम से कम 990 करोड़ डॉलर की चोरी हुई लेकिन जब पूरा डेटा सामने आएगा तो यह आंकड़ा 1,240 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है।

तेलंगाना सरकार की वित्तीय हालत खस्ता, जरुरत से ज्यादा लिया कर्ज

–रामाराव ने सीएम रेड्डी को राज्य के वित्त पर बहस करने की दी चुनौती

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में बजट सत्र से पहले पैसे की कमी है। पहले 297 करोड़ का फायदा होने वाला था, लेकिन जनवरी तक 26,050 करोड़ का घाटा हो गया। सरकार की जेब खाली हो रही है। अगर तीन बड़ी योजनाओं शुरू हो गई तो ये और भी बढ़ जाएगा। पहली योजना रायतू भरोसा है। इसमें किसानों को हर साल प्रति एकड़ 12 हजार मिलेंगे। दूसरी योजना इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा है। इसमें भूमिहीन मजदूरों को 12 हजार सालाना मिलेंगे। तीसरी योजना इंदिराम्मा इंदुलु है। इसमें बेघर लोगों को घर बनाने के लिए पांच लाख की मदद दी जाएगी।

तेलंगाना सरकार ने जरुरत से ज्यादा कर्ज ले लिया है। 49,255 करोड़ के बजट की जगह जनवरी तक 58,596 करोड़ का कर्ज लिया गया। इसमें से 10,386 करोड़ तो सिर्फ एक महीने में ही लिया। चुनाव में महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए देने का वादा भी अभी पूरा नहीं हुआ है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सीएम ए रेवंत रेड्डी को विधानसभा में राज्य के वित्त पर बहस के लिए चुनौती दी है। केटीआर ने सीएम रेड्डी पर राज्य को गलत प्रबंधन और झूठे प्रचार से वित्तीय संकट में धकेलने का आरोप लगाया है।

केटीआर ने कहा कि हिम्मत है, तो आइए तथ्यों पर बहस करें। हम बताएंगे कि कैसे कांग्रेस की लापरवाह नीतियां तेलंगाना को बर्बाद कर रही हैं। जनता को सच्चाई जानने का हक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना की प्रगति के बारे में झूठ फैला रही है। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई हमारे राज्य का अपमान करेगा या उसे कम आंकने की कोशिश करेगा तो हम चुप नहीं बैठेंगे। केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना की उपलब्धियों को झूठ और प्रचार से मिटाया नहीं जा सकता।

बीआरएस नेता ने कहा कि राज्य सांख्यिकी की रिपोर्ट जो एक आधिकारिक सरकारी दस्तावेज है, ने सच्चाई सामने ला दी है। उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट रेवंत रेड्डी के बढ़ते कर्ज के बयानों का खंडन करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने खुद एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें दिखाया गया है कि केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना की वित्तीय स्थिति कैसे मजबूत हुई। फिर भी रेवंत झूठ फैला रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2014 में पांच लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2023 तक 15 लाख करोड़ रुपए हो गया, यानी 300 फीसदी की बढ़ोतरी। केटीआर ने जोर देकर कहा कि इस विकास ने तेलंगाना को गुजरात जैसे औद्योगिक रूप से उन्नत राज्यों से आगे रखा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**